आज का विचार

दोस्ती कब किससे हो जाए अंदाजा नहीं होता। दोस्ती एक ऐसा घर जिसका कोई दरवाजा नहीं होता।

दैनिक सिटी दर्पण

आईना सच का

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ । वीरवार, 26 फरवरी, 2026 | वर्ष 24, अंक 49, मूल्यः 3 रुपए, | पृष्ठ 8 | RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 | www.citydarpan.com

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने किसानों को दिया बड़ा तोहफा, मालवा क्षेत्र के चार जिलों तक पहुँचा नहर का पानी

मालवा क्षेत्र की लाइफलाइन मानी जाने वाली फि रोजपुर फीडर नहर, फरीदकोट, फि रोजपुर, श्री मुक्तसर साहिब और फाजिल्का जिलों के लिए वरदान साबित होगी

यज्ञांश शर्मा

मक्खू

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज फिरोजपुर फीडर नहर के रेनोवेशन के पहले फेज का उद्घाटन किया और इसे किसानों के लिए एक ऐतिहासिक तोहफा बताया। उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक कदम भविष्य में पंजाब के पानी को बचाने के लिए एक ऐतिहासिक कदम सिद्ध होगा। इस नहर को मालवा क्षेत्र की लाइफलाइन बताते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह प्रोजेक्ट फिरोजपुर, फरीदकोट, श्री मुक्तसर साहिब और फाजिल्का जिलों के लिए वरदान सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि इस प्रोजेक्ट से सिंचाई की क्षमता बढ़ी है, जिससे पंजाब के खेतों तक नहर का पानी और पहुंचेगा। 180 करोड़ रुपये की लागत वाले इस प्रोजेक्ट से इस नहर की क्षमता 2681 क्यूसिक बढ़ गई है, जिससे इसकी क्षमता 11,192 क्यूसिक से बढ़कर 13,873 क्यूसिक हो गई है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पिछली सरकारें 74 साल तक नहर की कैपेसिटी बढ़ाने या कंक्रीट लाइनिंग करने में नाकाम रहीं, लेकिन मौजूदा सरकार ने जमीनी स्तर पर बड़े सुधार किए हैं। उन्होंने कहा कि जब उनकी सरकार सत्ता में आई थी, तब पंजाब के खेतों तक सिर्फ.21प्रतिशत नहरी पानी पहुंचता था, जबकि आज यह 68 प्रतिशत पहुँच रहा है जिससे पूरे राज्य में सिंचाई सिस्टम में बड़ा सुधार हुआ है।

मुख्यमंत्री ने आज फिर कहा कि पंजाब के पास किसी और को देने के लिए सरप्लस पानी नहीं है। उन्होंने कहा कि पंजाब का हित सबसे ऊपर है और किसी दूसरे राज्य को पानी की एक बूंद भी नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और अकाली दल की सरकारों ने दूसरे राज्यों को पानी देने के एग्रीमेंट करके पंजाब के साथ धोखा किया है। उन्होंने अकाली दल पर निशाना साधते हुए कहा कि जिस पार्टी को कमेटी बनाने के लिए 11 सदस्य नहीं मिल रहे, वह पंजाब में 117 सीटें जीतने का सपना देख रही है। इस अवसर पर एक सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, आज पंजाब के लोगों, विशेष रूप से मालवा क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक और खुशी का दिन है। फिरोजपुर फीडर नहर, जिसे मालवा क्षेत्र के कई जिलों की लाइफलाइन माना जाता है, के नवीनीकरण के पहले फेज का आज उद्घाटन हो रहा है। उन्होंने आगे कहा, नवीनीकरण से यह नहर इंसानों, जानवरों और कृषि क्षेत्र की पानी की जरूरतों को पूरा करके वरदान सिद्ध होगी। मुख्यमंत्री ने कहा, पहले फेज पर 180 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। मैं उन इंजीनियरों, सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों को शुभकामनाएं देता हूं जिन्होंने 35 दिनों के अंदर युद्ध स्तर पर नहर की 15 किलोमीटर लाइनिंग पूरी की। उन्होंने कहा कि इस प्रोजेक्ट के लिए कुल 126 सरकारी कर्मचारी और 4,000 कर्मचारी लगाए गए थे। उन्होंने कहा, पहले फेज के उद्घाटन के साथ ही नहर की कैपेसिटी 2,681 क्यूसिक बढ़ गई है। पहले नहर की कैपेसिटी 11,192 क्यूसिक थी, जो अब बढ़कर 13,873 क्यूसिक हो गई है।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, राज्य सरकार ने नहर सिस्टम को फिर से शुरू करने के लिए 6,500 करोड़ रुपये खर्च किए हैं और पहली बार राज्य के 1365 गांवों को नहर का पानी मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब आप सरकार सत्ता में आई थी, तब राज्य में सिंचाई के लिए नहर के पानी का सिर्फ.21 प्रतिशत उपयोग हो रहा था। आज, सिंचाई के लिए नहर के पानी का 68 प्रतिशत उपयोग हो रहा है और आने वाले धान के मौसम तक इसे बढ़ाकर 85 प्रतिशत कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अंतिम शोर तक पानी पहुंचाने के लिए 6,900 किलोमीटर लंबाई के 18,349 रजवाहों को फिर से चालू किया गया है।

पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, जिन नेताओं के घर तक नहरी समाप्त हो जाती थी , उन्होंने कभी इसकी चिंता नहीं की। किस तरह के निर्णय मात्र वही नेता ले सकते हैं जिन्हें जमीनी हकीकत पता हो, न कि वे जो पहाड़ों पर कॉन्वेंट स्कूलों में पढ़े हों। उन्होंने आगे कहा, ये पुरानी राजनीतिक पार्टियां गद्दार थीं जो कभी राज्य और उसके लोगों के प्रति वफादार नहीं रहीं। इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री बरिंदर गोयल, सामाजिक सुरक्षा, महिला और बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर व कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुडियां भी मौजूद थे।

भारत इजराइल साझेदारी आपसी फायदे के साथ दुनिया को स्थिर और खुशहाल बनाने में दे रही योगदान : मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को स्पीकर ऑफ द नेसेट मेडल से सम्मानित किया

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को इजराइली संसद (नेसेट) को संबोधित किया और कहा कि दोनों देशों की मजबूत साझेदारी आपसी फायदे के साथ ही दुनिया भर में स्थिरता और खुशहाली में भी योगदान देती है। हमें पक्का करना चाहिए कि भारत और इजराइल के बीच दोस्ती अनिश्चित दुनिया में ताकत का जरिया बनी रहे।

अपने भाषण में प्रधानमंत्री ने इजराइल में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की और गाजा शांति योजना का समर्थन किया।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन की शुरूआत में कहा कि इजराइली संसद को संबोधित करना उनके लिए गरिमा और सम्मान की बात है। उन्होंने इस बात का भी उल्लेख किया कि भारत ने जिस दिन इजराइल को देश के रूप में मान्यता दी थी उसी दिन (17 सितंबर 1950) उनका जन्म हुआ था।

अपने भाषण में आतंकवाद की कड़ी निंदा करते हुए मोदी ने इजराइल के साथ एकजुटता दिखाई। उन्होंने कहा कि निर्दोष नागरिकों की हत्या को किसी भी तरह से जायज नहीं ठहराया जा सकता। आतंकवाद का लक्ष्य समाज को अस्थिर करना, विकास को रोकना और भरोसा खत्म करना है। इस पर किसी भी तरह से दोहरे मापदंड नहीं होने चाहिए। साथ ही समन्वय और सतत प्रयास के साथ आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। साथ ही उन्होंने क्षेत्रीय स्थिरता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने कहा कि भारत गाजा शांति योजना को पूर्ण समर्थन देता है।

प्रधानमंत्री के भाषण के बाद उन्हें स्पीकर ऑफ द नेसेट मेडल से सम्मानित किया। प्रधानमंत्री मोदी यह मेडल पाने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री हैं, जो नेसेट का सबसे बड़ा सम्मान है।

भारत और इजराइल के बीच के हजारों साल पुराने सभ्यगत संबंधों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि नागरिक संबंध दोनों देशों की दोस्ती का आधार है। उन्होंने यह भी कहा कि यहूदी भारत में ना सताए गए और ना ही उनके साथ कभी भेदभाव हुआ। इस दौरान भारत की विकास यात्रा में योगदान देने वाले प्रमुख यहूदी के नाम भी उन्होंने उल्लेख किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और इजराइल के बीच के संबंधों को रणनीतिक साझेदारी में बदले जाने के बाद से इसका स्तर और दायरा बहुत बढ़ा है। भारत जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है ऐसे में नवाचार और तकनीकी में आगे इजराइल के साथ उसके संबंध स्वभावी तौर पर भविष्य उन्मुख साझेदारी के संकेत हैं। प्रधानमंत्री ने क्वांटम कंप्यूटर, सेमीकंडक्टर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों के सहयोग की संभावनाओं का जिक्र किया। प्रधानमंत्री ने इजराइल में योग को मिलते विस्तार और आयुर्वेद में बढ़ती रुचि का जिक्र करते हुए इजराइली युवाओं को भारत आने और चिकित्सा प्रणाली से जोड़ने का आान किया।

इससे पहले, प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने प्रधानमंत्री मोदी की बिना कोई इधर-उधर की बात किये इजराइल के साथ खड़े रहने की सराहना की। अपने स्वागत भाषण में उन्होंने नरेन्द्र मोदी के दोनों देशों के संबंधों को और अधिक प्रगाढ़ बनाने में योगदान की विशेष प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इसके चलते दोनों देशों का व्यापार दो गुना, सहयोग तीन गुना और समझ चार गुना हुई है।

इजराइली प्रधानमंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी की विश्व नेताओं के साथ गले लगने की विशेष अभिवादन शैली की तारीफ करते हुए कहा कि इस दुनिया में मोदी हग के रूप में जाना जाता है।

नेतन्याहू ने इस बात को रेखांकित किया कि यहूदी दुनिया में केवल भारत में ही भेदभाव का सामना नहीं करना पड़ा।

राष्ट्र निर्माण में स्वस्थ नागरिकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्णः मुर्मू

एजेंसी (हि.स.)

बुलढाणा

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बुधवार को महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले के शिरगांव में आयोजित राष्ट्रीय आरोग्य मेला 2026 का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि संत गजानन महाराज की पावन भूमि पर स्वास्थ्य और जनकल्याण को समर्पित कार्यक्रम का उद्घाटन करना उनके लिए हर्ष का विषय है। उन्होंने कहा कि हमारी परंपरा में आरोग्यं परमं सुखम्‌कहा गया है अर्थात अच्छा स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा सुख है। राष्ट्र निर्माण में स्वस्थ नागरिकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। राष्ट्रपति ने कहा कि आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा-रिग्पा और होम्योपैथी जैसी आयुष प्रणालियां केवल उपचार तक सीमित नहीं हैं बल्कि संतुलित आहार, दिनचर्या, ऋतुचर्या, योग और ध्यान पर आधारित समग्र जीवनशैली ढांचा प्रस्तुत करती हैं। उन्होंने कहा कि आज विश्व यह समझ रहा है कि वास्तविक स्वास्थ्य शरीर और मन के संतुलन से ही संभव है।

महाराष्ट्र के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने आयुर्वेद को प्रकृति पर आधारित कालातीत वैज्ञानिक परंपरा बताया। उन्होंने कहा कि हमारे ऋषि-मुनि प्रथम शोधकर्ता थे, जिन्होंने पंचमहाभूतों पर आधारित शरीर विज्ञान की गहरी समझ विकसित की। उन्होंने गुणवत्ता, प्रामाणिकता और अनुसंधान को सुदृढ़ करने पर बल दिया।

केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रतापराव जाधव ने राष्ट्रीय आरोग्य मेले को भारतीय पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों का महाकुंभ बताया। उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल स्वास्थ्य शिविर नहीं बल्कि देश की समग्र स्वास्थ्य परंपरा को जन-जन तक पहुंचाने का राष्ट्रीय अभियान है। उन्होंने आयुष पर्यटन की अपार संभावनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत समग्र वेलनेस के क्षेत्र में विश्व का मुकुट बन सकता है। इससे रोजगार सृजन, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और औषधीय पौधों की खेती को भी बढ़ावा मिलेगा।

आयुष मंत्रालय के सचिव राजेश कोटेचा ने कहा कि आरोग्य मेले जन-जागरूकता और प्रामाणिक आयुष पद्धतियों के प्रदर्शन का प्रभावी मंच हैं। मंत्रालय गुणवत्ता, अनुसंधान और वैश्विक सहयोग को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

इस अवसर पर राष्ट्रपति ने आयुर्वेद के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रतिष्ठित चिकित्सकों को ह्यलाइफटाइम आयुर्वेदिक गौरव सम्मानह्ल प्रदान किया। सम्मानित होने वालों में वैद्य देवेंद्र त्रिगुणा, वैद्य राकेश शर्मा, आशुतोष गुप्ता, मनीषा कोटकर, पीएम वैरियर और रामदास शामिल रहे।

मेले में निःशुल्क परामर्श, औषधि वितरण, विशेषज्ञ व्याख्यान और औषधीय पौधों की खेती से जुड़े किसानों के लिए विशेष सत्र आयोजित किए गए। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री रक्षा खड़से सहित अनेक जनप्रतिनिधि और आयुष विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

केंद्रीय गृहमंत्री की अध्यक्षता में बिहार के किशनगंज में सुरक्षा को लेकर समीक्षा बैठक

एजेंसी (हि.स.)

किशनगंज-पूर्णिया

केंद्रीय गृह मंत्री अपने तीन दिवसीय दौरे के पहले दिन पूर्णिया हवाई अड्डे से सीमांचल के किशनगंज बुधवार शाम पहुंचे। यहां केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में सुरक्षा के मद्देनजर समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई।

बैठक में सुरक्षा व्यवस्था, विकास योजनाओं एवं प्रशासनिक कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। इस अवसर पर बिहार के गृह मंत्री सम्राट चौधरी भी मौजूद रहे। उन्होंने राज्य में कानून-व्यवस्था सुदृढ़ करने तथा केंद्र और राज्य सरकार के बीच बेहतर समन्वय पर जोर दिया।

बैठक में संबंधित विभागों के वरीय अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम को लेकर प्रशासनिक स्तर पर व्यापक तैयारी की गई थी और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। इससे पहले गृहमंत्री अमित शाह शाम 5.10 बजे बिहार के पूर्णिया हवाईअड्डा पहुंचे। जहां उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, गृहराज्यमंत्री नित्यानंद राय सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने स्वागत किया। पूर्णिया में संक्षिप्त ठहराव के बाद वे करीब 5:40 बजे हेलिकॉप्टर/विशेष विमान से किशनगंज के लिए रवाना हुए और लगभग 6:15 बजे किशनगंज एयरपोर्ट पहुंचे।

किशनगंज हवाईअड्डे पर बिहार सरकार के मंत्री दिलीप जायसवाल, जिले के वरीय अधिकारियों और सुरक्षा एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने उनका औपचारिक स्वागत किया। वहां से वे सीधे काफिले के साथ जिला परिषद स्थित मेची सभागार पहुंचे, जहां उच्चस्तरीय बैठक की।

बैठक में बिहार सरकार के कई वरिष्ठ अधिकारी, एसएसबी, बीएसएफ सहित अन्य सुरक्षा एवं प्रशासनिक विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

गांधी परिवार ने हमेशा देशहित से समझौता किया: पीयूष गोयल

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता पीयूष गोयल ने आरोप लगाया कि गांधी परिवार ने हमेशा देशहित से समझौता किया और इसकी शुरूआत देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू से हुई थी। भाजपा मुख्यालय में बुधवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में गोयल ने कहा कि गांधी परिवार समझौतावादी राजनीतिक परिवार रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का इतिहास और वर्तमान दोनों इस बात के उदाहरण हैं कि किस प्रकार यह परिवार राष्ट्रहित से समझौता करता रहा है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए गोयल ने उन्हें नकारात्मक राजनीति का पोस्टर बॉय बताया। गोयल ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी विदेशी ताकतों के प्रभाव में देशहित के विरुद्ध बयान देते हैं और भारत की छवि को नुकसान पहुंचाने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का देश विरोधी ताकतों के साथ संबंध है। किस प्रकार से वो बॉर्डर संसेटिव एरिया लद्दाख में जाकर साकिर मिराली जैसे विदेशी लोग, जो भारत के हितों के खिलाफ काम करते हैं, उनके साथ संबंध रखते हैं। आज पूरा देश जानता है कि राहुल गांधी किस प्रकार से ओछी

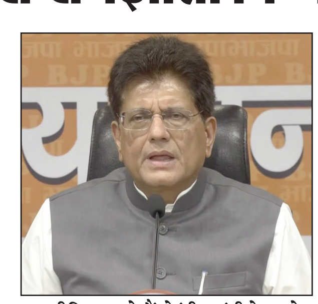

राजनीति कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के कार्यकाल में भी ऐसे कई फैसले लिए गए, जिन्हें वे देशहित के प्रतिकूल बताते हैं। गोयल ने 1971 के शिमला एग्रीमेंट का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय 93 हजार पाकिस्तानी युद्धबंदियों को रिहा किया गया लेकिन पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर वापस नहीं लिया गया। उन्होंने बोफोर्स मामले का जिक्र करते हुए कहा कि उस प्रकरण में निष्पक्ष जांच नहीं होने दी गई। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि नेहरू काल में चीन और तिब्बत से जुड़े मुद्दों पर भी देशहित से समझौता किया गया। गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में उभरते नए भारत को देखकर कांग्रेस नेतृत्व असहज है और इसी कारण वह लगातार नकारात्मक राजनीति कर रहा है। उन्होंने कहा कि देश की जनता सब देख रही है और समय-समय पर अपना निर्णय देती रही है।

पारदर्शी भर्ती से युवाओं का विश्वास बहाल, झूठ की दुकान की राजनीति बेनकाबः नायब सिंह सैनी

भूपेंद्र शर्मा

चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को हरियाणा विधानसभा में कांग्रेस द्वारा लाए गए काम रोको प्रस्ताव पर चर्चा के उपरांत जवाब देते हुए कांग्रेस पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि प्रदेश में कांग्रेस ने वर्षों तक झूठ की दुकान खोलकर जनता को गुमराह किया। इन्होंने भर्ती प्रक्रिया को बाधित करने के लिए भर्ती रोको गैंग खड़ा किया।

मुख्यमंत्री ने सदन में नौकरियों से संबंधित विस्तृत लेखा-जोखा प्रस्तुत करते हुए स्पष्ट किया कि वर्तमान सरकार ने पारदर्शिता और मेरिट के आधार पर युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया है, जबकि कांग्रेस शासनकाल में भ्रष्टाचार चरम पर था और रेवड़ी कल्चर को बढ़ावा दिया जाता था। उन्होंने कहा कि सरकार की उपलब्धियों से बौखलाया विपक्ष निराश, हताश और कुंठाग्रस्त हो अनर्गल आरोप लगा रहा है, लेकिन तथ्यात्मक जवाब से उसकी झूठ की राजनीति पर ताला लग चुका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष ने अपने काम रोको प्रस्ताव में तीन परीक्षाएं रद्द होने तथा 8 हजार 653 पदों के विज्ञापन को वापिस लेने की बात कही है। लेकिन वास्तविक्ता है कि हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग ने 8 हजार 653 पदों के विज्ञापन को वापिस लिया था, क्योंकि सीईटी परीक्षा होनी थी और नए अभ्यर्थी भी इस परीक्षा में शामिल हो सकें। इसी संदर्भ में आयोग ने बढ़े हुए पदों के साथ फिर से विज्ञापन निकाल दिया।

उन्होंने कहा कि विपक्ष के पास तथ्य नहीं है, लेकिन सरकार के पास यह बात आई कि ग्राम सचिव का पेपर लीक हुआ। इस आशंका के चलते यह परीक्षा रद्द कर दी गई थी। इसे 28 जून, 2024 को फिर से विज्ञापित किया गया और 17 अगस्त, 2024 को लिखित परीक्षा सफलतापूर्वक आयोजित की गई। यही नहीं, इसका परिणाम भी 17 अक्तूबर, 2024 को घोषित किया गया। उन्होंने कहा कि विपक्ष के सदस्यों के पास कोई नया मुद्दा नहीं है, बल्कि इसी सवाल को पिछले सत्र में तारांकित प्रश्न संख्या 46 के रूप में पूछा जा चुका है और सरकार ने हर बिंदु पर जवाब दिया। विपक्ष का काम झूठ बोलना है, इन्होंने तो झूठ की दुकान खोल रखी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पटवारी व नहरी पटवारी की परीक्षा पात्रता मापदंड में बदलाव के कारण रद्द की गई थी। इसे सामान्य पात्रता परीक्षा के अधीन पूरा कर लिया गया है। इसी प्रकार, पुलिस कांस्टेबल की लिखित परीक्षा भी पेपर लीक की आशंका के चलते रद्द की गई थी। इसकी भी तारीख फिर से निर्धारित करके सफलतापूर्वक परीक्षा आयोजित की गई और 16 जून, 2022 को परिणाम घोषित किया गया। उन्होंने कहा कि सहायक प्रोफेसर अंग्रेजी भर्ती के संदर्भ में भी पूरी प्रक्रिया निर्धारित नियमों के अनुसार संपन्न हुई। अंतिम परिणाम माननीय उच्च न्यायालय के स्थगन आदेश के कारण लंबित है। सरकार इस मामले की प्रभावी पैरवी कर रही है और न्यायालय का निर्णय आते ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। सहायक प्रोफेसर के 2 हजार 424 पदों के विरुद्ध 1,022 पदों की सिफारिश विभाग को भेजी जा चुकी है तथा शेष पदों पर भर्ती प्रक्रिया प्रगति पर है। हेडमास्टर के पदों पर पदोन्नति प्रक्रिया भी न्यायालय के आदेश के कारण रुकी हुई है, जिस पर सरकार सक्रिय रूप से कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने हरियाणा पब्लिक सर्विस कमीशन यानि एचपीएससी के जरिये कांग्रेस कार्यकाल में की गई भर्तियों का विवरण देते हुए बताया कि 1 अप्रैल 2005 से 31 मार्च 2006, 1 अप्रैल 2006 से 31 मार्च 2007 तथा 1 अप्रैल 2007 से 31 मार्च 2008 तक किसी भी साल में एक भी भर्ती नहीं की। 1 अप्रैल, 2008 से 31 मार्च, 2009 में 22, 1 अप्रैल 2009 से 31 मार्च 2010 में 176, 1 अप्रैल 2010 से 31 मार्च 2011 में 712 तथा 1 अप्रैल 2011 से 31 मार्च 2012 में 1046 युवाओं की भर्ती की। इसके अलावा, 1 अप्रैल 2012 से 31 मार्च 2013 में 1046, 1 अप्रैल 2013 से 31 मार्च 2014 में 448 तथा 1 अप्रैल 2014 से अक्तूबर 2014 तक 143 युवाओं की भर्ती की। इस प्रकार कांग्रेस ने अपने 10 साल के कार्यकाल में 3593 युवाओं की भर्ती की। मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्तमान सरकार ने हरियाणा पब्लिक सर्विस कमीशन यानि एचपीएससी के जरिये पिछले 11 सालों में कुल 11 हजार 17 युवाओं की भर्ती की है। इससे पता चलता है कि वर्तमान सरकार हर परीक्षा को बिना किसी गड़बड़ी के पारदर्शी ढंग से आयोजित करवा रही है। सरकार की इस सफलता से विपक्ष निराशा और हताशा में है। इसी के चलते प्रदेश के युवाओं को भ्रमित करने के लिए इस प्रकार के नेरेटिव चलाने का प्रयास किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 में जब से हमारी सरकार आई है, सरकार ने पूर्णतः पारदर्शी चयन प्रक्रिया अपनाई है। जो हरियाणा के युवा हरियाणा की भर्ती एजेंसियों से निराश और हताश हो गये थे, उनमें इन एजेंसियों के प्रति विश्वास लौटा है। यह सिर्फ वर्तमान सरकार में होता है कि जरा सी गड़बड़ी की आशंका भी होती है, तो परीक्षा रद्द कर दी जाती है। परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए हर पल सरकार हरियाणा के युवाओं के साथ खड़ी है।

शिक्षा मंत्री ने सरकीधार में किया 3.29 करोड़ रुपए लागत के स्कूल भवनों व पंचायत घर का शिलान्यास

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने आज बल्ह विधानसभा क्षेत्र के सरकीधार में लगभग 3 करोड़ 29 लाख से निर्मित होने वाले सरकीधार उच्च और प्राथमिक विद्यालय भवनों तथा पंचायत घर सरकीधार के भवन का विधिवत शिलान्यास किया।

इस अवसर पर रोहित ठाकुर ने कहा कि वर्ष 2023 और 2025 में प्राकृतिक आपदा का केंद्र जिला मंडी रहा था, जिसमें जान-माल का अत्याधिक नुकसान हुआ, वहीं शिक्षा विभाग भी इससे अछूता न रहा और कई विद्यालयों के भवनों सहित अन्य संपदा को नुकसान पहुंचा। यह स्कूल भी इस दौरान क्षतिग्रस्त हो गया था। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा प्रभावितों को त्वरित राहत पहुंचाने के साथ ही नुक्सान की भरपाई के हरसंभव प्रयास किए गए। शिक्षा विभाग के माध्यम से लगभग 27 करोड़ 61 लाख रूपए की धन राशि पुनर्बहाली कार्यों के लिए उपलब्ध करवाई गई।

उन्होंने बताया कि राजकीय उच्च पाठशाला सरकीधार के नए भवन के निर्माण पर लगभग एक करोड़ 40 लाख रुपए तथा प्राथमिक विद्यालय सरकीधार के नए भवन पर 74.68 लाख रुपए व्यय किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त पंचायत घर सरकीधार का निर्माण पर लगभग 01 करोड़ 14 लाख रुपए व्यय किए जाएंगे।

गौरतलब है कि वर्ष 2023 में आई आपदा में उक्त स्कूल क्षतिग्रस्त हो गया था जिसे असुरक्षित घोषित किया गया था। इस समय बच्चों की पढ़ाई निजी भवन में करवाई जा रही है।इस मौके पर उन्होंने स्थानीय निवासी चमन लाल और दिनेश को सम्मानित भी किया जिन्होंने अपने भवन इन स्कूलों के अस्थायी रूप से संचालन के लिए प्रदान किए हैं।रोहित ठाकुर ने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा में गुणात्मक सुधार के लिए कई कदम उठा रही है।गत दो वर्षों में शिक्षा विभाग के तहत 07 हजार से अधिक अध्यापक नियुक्त किए गए जबकि 04 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रिया जारी है। इसके अलावा 600 पद सीबीएससी से संबद्ध स्कूलों के लिए भरे जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि प्रथम चरण में प्रदेश में 148 राजकीय पाठशालाओं को सीबीएसई से संबद्ध किया जा रहा है। उन्होंने बल्ह विधानसभा क्षेत्र के गुरूकोठा और गागल स्कूल को दूसरे चरण में सीबीएसई से संबद्ध करने का आश्वासन भी दिया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री प्रकाश चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू और शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर के नेतृत्व में शिक्षा विभाग में मूलभूत सुधार किए गए हैं।उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने सीबीएसई स्कूल खोलने का जो निर्णय लिया, वह सराहनीय है। उन्होंने रिवालसर और भंगरोटू स्कूलों को सीबीएसई में शामिल करने के लिए आभार जताया और गुरुकोठा व गागल स्कूलों को भी इसमें शामिल करने का आग्रह किया। उपनिदेशक माध्यमिक शिक्षा यशवीर धीमान ने मंत्री का स्वागत किया व स्कूल की गतिविधियों की जानकारी दी।

भाजपा की ताकत इसका विचार और समर्पित कार्यकर्ता: जयराम ठाकुर

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने सुंदरनगर स्थित जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान-2026' के अंतर्गत मंडी संसदीय क्षेत्र की कार्यशाला को संबोधित करते हुए पार्टी की वैचारिक जड़ों को सींचने और संगठनात्मक मजबूती का आह्वान किया, जहाँ उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि भारतीय जनता पार्टी आज दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन केवल अपनी संख्या के कारण नहीं, बल्कि अपने अडिग वैचारिक अधिष्ठान और निस्वार्थ भाव से समर्पित करोड़ों कार्यकताओं की बदौलत है।इस प्रशिक्षण शिविर में जयराम ठाकुर ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय' और एकात्म मानववाद के सिद्धांतों की प्रासंगिकता पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि भाजपा का मूल लक्ष्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति का उदय करना है और जब तक विकास की किरण हर गरीब की दहलीज तक नहीं पहुंचती, तब तक संगठन का कार्य पूर्ण नहीं माना जा सकता। कार्यशाला के दौरान उन्होंने जमीनी स्तर पर संगठन को सशक्त बनाने, बूथ प्रबंधन को सुव्यवस्थित करने और जनसेवा के प्रति कार्यकताओं की जवाबदेही तय करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहन विमर्श किया, जिसे उन्होंने आगामी चुनावों और सांगठनिक विस्तार के लिए एक मील का पत्थर बताया।इस वैचारिक सत्र में प्रदेश प्रभारी श्रीकांत शर्मा, सह-प्रभारी डॉ. संजय टंडन और प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल सहित कई दिग्गज नेताओं की उपस्थिति ने कार्यकताओं के मनोबल को नई ऊंचाइयां प्रदान कीं।

बाद में मीडिया से बातचीत में जयराम ठाकुर ने प्रदेश की वर्तमान कांग्रेस सरकार पर कड़ा प्रहार करते हुए आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली सरकार केंद्र की जनकल्याणकारी योजनाओं का श्रेय लूटने की राजनीति कर रही है। विशेष रूप से सर्वाइकल कैंसर के खिलाफ चलाए जा रहे 'ह्यूमन पैपिलोमा वायरस' (एचपीवी) टीकाकरण अभियान का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि 9 से 14 वर्ष की किशोरियों को गंभीर बीमारी से बचाने वाला यह अभियान पूर्णतः केंद्र सरकार की योजना है, जिसे राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा संचालित किया जा रहा है, परंतु राज्य सरकार अपने विज्ञापनों में केंद्र के योगदान का नाम तक नहीं ले रही है।उन्होंने आंकड़ों के साथ स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिमाचल प्रदेश को विशेष श्रेणी के राज्य का दर्जा दिया है, जिसके कारण इस टीकाकरण अभियान के कुल खर्च का 90 प्रतिशत हिस्सा केंद्र सरकार वहन कर रही है और राज्य का योगदान मात्र 10 प्रतिशत है, फिर भी सुक्खू सरकार राजनीतिक संकीर्णता के कारण प्रधानमंत्री मोदी और केंद्र सरकार को इसका उचित श्रेय देने से बच रही है। जयराम ठाकुर ने इसे प्रदेश सरकार की कृतघ्नता और राजनीतिक दिवालियापन करार देते हुए कहा कि बेटियों के स्वास्थ्य से जुड़े इतने संवेदनशील और महत्वपूर्ण अभियान पर राजनीति करना दुर्भाग्यपूर्ण है।

प्रतिनिधिमंडल ने सत शर्मा से मुलाकात की

एजेंसी (हि.स.)
जम्मू

मैनेजिंग डायरेक्टर रवि कांत और बोर्ड के डायरेक्टर चरणजीत सिंह रैना के नेतृत्व में सिटीजन्स कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड के एक प्रतिनिधिमंडल ने जम्मू-कश्मीर भाजपा अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद सत शर्मा और महासचिव (संगठन) अशोक कौल से मुलाकात की और बैंक की वित्तीय स्थिति को मजबूत करने के लिए जम्मू-कश्मीर सरकार से शेयर पूंजी के रूप में 40 करोड़ रुपये के निवेश की मांग करते हुए एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा।यह बैठक भारतीय जनता पार्टी की सहकारिता प्रकोष्ठ द्वारा जम्मू के त्रिकुटा नगर स्थित पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में हुई।

इस अवसर पर जम्मू-कश्मीर भाजपा की महासचिव संजीता डोगरा, अखिल प्रकोष्ठ प्रभारी वेद शर्मा, सहकारिता प्रकोष्ठ संयोजक अंकुश गुप्ता, वरिष्ठ नेता एच.एस. पम्मी और अन्य पार्टी पदाधिकारी भी उपस्थित थे। संवाद के दौरान जम्मू क्षेत्र के विभिन्न सहकारी संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया और अपने-अपने संगठनों के सामने आने वाली परिचालन और वित्तीय चुनौतियों पर प्रकाश डाला। क्षेत्र में सहकारी संस्थानों के कामकाज और स्थिरता में सुधार के लिए कई रचनात्मक सुझाव दिए गए।

इस अवसर पर बोलते हुए प्रबंध निदेशक रवि कांत ने कहा कि सिटीजन्स कोऑपरेटिव बैंक जम्मू का सबसे पुराना और सबसे बड़ा शहरी सहकारी बैंक है जिसके 45,000 से अधिक सदस्य हैं। उन्होंने बैंक की बैलेंस शीट, नेट वर्थ और वर्तमान वित्तीय स्थिति का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। तत्काल सहायता की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि बैंक की वित्तीय स्थिति को मजबूत करने।

पूंजी पर्याप्तता में सुधार करने और परिसंपत्ति पोर्टफोलियो को पुनर्जीवित करने के लिए सरकार द्वारा शेयर पूंजी का निवेश अत्यंत आवश्यक है। प्रतिनिधिमंडल और अन्य हितधारकों की बात ध्यानपूर्वक सुनने के बाद, सत शर्मा ने प्रतिनिधियों को आश्वासन दिया कि वे इस मामले को जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री और संबंधित विभागों के समक्ष उचित विचार-विमर्श के लिए उठाएंगे।

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन दो दिवसीय दौरे पर जम्मू-कश्मीर पहुंचे

एजेंसी (हि.स.)
श्रीनगर

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन बुधवार को जम्मू-कश्मीर के दो दिवसीय दौरे पर श्रीनगर पहुंचे।

उपराष्ट्रपति को लेकर एक बिजनेस बोइंग जेट बुधवार शाम श्रीनगर हवाई अड्डे पर उतरा। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, मुख्य सचिव अटल दुल्लू, श्रीनगर स्थित सेना की 15वीं कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) और जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ने हवाई अड्डे पर उपराष्ट्रपति का स्वागत किया।

वे एक सुरक्षित काफिले में श्रीनगर के चश्मा शाही इलाके में स्थित राजभवन गए जहां वे अपने दौरे के दौरान ठहरेंगे।

पदभार ग्रहण करने के बाद यह उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन का जम्मू-कश्मीर का पहला दौरा है।

वे गुरुवार को हजरतबल परिसर में कश्मीर विश्वविद्यालय के 21वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। उपराज्यपाल कश्मीर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति हैं जबकि मुख्यमंत्री प्रो-कुलाधिपति हैं।

संक्षिप्त-समाचार

पुंछ के मेंढर इलाके में तलाशी अभियान के दौरान हथियार और विस्फोटक बरामद

पुंछ। पुंछ जिले के मेंढर उपमंडल के कसबलारी इलाके में बुधवार को सुरक्षा बलों ने घेराबंदी और तलाशी अभियान (सीएएसओ) के दौरान भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद किए। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि विशिष्ट खुफिया सूचनाओं के आधार पर सुरक्षा बलों की एक संयुक्त टीम ने मेंढर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत कसबलारी के मोहल्ला सलानी में तलाशी अभियान चलाया। सुरक्षा बलों ने लगभग 4.5 किलोग्राम वजन का एक बड़ा देसी बम (आईईडी), एक छोटा आईईडी, दो चीनी ग्रेनेड, दो राउंड के साथ एक 9 मिमी पिस्तौल, 7.62 मिमी गोला बारूद के 22 राउंड और एक पुराना काला बैग बरामद किया। उन्होंने बताया कि विस्फोट में किसी के जानमाल का नुकसान नहीं हुआ। आगे की जांच जारी है और अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है।

सिरमौर पुलिस द्वारा अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई, 39 चालान काटे

नाहन। जिला सिरमौर पुलिस द्वारा पुलिस अधीक्षक जिला सिरमौर के निदेर्शानुसार 23 व 24 फरवरी को जिला सिरमौर में अवैध खन्न के विरुद्ध विशेष जाँच अभियान के अन्तर्गत योजनाबद्ध तरीके से विशेष कार्यवाही की गई है। इस अभियान के दौरान 31 ट्रैक्टरों, 07 टिप्परों व एक पिकअप के विरुद्ध खनन कानून के तहत कार्यवाही करते हुए उनके चालान किये गये गाडियों को जब्त किया गया है। इन वाहनों को जिले के विभिन्न क्षेत्रों में अवैध खनन गतिविधियों में शामिल पाया गया था। इन वाहनों के खिलाफ किये गये चालानों को आगे की कार्यवाही के लिये संबंधित अदालत में पेश किया गया है। पुलिस अधीक्षक सिरमौर निश्चिन्त सिंह नेगी ने मामले की पुष्टि करते हुए बतायाकि जिला पुलिस का अवैध खनन के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

शैक्षणिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने जाना औषधीय व सुगंधित पौधों का महत्व

मंडी। मंडी जिला की तहसील चच्योट के राजकीय उच्च विद्यालय बहवा के 25 विद्यार्थियों एवं दो शिक्षकों ने कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर, थुनाग स्थित गोहर का एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण किया। इस अवसर पर डॉ. अरुणा मेहता, वैज्ञानिक औषधीय एवं सुगंधित पौधे ने विद्यार्थियों को औषधीय और सुगंधित पौधों के महत्व, उनके स्वास्थ्य लाभ तथा आय के स्रोत के रूप में उनकी संभावनाओं के बारे में जानकारी दी। डॉ. रजत सिंह, सहायक प्राध्यापक खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा कनिष्ठ शोध अध्येता अंकिता शर्मा ने विद्यार्थियों को कैंथ फल के स्वास्थ्य लाभों, उसकी प्रसंस्करण विधियों और उत्पाद निर्माण की तकनीकों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की। सभी छात्रों व शिक्षकों ने इस शैक्षणिक भ्रमण पर खुशी जताई। छात्रों के साथ आए शिक्षक सुनील शर्मा ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण शिविर न केवल विद्यार्थियों को नई तकनीकें सिखाते हैं, बल्कि उन्हें स्थानीय स्तर पर आय के नए अवसर भी उपलब्ध कराते हैं।

मैगी के 50 साल पूरे होने पर डाक टिकट जारी

ऊना। पूरे विश्वभर में मशहूर नैस्ले कंपनी की टू मिनट्स मैगी नूडल्स ने भारत में 50 वर्ष पूरे कर लिए हैं। हिमाचल प्रदेश के टाहलीवाल में स्थित नैस्ले प्लांट में बुधवार को इस उपलक्ष्य पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें जिलाधीश ऊना जतिन लाल ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की, जबकि कंपनी के फैक्टरी मैनेजर अमित कुमार विशेष रूप से मौजूद रहे। इस दौरान नैस्ले कंपनी ने विशेष डाक टिकट जारी किया, जिसका अनावरण डीसी ऊना एवं एफएम अमित कुमार ने किया। इस विशेष टिकट को फिफ्टी ईयर्स ऑफ टू-गेदरनेस नाम दिया गया है, जो अपनापन, सुकून और जुड़ाव को दशार्ता है। उपायुक्त जतिन लाल ने कहा कि मैगी ने पिछले पांच दशकों में भारत के हर घर में अपनी खास पहचान बनाई है। यह केवल एक खाद्य उत्पाद ही नहींए बल्कि लोगों की जीवनशैली का हिस्सा बन चुका है। उन्होंने कहा कि मैगी के 50 वर्ष पूरे होने पर डाक टिकट जारी किया जाना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने नेस्ले इंडिया द्वारा क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियों, रोजगार सृजन और सामाजिक कार्यो में दिए जा रहे योगदान की भी सराहना की। मनीष तिवारी ने कहा कि भारत में मैगी के लिए यह वास्तव में एक विशेष उपलब्धि है। हमारे जैसे जीवंत और विविधतापूर्ण देश में पाँच दशकों का सफर तय करना उस विश्वास, स्नेह और रोजमर्रा के प्रेम का प्रतीक है, जो लाखों उपभोक्ताओं ने इस ब्रांड पर निरंतर बरसाया है।

ऐतिहासिक रूप से मनाया जाए बाबा भूतनाथ का 500 साल का उत्सव : बी सी सरोच

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

मंडी का ऐतिहासिक नगर, जो कि छोटी काशी के नाम से भी जाना जाता है, सनातन संस्कृति एवं आस्था का एक महत्वपूर्ण पुरातन केंद्र रहा है। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सुक्खू को लिखे पत्र में धर्म संघ बाबा भूतनाथ ट्रस्ट मंडी ने यहां शब्द कहे हैं। पत्र में धर्म संघ बाबा भूतनाथ मंदिर ट्रस्ट मंडी के अध्यक्ष भीमचंद सरोज ने कहा है कि धर्म संघ, श्री भुतनाथ मन्दिर, मंडी आपको पत्र के माध्यम से अवगत करवाना चाहता है कि मंडी नगर में स्थित बाबा श्री भूत नाथ महादेव जी का प्राचीन मंदिर सैकड़ों वर्षों से विराजमान है। कहते हैं, यहां स्वयंभू शिव लिंग की उत्पत्ति हुई थी, जिसके लिए इस भव्य मंदिर का निर्माण मंडी के तत्कालीन राजा अजबर सेन द्वारा ई. 1527 को शिवरात्रि महापर्व पर पूरे विधि-विधान के साथ किया गया था। तभी से मंडी नगर में शिवरात्रि महापर्व के उपलक्ष्य में मेला मनाने की परम्परा भी शुरू की गई। वर्तमान में इस मन्दिर का प्रबंधन जिला प्रशासन के अधीन है।

उन्होंने कहा कि 2027 में बाबा श्री भूत नाथ मंदिर की स्थापना के 500 वर्ष पूर्ण होने जा रहें हैं। इस महत्वपूर्ण तिथि के आने पर, बाबा श्री भूतनाथ के सभी भक्त इस ऐतिहासिक अवसर को असली स्वरूप में मनाना चाहते हैं। इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं कि यह भव्य आयोजन, आपके आशीर्वाद के बिना सम्भव नहीं है। धर्म संघ, श्री भुतनाथ मन्दिर, मण्डी, जो कि छोटी काशी मण्डी की एक महत्वपूर्ण धार्मिक संस्था है, सम्पूर्ण सनातन समाज की ओर से आपसे विनम्र आग्रह करती है कि इस मन्दिर के वर्तमान स्वरूप को और भी आकर्षिक बनाने एवं इसके जीर्णोद्धार के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने की कृपा करे। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए हमारे पास मात्र एक वर्ष का समय शेष है।

उन्होंने लोगों से अपील की है कि बाबा श्री भूतनाथ जी के मंडी स्थित ऐतिहासिक मंदिर के 500 वें स्थापना दिवस को भव्य स्वरूप में मनाकर इसे अविस्मरणीय बनाया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश का पूर्ण सनातन समाज, इन पावन क्षणों पर, आपकी गरिमामई सहभागिता एवं सहयोग की अपेक्षा करते हैं। आपके कार्यकाल में, बाबा श्री भूतनाथ के मंदिर की स्थापना के 500 वर्ष पूर्ण होने के इस ऐतिहासिक अवसर पर एक भव्य आयोजन सनातन प्रेमियों के मन मस्तिष्क पर एक अमिट छाप छोड़ सकता है, जिसे आनेवाले एक लंबे समय तक याद रखा जाएगा।

सियारा गांव में जीडीसी बसोहली की एनएसएस इकाई ने निकाली नशा मुक्त जागरूकता रैली

एजेंसी (हि.स.)
कठुआ/बसोहली

सरकारी डिग्री कॉलेज बसोहली की एनएसएस इकाई ने अपने 7 दिवसीय विंटर स्पेशल कैंप 2026 के तहत सियारा गांव में ‌ह्लनशा मुक्त जागरूकता रैलीह्व का आयोजन किया। यह रैली प्राचार्य प्रो. राज किरण शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित की गई जिसमें एनएसएस स्वयंसेवकों, शिक्षकों, ग्रामीणों और स्थानीय युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

रैली के दौरान स्वयंसेवकों ने पोस्टर, बैनर और तख्तियां लेकर नशे के खिलाफ संदेश दिए और नशा मुक्त समाज के समर्थन में नारे लगाए।प्राचार्य प्रो. राज किरण शर्मा ने स्वयंसेवकों की सराहना करते हुए कहा कि कॉलेज समाज कल्याण और जागरूकता के लिए लगातार प्रयासरत है।इस अवसर पर एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रोशन लाल ने युवाओं से नशे के खिलाफ आगे आकर जागरूकता फैलाने की अपील की।उन्होंने कहा कि युवा देश की रीढ़ हैं और उन्हें नशे जैसी बुराई के खिलाफ मजबूती से खड़ा होना चाहिए। रैली का समापन शपथ ग्रहण समारोह के साथ हुआ जिसमें सभी प्रतिभागियों ने नशा मुक्त समाज बनाने का संकल्प लिया। सियारा गांव के लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कॉलेज का आभार व्यक्त किया।

केस दर्ज कर पुलिस कर रही है मामले की जांच

मनाली में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के पोते की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

एजेंसी (हि.स.)
कुल्लू

पर्यटन नगरी मनाली में घूमने आए झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के पोते की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस जांच पड़ताल कर रही है।जानकारी के अनुसार, चंपाई सोरेन का पोता वीर सोरेन अपने मित्रों के साथ 22 फरवरी को मनाली घूमने आया था। वे सभी सिमसा में हिमालयन सैलेट होम स्टे में ठहरे हुए थे। 23 फरवरी को सभी सोलंग/सेथन क्षेत्र घूमने गए थे तथा शाम को पुनः होम स्टे में वापस पहुंच गए थे। मंगलवार को भी सभी होम स्टे के आसपास घूमकर लगभग 12:30 बजे वापस लौटे तो वीर सोरेन सोया हुआ था। उठाने पर उसने बताया कि उसके सिर में अत्यधिक दर्द हो रहा है। जिस पर साथियों ने ब्लिंकीट के माध्यम से ऑनलाइन दवाई मंगवाकर उसे दी, जिसके बाद वह पुनः सो गया।

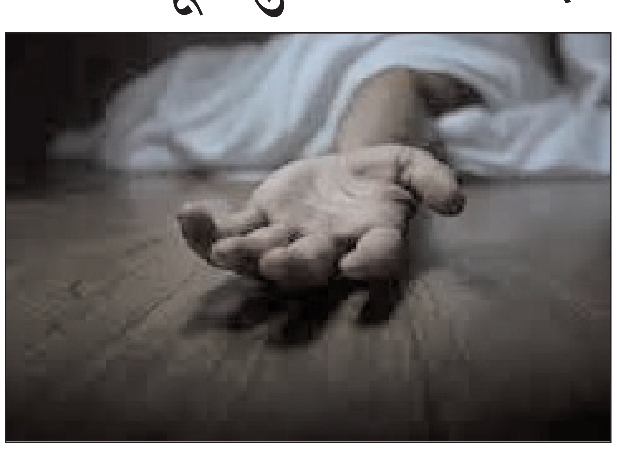

डीएसपी मनाली क्षमादत्त शर्मा ने बताया कि उसके दोस्त अग्नय निवासी उत्तरप्रदेश के अनुसार करीब 02:30 बजे कमरे से गिरने की आवाज आई। कमरे में जाकर देखा तो वीर सोरेन बेड से नीचे गिरा पड़ा था। तत्पश्चात उसे कृतिन शर्मा की गाड़ी से अस्पताल मनाली लाया गया। अस्पताल लाते समय उसके मुंह से झाग निकलना शुरू हो गया था। अस्पताल में चिकित्सकों ने काफी देर तक सीपीआर दी गई, परंतु जांच उपरांत उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने वीर सोरेन के शव को मनाली के शवगृह में रखवा दिया गया है। मृतक के परिजनों को सूचना दे दी गई है। उनके आने के बाद पोस्टमार्टम करवाया जाएगा।

बैजनाथ में 32.56 ग्राम चिट्टे सहित दो युवक गिरफ्तार

धर्मशाला।जिला कांगड़ा पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ जारी विशेष अभियान के अन्तर्गत बैजनाथ में पुलिस ने दो युवकों को 32.56 ग्राम चिट्टे की बड़ी खेप के साथ गिरफ्तार किया है।पुलिस ने दोनों आरोपी युवकों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई की है।पुलिस को यह सफलता गश्त के दौरान गुप्त सूचना के आधार पर मिली।पुलिस ने इस मामले में आरोपी प्रिंस राणा पुत्र विनोद कुमार, निवासी गांव मलेहड़, डाकघर कुदैल, तहसील बैजनाथ जिला कांगड़ा उम्र 23 साल व सुधांशु सोनी पुत्र अशोक कुमार निवासी गांव व डाकघर तथा तहसील लड़भड़ोल जिला मंडी उम्र 26 साल के कब्जे से 32.56 ग्राम चिट्टा बरामद करने में सफलता प्राप्त की है। जिस पर उपरोक्त दोनों आरोपियों को मौका पर ही गिरफ्तार करके इनके विरूद्ध पुलिस बैजनाथ में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्यवाही नियमानुसार प्रगति पर है।एसपी कांगड़ा अशोक रत्न ने बताया कि जिला कांगड़ा पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ निरंतर जारी विशेष अभियान में लगातार गश्त, गुप्त सूचना एकत्रित करना इत्यादि जारी है। उन्होंने कहा कि जिला कांगड़ा पुलिस की विशेष टीम गश्त पर थी तो गुप्त सूचना मिली कि उपरोक्त आरोपी प्रिंस राणा पुत्र सोनिका राणा अपने मुहंबोले भाई सुधांशु सोनी के साथ मलेहड़ में अपनी माता सोनिका राणा के रिहाईशी मकान में चिट्टा बेचने का धन्धा कर रहे हैं।इस सूचना के आधार पर त्वरित प्रभावी कार्यवाही करते हुए उपरोक्त प्रिंस राणा की माता सोनिका राणा के रिहाईशी मकान की तलाशी लेने पर मौजूद उपरोक्त दोनों आरोपियों के कब्जे से 32.56 ग्राम चिट्टा बरामद किया गया।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का
नवोन्मेषकः स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापकः सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेंजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित- 160036
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्कः 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

सदन में मुख्यमंत्री ने की अहम घोषणाएं

छछरौली को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा, मालिकाना हक दिया जाएगा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र में बुधवार को अहम घोषणा की है। उन्होंने हरियाणा के शहरी परिवहन के इतिहास में एक महत्वपूर्ण और दूरदर्शी निर्णय का जिक्र करते हुए बताया कि सरकार ने 24 फरवरी को आयोजित बैठक में गुरुग्रामझफरीदाबादझनोएडाझग्रेटर नोएडा नमो भारत आरआरटीएस सह मेट्रो कॉरिडोर के लिए फाइनल अलाइनमेंट को स्वीकृति दे दी है। इसकी डीपीआर को अंतिम रूप देने के लिए भारत सरकार की एजेंसी एनसीआरटीसी को निर्देश दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नमो भारत के विजन के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य देश के प्रमुख आर्थिक केंद्रों को तेज, सुरक्षित और आधुनिक सार्वजनिक परिवहन से जोड़ना है।

प्रोजेक्ट के बारे में बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह लगभग 64 किलोमीटर लंबा कॉरिडोर होगा, जिसमें से करीब 52 किलोमीटर हरियाणा में है। यह केवल एक नई रेल लाइन नहीं, बल्कि एनसीआर क्षेत्र के भीतर गुरुग्राम, फरीदाबाद और नोएडा जैसे बड़े आर्थिक केंद्रों को एकीकृत करने वाला एक परिवर्तनकारी कदम है। इससे लाखों यात्रियों को तेज और निर्बाध यात्रा का विकल्प मिलेगा। साथ ही सड़क जाम से होने वाली परेशानी का हल होगा और पर्यावरण पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

मुख्यमंत्री ने सदन को अवगत करवाया कि गुरुग्राम क्षेत्र में इफको चौक से ग्वाल पहाड़ी तक लगभग 14.5 किलोमीटर का इंटीग्रेटेड आरआरटीएस और मेट्रो सेक्शन तय किया गया है। इसमें सेक्टर-29, मिलेनियम सिटी सेंटर, सेक्टर-52, वजीराबाद, सेक्टर-57 तथा सेक्टर-58/61 जैसे महत्वपूर्ण स्टेशन शामिल होंगे। यह दिल्ली मेट्रो की येलो लाइन, गुरुग्राम मेट्रो कॉरिडोर और रैपिड मेट्रो से जुड़कर यात्रियों को मल्टी-मोडल कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। इसका उद्देश्य केवल यात्रा समय कम करना नहीं, बल्कि पूरे शहर के ट्रांजिट नेटवर्क को एकीकृत करना है।

इसी प्रकार फरीदाबाद क्षेत्र में सैनिक कॉलोनी से बादशाहपुर तक लगभग 16 किलोमीटर का इंटीग्रेटेड सेक्शन स्वीकृत किया गया है, जिसमें एनआईटी क्षेत्र, बाटा चौक, सेक्टर-12 से 15 तथा नए फरीदाबाद के प्रमुख हिस्से शामिल होंगे। यह दिल्ली मेट्रो की वॉयलेट लाइन से जुड़कर क्षेत्रीय संपर्क को और मजबूत करेगा तथा औद्योगिक और आवासीय विकास को नई गति देगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने इस परियोजना में केवल इंफ्रास्ट्रक्चर ही नहीं, बल्कि नागरिकों की सुविधा और पर्यावरणीय संतुलन को भी प्राथमिकता दी है। शहरों के भीतर बनने वाले वायाडक्ट पर नॉइज-बैरियर लगाने का निर्णय लिया गया है, ताकि आधुनिक परिवहन के साथ जीवन की गुणवत्ता प्रभावित न हो और लोगों को ध्वनि प्रदूषण से राहत मिल सके।

उन्होंने कहा कि यह परियोजना हरियाणा के लिए निवेश, रोजगार और संतुलित शहरी विकास के नए अवसर लेकर आएगी। गुरुग्राम और फरीदाबाद जैसे शहरों में बढ़ती आबादी और यातायात के दबाव को देखते हुए यह कॉरिडोर भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है। केंद्र और राज्य सरकार के समन्वय से हम इस परियोजना को समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वे इस सदन को आश्वस्त करते हैं कि डीपीआर को शीघ्र अंतिम रूप देकर कार्य को गति दी जाएगी, ताकि हरियाणा के नागरिकों को विश्वस्तरीय, सुरक्षित और आधुनिक सार्वजनिक परिवहन सुविधा उपलब्ध हो सके। यह केवल एक परिवहन परियोजना नहीं, बल्कि हरियाणा के भविष्य को जोड़ने वाला एक सशक्त कदम है।

मुख्यमंत्री करेंगे 28 को कृषि विकास मेले का उद्घाटन

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

मार्केट कमेटी चेयरमैन सुरेश सैनी बोले, किसानों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही सरकार

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी 28 फरवरी को लाडवा की अनाज मंडी में आयोजित होने वाले कृषि विकास मेले का उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर वे किसानों को संबोधित करेंगे और राज्य सरकार की कृषि हितैषी नीतियों की जानकारी देंगे।

यह जानकारी देते हुए थानेसर मार्केट कमेटी के चेयरमैन सुरेश सैनी ने बताया कि 28 फरवरी से आरंभ होकर 1 मार्च तक चलने वाले इस मेले को लेकर किसानों में भारी उत्साह है। उन्होंने कहा कि मेले में आधुनिक कृषि यंत्रों, उन्नत बीजों, नई तकनीकों और विभिन्न सरकारी योजनाओं से संबंधित स्टॉल लगाए जाएंगे, ताकि किसानों को एक ही स्थान पर विस्तृत जानकारी मिल सके।

सुरेश सैनी ने कहा कि केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के माध्यम से किसानों को प्रतिवर्ष आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है, जिससे उन्हें खेती के लिए आवश्यक संसाधन जुटाने में सुविधा मिलती है। इसके अतिरिक्त प्राकृतिक आपदाओं से फसलों को हुए नुकसान पर किसानों को मुआवजा भी दिया जा रहा है। हरियाणा सरकार द्वारा ओलावृष्टि, अतिवृष्टि तथा अन्य आपदाओं से प्रभावित किसानों को समयबद्ध राहत राशि प्रदान कर उनकी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने का कार्य किया जा रहा है।

सैनी ने बताया कि राज्य सरकार फसल विविधीकरण, प्राकृतिक खेती को बढ़ावा, सूक्ष्म सिंचाई योजनाओं पर अनुदान तथा कृषि यंत्रीकरण को प्रोत्साहन जैसी कई योजनाएं चला रही है। मंडियों में आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है ताकि किसानों को अपनी उपज के विपणन में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि कृषि विकास मेला किसानों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा और उन्हें नई तकनीकों व योजनाओं से जोड़ने का सशक्त माध्यम बनेगा। चौ चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय हिसार के वैज्ञानिक डॉ सुमित सैनी और डॉ रूपिंदर कंबोज आज कुरुक्षेत्र पहुंचे और उन्होंने मार्केट कमेटी व मंडी के पदाधिकारियों को मेले में भाग लेने का न्योता दिया। इस अवसर पर थानेसर मार्केट कमेटी की उपाध्यक्ष शशि कांत जैन, मंडी प्रधान दयाल सिंह, सुशील सिंगला, देवी दयाल शर्मा और हरजीत सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

लक्ष्य हासिल करने के लिए फोकस जरूरी: मोटिवेशनल स्पीकर शिवानी आधया

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा के कुशल मार्गदर्शन में अटल संचार भवन स्थित जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान के मिनी ऑडिटोरियम में निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया के सानिध्य में कॉरपोरेट संसाधन केंद्र (रूसा प्रोजेक्ट) एवं जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला ह्यकॉरपोरेट स्किल डेवलपमेंट इन मास कम्युनिकेशनह्न के तीसरे दिन मोटिवेशनल स्पीकर शिवानी आधया विद्यार्थियों से रू-ब-रू हुई।

इस अवसर पर शिवानी आधया ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए स्पष्ट फोकस अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि करियर में सफलता लक्ष्य पर केंद्रित रहने से ही संभव है। उन्होंने लक्ष्य निर्धारण के लिए स्वस्थ मानसिक स्थिति, उत्तम स्वास्थ्य और उचित मार्गदर्शन को अनिवार्य बताया। उन्होंने ह्यस्मार्ट गोल प्लानह्न अपनाने पर जोर देते हुए नियमित मेडिटेशन और मेनिफेस्टेशन की आवश्यकता बताई। साथ ही विद्यार्थियों को ई.एफ.टी. (इमोशनल फ्रीडम टेक्निक) का प्रशिक्षण दिया और इसे दैनिक जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी। उन्होंने जीवन में उपलब्ध प्रत्येक वस्तु के लिए प्रकृति तथा दूसरों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का संदेश भी दिया तथा विद्यार्थियों के प्रश्नों के उत्तर दिए।

पाँच दिवसीय कार्यशाला की सह-संयोजक असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. तपेश किरण ने शिवानी आधया का स्वागत करते हुए कहा कि संस्थान का उद्देश्य पाठ्यक्रमानुसार तकनीकी कौशल के साथ-साथ विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी बल देना है, ताकि उनका भावनात्मक विकास सुदृढ़ हो सके।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 10वीं व 12वीं बोर्ड परीक्षाओं को लेकर की उच्च स्तरीय बैठक

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की 10वीं और 12वीं की प्रस्तावित परीक्षाओं के सुचारु एवं निष्पक्ष संचालन को लेकर उच्च स्तरीय बैठक ली। बैठक में प्रदेश के सभी जिला उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक तथा हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार व अन्य अधिकारी भी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़े थे।

बैठक में मुख्यमंत्री ने सभी जिला उपायुक्त व पुलिस अधीक्षकों को निर्देश देते हुए कहा कि प्रदेशभर में परीक्षाएं शांतिपूर्ण, पारदर्शी और नकल रहित ढंग से संपन्न कराई जाएं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए तथा पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती कर सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाया जाए।

मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से संवेदनशील और अति संवेदनशील परीक्षा केंद्रों पर अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक अधिकारी लगातार परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण करें और किसी भी प्रकार की अनियमितता पर तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित करें।

उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि परीक्षा के सफल संचालन के लिए स्थानीय सरपंचों एवं ग्राम सभा के सदस्यों का सहयोग लिया जाए, ताकि सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से परीक्षाएं पूर्णतः निष्पक्ष और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़े इस महत्वपूर्ण दायित्व को पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ निभाएं।

बैठक में प्रदेश के शिक्षा मंत्री श्री महीपाल ढांडा, मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण गुप्ता, अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ. साकेत कुमार, उप प्रधान सचिव श्री यशपाल, हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार सहित अधिकारीगण मौजूद रहे।

संक्षिप्त-समाचार

कुरुक्षेत्र में ट्रेन से गिरकर यात्री की मौत, टीटीई के डर से कूदने की आशंका

कुरुक्षेत्र। शाहाबाद और मोहड़ी स्टेशनों के बीच ट्रेन से गिरकर एक यात्री की मौत हो गई। उसका शव दोनों ट्रैक के बीच में पड़ा मिला। सुबह राजकीय रेलवे पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। टट्रेन से उतरने के दौरान शायद बैलेंस बिगड़ने से यात्री नीचे गिर गया। पुलिस के मुताबिक, घटना रात करीब 1 बजे की है। ट्रेन अंबाला की तरफ जा रही थी। सुबह करीब 6 बजे रेलवे कंट्रोल रूम को इसकी सूचना मिली। रेलवे पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया। अभी युवक की पहचान हो पाई है, लेकिन युवक बिहार साइड का लग रहा है। इसकी उम्र करीब 25 साल की लग रही है। अरकविकास कुमार ने बताया कि यात्री पीली पैंट, नीली बनियान और हल्की नीली शर्ट पहनी हुई थी। ऊपर से मटमैले रंग की जर्सी और लाल-हरी बेल्ट भी डाली हुई थी। यात्री की जेब से कोई टिकट नहीं मिली। हादसा ट्रेन से गिरने की वजह से ही हुआ है। यात्री के सिर के पीछे चोट लगी हुई थी। अक्सर ट्रेन से गिरने की वजह से इस तरह चोट लगती है। अरकविकास कुमार ने बताया कि यात्री ट्रेन से अंबाला की तरफ जा रहा था और शायद उसके पास यात्रा का टिकट नहीं था। आशंका यही है कि ट्रेन में टीटीई की चेकिंग को देखकर यात्री घबरा गया और उसने चलती ट्रेन से उतरने की कोशिश की। इस कोशिश में सिर के बल नीचे गिरने से उसकी मौत हो गई। फिलहाल पुलिस उसकी पहचान की कोशिश कर रही है।

न्यायमूर्ति, पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट व प्रशासनिक न्यायाधीश निधि गुप्ता ने जेल परिसर का किया निरीक्षण

कुरुक्षेत्र। न्यायमूर्ति निधि गुप्ता, न्यायाधीश पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट व प्रशासनिक न्यायाधीश, सैशनस डिवीजन कुरुक्षेत्र ने जिला कारागार कुरुक्षेत्र का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उनके साथ जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार मित्तल, सीजेएम एवं सचिव नीतिका भारद्वाज डीएलएसए भी उपस्थित रहे। न्यायमूर्ति निधि गुप्ता ने जिला कारागार के प्रांगण में पौधारोपण किया। न्यायमूर्ति ने जेल परिसर में नए वीडियो कांफ्रेंसिंग रूम का उद्घाटन किया व ऑपरेटर से वीडियो कांफ्रेंसिंग करवाने के बारे में जानकारी ली। जेल परिसर में फैक्ट्री में बन रहे लकड़ी के सामान व बंदियों द्वारा बनाए जा रहे अन्य सामान का अवलोकन किया। जेल परिसर में बंदियों द्वारा स्वागत गीत, नृत्य, भांगड़ा व राष्ट्रीय गान प्रस्तुत किया गया जिसे माननीय न्यायमूर्ति द्वारा सराहा गया। उन्होंने सभी बैरक का निरीक्षण किया और बंदियों से बातचीत की। महिला बैरक का अलग से निरीक्षण किया और महिला बंदियों से बातचीत की। जेल अस्पताल का भी अलग से निरीक्षण किया गया। उन्होंने बंदियों को दिए जाने वाले भोजन व अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

महिला सशक्तिकरण और लैंगिक समानता विकसित भारत की आधारशिला: प्रो. रीटा

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में आईआईएचएस के वुमेन सेल द्वारा विकसित भारत और नारी विषय पर पोस्टर मेकिंग एवं स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन वुमेन सेल की संयोजिका प्रो. पूनम कुमारी के मार्गदर्शन में समिति के सदस्य डॉ. विनीत कुमार तथा ऋतु सैनी की देखरेख में संपन्न हुआ। इस अवसर पर संस्थान की प्राचार्या प्रो. डॉ. रीटा ने कहा कि यह प्रतियोगिता महिला सशक्तिकरण और लैंगिक समानता के महत्व को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित की गई है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियाँ छात्राओं को सामाजिक सरोकारों के प्रति जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जब महिलाएँ सशक्त होती हैं, तभी समाज और राष्ट्र की प्रगति सुनिश्चित होती है। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में बी.ए. प्रथम वर्ष की छात्रा पायल ने प्रथम स्थान, बी.ए. द्वितीय वर्ष की छात्रा हिमांशी ने द्वितीय स्थान तथा बी.एससी. तृतीय वर्ष की छात्रा निकिता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

डिजिटल लाइब्रेरी में आयुर्वेद ग्रंथ व अध्ययन सामग्री ऑनलाइन होगी उपलब्ध

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

- आयुष विश्वविद्यालय में डिजिटल लाइब्रेरी सर्विस को और बेहतर बनाने पर मंथन
- विवि की शैक्षणिक गुणवत्ता और शोध संस्कृति को सुदृढ़ किया जाएगा: कुलपति

श्री कृष्ण आयुष विश्वविद्यालय में शिक्षकों और विद्यार्थियों को आधुनिक शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में विश्वविद्यालय प्रशासन एप्लीकेशन बेस्ड डिजिटल लाइब्रेरी सर्विस को और बेहतर बनाने पर गंभीरता से मंथन कर रहा है। इस पहल का उद्देश्य स्टूडेंट्स और फैकल्टी को एक ही प्लेटफॉर्म पर व्यापक अकादमिक एवं रिसर्च संसाधनों तक सरल और त्वरित पहुंच उपलब्ध कराना है। प्रस्तावित डिजिटल लाइब्रेरी सर्विस के अंतर्गत ई-बुक्स, ई-जर्नल्स, शोध प्रबंध (थीसिस) तथा अन्य महत्वपूर्ण अध्ययन सामग्री ऑनलाइन उपलब्ध कराई जाएगी। इससे विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण सामग्री समय पर प्राप्त होगी और शोध गतिविधियों को भी नई गति मिलेगी। विशेष रूप से आयुर्वेद से संबंधित ग्रंथ, संदर्भ पुस्तकें और शोध-पत्र डिजिटल रूप में सुलभ कराए जाने की योजना है।

कुलपति प्रो. वैद्य करतार सिंह धीमान के मार्गदर्शन में इस दिशा में पहल की जा रही है। इसी क्रम में निंबस कंपनी के प्रतिनिधि आशीष ने विश्वविद्यालय पहुंचकर डिजिटल लाइब्रेरी प्लेटफॉर्म का डेमो प्रस्तुत किया। डेमो के दौरान प्लेटफॉर्म की उपयोगिता, एक्सेस सिस्टम और रिसर्च सपोर्ट सुविधाओं की विस्तार से जानकारी दी गई।

कुलपति प्रो. वैद्य करतार सिंह धीमान ने कहा कि डिजिटल लाइब्रेरी से विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता और शोध संस्कृति को और अधिक सुदृढ़ किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि समय की मांग के अनुरूप डिजिटल संसाधनों को अपनाना आवश्यक है, ताकि विद्यार्थियों और शिक्षकों को वैश्विक स्तर की अध्ययन सामग्री सहज रूप से उपलब्ध हो सके।

पुस्तकालय अध्यक्ष विनोद राणा ने बताया कि भविष्य की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए डिजिटल लाइब्रेरी सर्विस को अपग्रेड करने पर विचार किया जा रहा है। यह प्लेटफॉर्म विश्वविद्यालय के शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए अध्ययन एवं शोध का प्रभावी माध्यम बनेगा। इस अवसर पर आयुर्वेद अध्ययन एवं अनुसंधान संस्थान के प्राचार्य प्रो. आशीष मेहता, डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. रणधीर सिंह, आरएंडआई की निदेशक प्रो. दीप्ति पराशर, प्रो. जितेश कुमार पंडा, प्रो. सीमा रानी, प्रो. आशु, प्रो. अमित कटारिया, प्रो. रविंद्र अरोड़ा, प्रो. शंभू दयाल शर्मा, प्रो. नीलम रानी, प्रो. शीलत सिंगला, प्रो. सतीश वत्स सहित संस्थान के अनेक वरिष्ठ प्राध्यापक एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

एमडीयू कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने विवेकानंद पुस्तकालय का किया निरीक्षण

सिटी दर्पण संवाददाता
रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने आज विश्वविद्यालय परिसर स्थित विवेकानंद पुस्तकालय का औचक निरीक्षण किया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. कृष्णकांत विशेष रूप से उनके साथ मौजूद रहे। कुलपति ने पुस्तकालय की विभिन्न इकाइयों का भ्रमण कर उपलब्ध सुविधाओं, डिजिटल संसाधनों तथा विद्यार्थियों को प्रदान की जा रही सेवाओं का विस्तार से जायजा लिया।

पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. सतीश मलिक ने कुलपति को पुस्तकालय की कार्यप्रणाली, मुद्रित एवं ई-पुस्तकों के संग्रह, शोधार्थियों के लिए उपलब्ध राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय डेटाबेस तथा हाल में किए गए आधुनिकीकरण कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विवेकानंद पुस्तकालय विद्यार्थियों, शोधार्थियों और शिक्षकों की बदलती शैक्षणिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए निरंतर अपने संसाधनों का विस्तार कर रहा है।

निरीक्षण के दौरान कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने पुस्तकालय व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि किसी भी विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता उसके पुस्तकालय की गुणवत्ता से परिलक्षित होती है। उन्होंने पुस्तकालय को और अधिक डिजिटल-फ्रेंडली बनाने, ई-लर्निंग संसाधनों को बढ़ाने तथा विद्यार्थियों के लिए शांत और तकनीक-संपन्न अध्ययन वातावरण सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि नवीनतम सूचना प्रौद्योगिकी का अधिकाधिक उपयोग कर सेवाओं को और प्रभावी बनाया जाए।

इस मौके पर कुलसचिव डॉ. कृष्णकांत ने भी पुस्तकालय स्टाफ के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन पुस्तकालय के सुदृढ़ीकरण हेतु हर संभव सहयोग प्रदान करेगा। उन्होंने विद्यार्थियों में पुस्तकालय उपयोग की संस्कृति को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान सूचना वैज्ञानिक डॉ. सुंदर सिंह तंवर तथा जनसंपर्क अधिकारी पंकज नैन भी उपस्थित रहे।

एसडीएम अनुभव मेहता ने विभिन्न स्कूलों में बनाए गए परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

सिटी दर्पण संवाददाता
लाडवा

एसडीएम अनुभव मेहता ने हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की 10वीं, 12वीं, परीक्षाओं को नकल विहीन आयोजित करवाने के उद्देश्य से बुधवार को विभिन्न स्कूलों का निरीक्षण किया। इनमें राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय लाडवा और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय लाडवा के स्कूल शामिल रहे।

एसडीएम अनुभव मेहता ने कहा कि बोर्ड परीक्षाएं जिला में सफल तरीके से आयोजित हों इसके लिए प्रशासन पूरी तरह से सजग है तथा सरकार द्वारा दिए गए निर्देशों की सख्ती से अनुपालना की जा रही है। एसडीएम अनुभव मेहता ने निरीक्षण के दौरान मौजूद केंद्र अधीक्षकों को निर्देश दिए कि वे परीक्षा केंद्रों को नकल रहित बनाने के लिए सभी बिंदुओं पर विशेष ध्यान दें तथा परीक्षा देने आ रहे परीक्षार्थियों की चेकिंग सुनिश्चित करें। उनके पास किसी भी प्रकार की नकल सामग्री नहीं होनी चाहिए। बाहर से नकल के लिए मिलने वाली मदद की सभी संभावनाओं से संबंधित पहलुओं पर भी विशेष ध्यान दें। परीक्षा के दौरान कोई भी बाहरी व्यक्ति परीक्षा केंद्र में प्रवेश न करे। परीक्षा केंद्र में सुरक्षा के सभी इंतजाम पूरे हों तथा निगरानी कर रहे अध्यापक नकल विहीन परीक्षा आयोजित करवाने के लिए पूरी तरह से सजग हों।

एसडीएम अनुभव मेहता ने परीक्षा दे रहे विद्यार्थियों से भी अपील की है कि अपनी मेहनत के दम पर बोर्ड परीक्षाओं में सफलता हासिल करें। नकल के दम पर प्राप्त की गई सफलता जीवन में आगे बढ़ने का सही रास्ता नहीं है।

नशे के खिलाफ सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति: मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

सिटी दर्पण संवाददता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य सरकार नशे की समस्या को लेकर पूरी गंभीरता और जीरो टॉलरेंस नीति के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति को हमारे युवाओं को नशे में धकेलने का अधिकार नहीं है और ऐसे असामाजिक तत्वों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की जा रही है।

मुख्यमंत्री बुधवार को हरियाणा विधानसभा में चल रहे बजट सत्र के दौरान सदन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि नशे पर रोकथाम के लिए अंतरराज्यीय सामंजस्य बनाकर सरकार काम कर रही है। इसके लिए एक ज्वाइंट सेक्ट्रीएट स्थापित किया गया है, जिसमें पंजाब, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और दिल्ली शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि समय-समय पर संबंधित राज्यों के अधिकारियों की बैठकें आयोजित की जाती हैं। राज्य पुलिस नशे के नेटवर्क की जड़ तक पहुंचकर कार्रवाई कर रही है और इसकी नियमित समीक्षा भी की जा रही है।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में नशे की रोकथाम में प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। केंद्र सरकार द्वारा बनाया गया मानस पोर्टल नागरिकों को नशे से संबंधित गोपनीय रूप से सूचना देने की सुविधा प्रदान करता है। इस पोर्टल पर दी गई जानकारी पूरी तरह गोपनीय रखी जाती है तथा प्राप्त सूचनाओं के आधार पर पुलिस सख्त कार्रवाई करती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा प्रदेश और देश की अमूल्य संपत्ति हैं। यदि युवा नशे की चपेट में आ जाता है तो समाज का भविष्य प्रभावित होता है। नशे की रोकथाम के लिए सरकार द्वारा व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। साइक्लोथॉन, जिला स्तर पर जागरूकता कैंप और बड़े पैमाने पर मैराथन आयोजित की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि जिलों में समय-समय पर आयोजित होने वाली मैराथन में 25 से 30 हजार युवा भाग लेते हैं। गत दिनों डबवाली में आयोजित बड़ी मैराथन में भी हजारों की संख्या में युवाओं ने भाग लिया था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अभियान को सामाजिक जन आंदोलन का स्वरूप देने के लिए संत-महात्माओं को भी जोड़ा गया है, ताकि वे अपने प्रवचनों के माध्यम से समाज को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करें। खाप पंचायतों को भी इस मुहिम में शामिल किया गया है तथा साइक्लोथॉन के दौरान उनका सहयोग लिया गया।

उन्होंने स्पष्ट किया कि नशा फैलाने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जा रही है। दोषियों के मकान कुर्क किए गए हैं, अवैध गतिविधियों में शामिल लोगों की प्रोपर्टी के डिमोलिशन की कार्रवाई की गई है, नशा फैलाने में संलिप्त व्यक्तियों और संस्थानों के विरुद्ध मुकदमे दर्ज कर उन्हें जेल भेजा गया है। जहां भी सूचना मिलती है, वहां तुरंत कार्रवाई की जाती है ताकि युवाओं को सुरक्षित रखा जा सके।

मुख्यमंत्री ने सभी विधायकों और जनप्रतिनिधियों से राजनीति से ऊपर उठकर इस अभियान में सहयोग करने का आान किया। उन्होंने कहा कि यदि कहीं भी पुलिस को सूचना देने या सहयोग की आवश्यकता हो तो आगे आकर मदद करें, ताकि नशा कारोबारियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का विकसित भारत का विजन तभी साकार होगा, जब देश का युवा सशक्त और नशामुक्त होगा। इसमें युवाओं की बड़ी भूमिका है और हरियाणा सरकार उनके उज्ज्वल भविष्य की रक्षा के लिए पूर्णतया प्रतिबद्ध है।

म्हारी सड़क ऐप से सड़क सुधार को मिली नई रफ्तार: रणबीर गंगवा

चंडीगढ़। हरियाणा के लोक निर्माण (भवन एवं सड़कें) मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी का स्पष्ट संकल्प है कि प्रदेश की सड़कें आमजन के लिए सुरक्षित, सुगम और सुविधाजनक हों। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए 4 अक्टूबर, 2025 को ह्यम्हारी सड़कह्न ऐप लॉन्च की गई, जिसके माध्यम से सड़क संबंधी शिकायतों के समाधान में पारदर्शिता और तेजी लाई गई है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2026 में 5 हजार किलोमीटर सड़कों को वर्क प्रोग्राम में शामिल किया जाएगा, जिससे सड़क ढांचे को और सुदृढ़ किया जा सके। श्री रणबीर गंगवा हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र के दौरान प्रश्नकाल में विधायक श्रीमती पूजा द्वारा पूछे गए प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। उन्होंने सदन को अवगत कराया कि लोक निर्माण विभाग ने सेवा का अधिकार अधिनियम, 2014 के अंतर्गत छोटे गड्ढों की मरम्मत को गजट में अधिसूचित कर निर्धारित समय-सीमा तय की है। उन्होंने बताया कि छोटे गड्ढों की मरम्मत के लिए कनिष्ठ अभियंता (खए) को 10 दिन का समय निर्धारित किया गया है। यदि इस अवधि में समाधान नहीं होता है तो मामला स्वतः उपमंडल अधिकारी (रऊ) और कार्यकारी अभियंता (एठ) के स्तर पर अग्रसारित हो जाता है। 12 दिनों के भीतर शिकायत का समाधान कर उसे ऐप पर अपलोड करना अनिवार्य किया गया है, जिससे जवाबदेही सुनिश्चित हो सके। मंत्री ने जानकारी दी कि अब तक ऐप पर 37,368 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनमें से 19,523 शिकायतों का समाधान किया जा चुका है, जबकि 2,285 शिकायतों को अस्वीकृत किया गया है। अस्वीकृत शिकायतों में अधिकांश गांव की गलियों से संबंधित थीं, जो विभाग के अधिकार क्षेत्र में नहीं आतीं। उन्होंने यह भी बताया कि कार्य में लापरवाही बरतने वाले 19 अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जैसे ही कोई शिकायत ऐप पर दर्ज होती है, वह संबंधित विभाग के पास स्वतः पहुंच जाती है–चाहे सड़क लोक निर्माण विभाग (ढहऊ), शहरी स्थानीय निकाय (वछइ), एचएसवीपी, एचएसआईआईडीसी, मार्केटिंग बोर्ड, जिला परिषद या किसी अन्य विभाग के अधीन हो। श्री रणबीर गंगवा ने कहा कि सरकार सड़क अवसंरचना को मजबूत करने और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है तथा ह्यम्हारी सड़कह्न ऐप इस दिशा में एक प्रभावी और पारदर्शी पहल साबित हो रही है।

संपादकीय

गाजा पर भारत की संतुलित नीतिः शांति समर्थन, आतंकवाद पर सख्ती

पश्चिम एशिया में जारी अस्थिरता के बीच भारत ने एक बार फिर संतुलित और सिद्धांत आधारित कूटनीतिक रुख का प्रदर्शन किया है। इजराइल की यात्रा के दौरान भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने गाजा में स्थायी शांति की दिशा में प्रस्तुत प्रस्तावों का समर्थन करते हुए स्पष्ट कहा कि आतंकवाद चाहे कहीं भी हो, वह हर जगह शांति और मानवता के लिए खतरा है। भारत का यह वक्तव्य न केवल मौजूदा हालात पर उसकी गंभीर चिंता को दशार्ता है, बल्कि वैश्विक मंच पर उसकी जिम्मेदार भूमिका को भी रेखांकित करता है। गाजा में जारी संघर्ष ने हजारों लोगों को प्रभावित किया है और क्षेत्रीय स्थिरता को गहरी चुनौती दी है। इजराइल और हमास के बीच टकराव ने मानवीय संकट को जन्म दिया है। ऐसे समय में भारत ने दोहराया कि वह किसी भी प्रकार के आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करता है और नागरिकों को निशाना बनाए जाने को अस्वीकार्य मानता है। भारत ने पहले भी हमास द्वारा इजराइल पर किए गए हमलों की आलोचना की थी और इसे आतंकवादी कार्रवाई बताया था। साथ ही, भारत ने यह भी स्पष्ट किया है कि दीर्घकालिक समाधान केवल संवाद और कूटनीति से ही संभव है। इस संतुलन के जरिए भारत ने यह संदेश दिया कि आतंकवाद के खिलाफ सख्ती और मानवीय सरोकार–दोनों उसके लिए समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। भारत और इजराइल के बीच संबंध पिछले एक दशक में नई ऊंचाइयों पर पहुंचे हैं। रक्षा, कृषि, जल प्रबंधन, साइबर सुरक्षा और नवाचार जैसे क्षेत्रों में सहयोग लगातार बढ़ा है। प्रधानमंत्री स्तर पर यात्राओं और उच्च स्तरीय वातार्ओं ने इन संबंधों को और मजबूत किया है। भारत की विदेश नीति का मूल सिद्धांत 'रणनीतिक स्वायत्तता' रहा है। यही कारण है कि भारत इजराइल के साथ मजबूत संबंध बनाए रखते हुए फिलिस्तीन के मुद्दे पर भी अपने पारंपरिक समर्थन को पूरी तरह समाप्त नहीं करता। भारत लंबे समय से दो-राष्ट्र समाधान का समर्थक रहा है, जिसमें सुरक्षित और मान्यता प्राप्त सीमाओं के भीतर इजराइल और स्वतंत्र फिलिस्तीन–दोनों का अस्तित्व शामिल है। भारतीय पक्ष द्वारा दिया गया यह वक्तव्य कि 'कहीं भी आतंकवाद, हर जगह शांति के लिए खतरा है' दरअसल भारत के अपने अनुभवों से उपजा है। दशकों से सीमा पार आतंकवाद का सामना कर रहे भारत ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर लगातार यह मुद्दा उठाया है कि आतंकवाद को किसी भी राजनीतिक या वैचारिक आधार पर सही नहीं ठहराया जा सकता। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सहित कई मंचों पर व्यापक आतंकवाद निरोधक ढांचे की आवश्यकता पर जोर दिया है। गाजा के संदर्भ में भी भारत का संदेश यही है कि हिंसा से केवल विनाश होता है, समाधान नहीं। नागरिकों की सुरक्षा और मानवीय सहायता सुनिश्चित करना सभी पक्षों की जिम्मेदारी है। गाजा संकट के दौरान भारत ने मानवीय सहायता भेजकर यह स्पष्ट किया कि वह केवल राजनीतिक बयानबाजी तक सीमित नहीं है। दवाइयों, खाद्य सामग्री और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति के माध्यम से भारत ने संकटग्रस्त नागरिकों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई। भारत का यह रुख अंतरराष्ट्रीय समुदाय में उसकी विश्वसनीयता को मजबूत करता है। एक ओर वह आतंकवाद के खिलाफ कठोर संदेश देता है, वहीं दूसरी ओर मानवीय सहायता के जरिए पीड़ितों के प्रति सहानुभूति भी व्यक्त करता है। यही संतुलन उसे वैश्विक दक्षिण की आवाज के रूप में स्थापित करता है। पश्चिम एशिया का भू-राजनीतिक परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। इजराइल और कई अरब देशों के बीच संबंधों में सुधार हुआ है, जबकि ईरान जैसे देशों की भूमिका भी महत्वपूर्ण बनी हुई है। ऐसे समय में भारत का संतुलित दृष्टिकोण उसे एक विश्वसनीय साझेदार बनाता है। ऊर्जा सुरक्षा, भारतीय प्रवासी समुदाय और व्यापारिक हित–ये सभी कारक भारत की पश्चिम एशिया नीति को प्रभावित करते हैं। इसलिए भारत किसी एक पक्ष का अंध समर्थन करने के बजाय स्थायी शांति और क्षेत्रीय स्थिरता पर जोर देता है। आज जब दुनिया बहुध्रुवीय व्यवस्था की ओर बढ़ रही है, भारत की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। जी-20 की अध्यक्षता के दौरान भी भारत ने वैश्विक दक्षिण के मुद्दों को प्रमुखता दी थी। गाजा जैसे संवेदनशील विषय पर संतुलित और सिद्धांत आधारित रुख अपनाकर भारत ने संकेत दिया है कि वह केवल क्षेत्रीय शक्ति ही नहीं, बल्कि जिम्मेदार वैश्विक खिलाड़ी भी है। भारत का स्पष्ट संदेश है कि आतंकवाद के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए–चाहे वह एशिया में हो, यूरोप में या पश्चिम एशिया में। साथ ही, दीर्घकालिक समाधान के लिए संवाद, कूटनीति और पारस्परिक सम्मान अनिवार्य हैं। इजराइल में भारत द्वारा गाजा शांति योजना का समर्थन और आतंकवाद के खिलाफ सख्त बयान यह दशार्ता है कि भारत अपनी विदेश नीति में सिद्धांत और व्यवहार–दोनों का संतुलन साध रहा है। एक ओर वह आतंकवाद की स्पष्ट निंदा करता है, दूसरी ओर मानवीय सहायता और दो-राष्ट्र समाधान की वकालत कर शांति का मार्ग भी सुझाता है। पश्चिम एशिया में स्थिरता केवल क्षेत्रीय देशों के लिए ही नहीं, बल्कि वैश्विक शांति और आर्थिक संतुलन के लिए भी आवश्यक है। भारत का संदेश साफ है–आतंकवाद का कोई औचित्य नहीं, और स्थायी शांति का मार्ग केवल संवाद और सहयोग से ही प्रशस्त हो सकता है।

प्रखर राष्ट्रभक्त क्रांतिवीर विनायक दामोदर सावरकर

वीर सावरकर पुण्यतिथि विशेष

आचार्य दीप चन्द भारद्वाज

विनायक दामोदर सावरकर एक प्रमुख भारतीय क्रांतिकारी, स्वतंत्रता सेनानी, लेखक, कवि, वकील तथा प्रखर राष्टभक्त नेता थे। इनका जन्म 28 मई 1883 को महाराष्ट्र के नासिक जिले के भागपुर गांव में मध्यवर्गीय परिवार में हुआ था। सावरकर बाल्यकाल से ही उत्कृष्ट प्रतिभा के धनी थे। स्कूली शिक्षा के दौरान ही उनका साहित्य के क्षेत्र में पदार्पण हो गया था। दस वर्ष की आयु में ही उनकी कविताएं प्रतिष्ठित समाचार पत्रों में प्रकाशित होती थी। ब्रिटिश सरकार से स्वतंत्रता के उद्देश्य से सावरकर ने वर्ष 1899 में मात्र 16 वर्ष की आयु में मित्र मेला नामक संगठन का गठन किया था। बाद में संगठन का नाम बदलकर अभिनव भारत रख दिया गया। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान सावरकर लाला लाजपत राय, बाल गंगाधर तिलक विपिन चंद्र जैसे कट्टरपंथी राजनीतिक नेताओं से प्रेरित थे। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा पूर्ण करने के बाद पुणे के फर्ग्यूसन कॉलेज में दाखिला लिया और कला स्नातक की डिग्री हासिल की इसके बाद वह कानून की पढ़ाई करने के लिए इंग्लैंड गए। इंग्लैंड जाकर भी इस राष्ट्रभक्त ने भारतीय छात्रों को स्वाधीनता हेतु प्रेरित किया और 1906 में फ्री इंडिया सोसाइटी की स्थापना की जिसका उद्देश्य ब्रिटिश सरकार को उखाड़ना था। वर्ष 1909 में वीर सावरकर को मिंटो मार्ले रिफार्म के खिलाफ सशस्त्र विद्रोह की साजिश रचने के आरोप में वारंट जारी किया गया। वर्ष 1910 में क्रांतिकारी समूह इंडिया हाउस के साथ संबंधों के लिए उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद उन्हें ब्रिटिश सरकार द्वारा 50 वर्ष की जेल की कठोर सजा सुनाई गई। 4 जुलाई 1911 को सावरकर को अंडमान निकोबार द्वीप काला पानी सेल्यूलर जेल ले जाया गया। सत्ताइस वर्ष की आयु में सावरकर को दो बार काले पानी की सजा सुनाई गई थी। अंग्रेज सावरकर को दिनभर कोल्हू में बैल की जगह हांकते, तेल पिसवाते, रस्सी बंटवाते।

इन समस्त यातनाओं को सहते हुए भी सावरकर जेल में कैदियों के भीतर राष्ट्र भक्ति की भावनाएं सुदृढ़ करते रहे। जेल की दीवारों पर इन्होंने कील और पत्थरों से 6000 राष्ट्रभक्ति से उत्प्रोत कविताएं लिख दी थी। भीषण अमानवीय यातनाओं के दौर को झेलते हुए वे जेल में बंद कैदियों को समझाते थे कि - 'धीरज रखो एक दिन आएगा जब यह जगह तीर्थ स्थल बन जाएगी। आज भले ही हमारा पूरे विश्व में मजाक बन रहा हो एक समय ऐसा होगा जब लोग कहेंगे देखो इन्हीं कल कोठरियों में हिंदुस्तानी कैदी बंद थे। उन्हीं कैदियों की यहां प्रतिमाएं होंगी'। ये कलम और दिमाग दोनों से अंग्रेजों से लड़ने वाले क्रांतिकारी थे। सावरकर पहले इतिहासकार थे जिन्होंने 1857 की लड़ाई को प्रथम स्वाधीनता संग्राम कहा था। इन्होंने लंदन की लाइब्रेरी में दिन-रात लगाकर अंग्रेजों के एक के बाद एक दस्तावेज पढ़कर सच्चाई की तह तक जाकर सच्चाई को भारत वासियों के सम्मुख रखा था। सावरकर ने ही यह साबित किया था कि यह सैनिक विद्रोह नहीं प्रथम स्वाधीनता संग्राम था। उसने सभी अमर बलिदानियों की गाथा जन-जन तक पहुंचाई।

भगत सिंह जैसे क्रांतिकारियों ने भी सावरकर द्वारा रचित प्रथम स्वतंत्रता संग्राम 1857 पुस्तक से प्रेरणा प्राप्त की। दुनिया में ऐसी कौन सी पुस्तक है जिसे प्रकाशन से पहले ही प्रतिबंधित किया गया हो। अंग्रेज सावरकर की इस पुस्तक से इतनी भयभीत थे कि उन्होंने हर एक प्रयास किया ताकि यह पुस्तक भारत तक न पहुंच सके। और जब सावरकर द्वारा रचित यह पुस्तक क्रांतिकारियों में पहुंची तो क्रांति की ज्वाला में घी की आहुति पड़ गई। वर्ष 1924 में जेल से रिहा होने के बाद सावरकर समाज सुधार कार्य में लग गए। यह हिंदुत्व के प्रखर चिंतक थे। इन्होंने 'हिंदुत्व हिंदू कौन है' अपनी इस पुस्तक में हिंदू पहचान को एक भौगोलिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक पहचान के रूप में परिभाषित किया। सावरकर जातिवाद के घोर विरोधी थे। रत्नागिरी में इन्होंने पतित पावन मंदिर की स्थापना की और छुआछूत मिटाने का कार्य किया। इनका संपूर्ण जीवन भारतीय स्वाधीनता एवं हिंदुत्व को समर्पित रहा। सावरकर ने 1937 में अखिल भारतीय हिंदू महासभा के अध्यक्ष बनकर हिंदुओं की सामाजिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित किया था। सावरकर को ओजस्वी वक्ता के रूप में भी जाना जाता है अपने समर्थकों पर उनकी अमिट छाप थी। सावरकर ने दृढ़ता पूर्वक यह कहा था कि भारत एक हिंदू राष्ट्र है और जो एक रक्त में बंधे हैं। इनका चिंतन था कि हमारी सभ्यता और संस्कृति के आदर्श प्रत्येक भारतवासी के लिए वंदनीय हैं। सावरकर अपनी मातृभूमि को पुण्य भूमि मानते थे। उनका कहना था कि हिंदू वही है जो अपनी इस भूमि को पुण्य भूमि माने। वे हिंदुओं के सैन्यीकरण के पक्षधर थे। सावरकर ने अपनी युवावस्था भारतीय स्वाधीनता हेतु सेलुलर जेल की काल कोठरी में कठोर अमानवीय यातनाएं सहकर मृत्यु पर्यंत भारतीय हिंदू संस्कृति के उद्धार हेतु कार्य किया। 26 फरवरी 1966 को मुंबई में इस महान देशभक्त ने अंतिम श्वास ली। निडर स्वतंत्रता सेनानी एवं हिंदुत्व के सूत्रधार सावरकर का संपूर्ण जीवन मातृभूमि को समर्पित रहा।

विज्ञान और अध्यात्म : विरोध नहीं, संवाद

डॉ. शिवानी कटारा (हि.स)

डॉ. सी.वी. रमन ने प्रकाश के प्रकीर्णन पर शोध कर 1930 में नोबेल पुरस्कार प्राप्त किया। उनका कार्य यह दशार्ता है कि वैज्ञानिक अनुसंधान भारतीय परंपरा में निरंतर जीवित और सक्रिय रहा है। रमन का कथन था- 'प्रकृति स्वयं हमें प्रेरित करती है।' यह वाक्य वैज्ञानिक अवलोकन और आध्यात्मिक संवेदना के सुंदर मेल को प्रकट करता है।

पश्चिमी आधुनिक सोच में विज्ञान और अध्यात्म को अक्सर दो अलग रास्तों की तरह देखा जाता है- एक प्रयोग और प्रमाण पर आधारित, दूसरा अनुभव और आस्था पर। लेकिन भारतीय ज्ञान परंपरा में यह दूरी इतनी स्पष्ट नहीं रही। यहाँ ज्ञान को एक समग्र यात्रा माना गया, जहाँ प्रकृति और चेतना दोनों की खोज समान रूप से महत्वपूर्ण थी। स्वामी विवेकानंद ने 1893 में कहा था कि विज्ञान और धर्म का लक्ष्य एक ही है- सत्य की खोज।

विज्ञान पूछता है- यह जगत कैसे काम करता है?

अध्यात्म पूछता है- मैं कौन हूँ और जीवन का अंतिम सत्य क्या है?

दोनों के प्रश्न अलग दिखते हैं पर लक्ष्य एक है- सत्य।

भारत की विज्ञान चेतना केवल तकनीकी प्रगति नहीं बल्कि तर्क, जिज्ञासा और जिम्मेदारी से सोचने की आदत है। इस दृष्टि से देखें तो भारतीय अध्यात्म ने वैज्ञानिक सोच को केवल प्रेरणा ही नहीं दी बल्कि उसे एक गहरा दार्शनिक आधार भी प्रदान किया।

वैदिक युगः प्रश्न से शुरू हुई खोज

भारतीय अध्यात्म का प्रारंभिक आधार ऋग्वेद है। इसमें नासदीय सूक्त 'नासदासीन्नो सदासात्तदानीं' सृष्टि की उत्पत्ति पर प्रश्न उठाते हैं- 'तब क्या था? किसने सृष्टि की?' यहाँ कोई अंतिम उत्तर थोपने की जल्दी नहीं है बल्कि प्रश्न करने की स्वतंत्रता है। यही वैज्ञानिक दृष्टिकोण की पहली सीढ़ी है- आश्चर्य और जिज्ञासा।

उपनिषदों में 'नेति- नेति' (यह नहीं, वह नहीं) की पद्धति भी एक तरह की विश्लेषणात्मक विधि है- हर संभावना को परख कर सत्य तक पहुँचना। यह उसी प्रकार है जैसे विज्ञान में परिकल्पना को जांचकर अंतिम निष्कर्ष निकाला जाता है।

इस प्रकार भारतीय अध्यात्म ने विज्ञान को विरोधी नहीं बल्कि सहयोगी माना- बाहरी खोज और आंतरिक अनुभूति की संयुक्त यात्रा के रूप में। यहाँ प्रकृति, ग्रहों या शरीर का अध्ययन आध्यात्म से अलग नहीं समझा गया। भारतीय दृष्टि के अनुसार केवल बाहरी ज्ञान से जीवन का पूर्ण अर्थ नहीं मिलता और केवल आंतरिक साधना से संसार की कार्यप्रणाली नहीं समझी जा सकती; दोनों का संतुलन आवश्यक है।

प्राचीन विज्ञानः अध्यात्म की भूमि पर विकसित

प्राचीन भारत में गणित, खगोलशास्त्र और आयुर्वेद का विकास केवल तकनीकी आवश्यकता से नहीं बल्कि एक गहरे आध्यात्मिक वातावरण में हुआ। भारतीय गणितज्ञों ने दशमलव पद्धति, शून्य और अनंत जैसी क्रांतिकारी अवधारणाएँ दीं। ये खोजें केवल संख्याओं का विस्तार नहीं थीं बल्कि ब्रह्मांडीय व्यवस्था (cosmic order- ऋत) को समझने का प्रयास भी थीं- एक ऐसा विश्वास कि यह सृष्टि व्यवस्थित और अर्थपूर्ण है।

खगोल शास्त्र में ग्रह-नक्षत्रों की गति को केवल गणना का विषय नहीं माना गया बल्कि एक नियमबद्ध ब्रह्मांड की अभिव्यक्ति के रूप में देखा गया। इसी प्रकार आयुर्वेद को "science of life" कहा गया। आयुर्वेद समग्र दृष्टि अपनाता है-जहाँ शरीर, मन और आत्मा एक ही सूत्र में जुड़े माने जाते हैं। स्वास्थ्य को तीन दोष (वात, पित्त, कफ) के संतुलन के रूप में समझा गया। यह संतुलन हमें याद दिलाता है कि हम अलग-थलग अस्तित्व नहीं हैं बल्कि प्रकृति का ही हिस्सा हैं। हमारे भीतर का सूक्ष्म जगत बाहर के विराट जगत से जुड़ा है। जब प्रकृति में लय होती है, तब जीवन में भी लय आती है।

अध्यात्म ने विज्ञान को कैसे समृद्ध किया?

भारतीय अध्यात्म ने विज्ञान को तीन स्तरों पर दिशा दी- पहला, नैतिक दिशा, ताकि ज्ञान मानव कल्याण के लिए उपयोग हो। दूसरा, जिज्ञासा-प्रेरित खोज, जहाँ 'मैं कौन हूँ?' और 'यह जगत क्या है?' जैसे प्रश्न खोज की शुरूआत बने। तीसरा, समग्र दृष्टि, जिसमें मनुष्य, प्रकृति और ब्रह्मांड को परस्पर जुड़ी हुई व्यवस्था माना गया।

आधुनिक युगः क्वांटम फिजिक्स और वेदांत

आज के समय में भी विज्ञान और अध्यात्म के बीच संवाद जारी है। विशेषकर क्वांटम भौतिकी और ब्रह्मांड विज्ञान के क्षेत्र में। जिनेवा स्थित विश्वप्रसिद्ध प्रयोगशाला CERN में भगवान शिव 'नटराज' की प्रतिमा स्थापित है। यह 'कॉस्मिक डांस' यानी 'ब्रह्मांड का नृत्य' की प्रतीक है- सृष्टि लगातार बनती और बदलती रहती है। जैसे शिव का नृत्य निर्माण और विनाश के चक्र को दिखाता है, वैसे ही विज्ञान बताता है कि बहुत छोटे कण आपस में टकराते हैं, टूटते हैं और ऊर्जा में बदल जाते हैं। वैज्ञानिक Fritjof Capra ने कहा कि जो दृश्य भारतीय कलाकारों ने शिव के नृत्य में दिखाया, आज के वैज्ञानिक उसे कणों और ऊर्जा की गतिविधि में देखते हैं। यानी अलग भाषा है पर कहानी एक ही है- ब्रह्मांड हमेशा गतिशील है।

क्वांटम फिज़िक्स का एक रोचक सिद्धांत है, तरंग-कण द्वैत। बहुत छोटे कण कभी तरंग की तरह व्यवहार करते हैं और कभी कण की तरह। यानी जो चीज हमें एक रूप में दिखती है, वह असल में उससे कहीं अधिक जटिल हो सकती है। यह हमें सोचने पर मजबूर करता है कि वास्तविकता हमेशा वैसी नहीं होती जैसी हमारी आँखों को दिखाई देती है। यही बात वेदांत के माया सिद्धांत में भी कही गई है- दिखने वाली दुनिया अंतिम सत्य नहीं बल्कि एक परत है जिसके पीछे गहरा सत्य छिपा है। प्रसिद्ध वैज्ञानिक Erwin Schrödinger वेदांत से प्रभावित थे। उनका मानना था कि चेतना मूल रूप से एक ही है, अलग-अलग व्यक्तियों में बंटी हुई नहीं। यह विचार वेदांत के अद्वैत सिद्धांत से मिलता है, जहाँ सबकुछ एक ही सार्वभौमिक चेतना का हिस्सा माना जाता है।

इस प्रकार आधुनिक विज्ञान और वेदांत के बीच यह संवाद दिखाता है कि सत्य की खोज केवल प्रयोगशाला तक सीमित नहीं बल्कि चेतना की गहराइयों तक फैली हुई है। जब विज्ञान और अध्यात्म साथ चलते हैं तो हमारी समझ अधिक व्यापक, संतुलित और अर्थपूर्ण बनती है।

चेतना का प्रश्न : आज भी खुला संवाद

आज का आधुनिक विज्ञान ब्रह्मांड और मस्तिष्क का बहुत बारीक नक्शा बना सकता है। हम जान सकते हैं कि कौन-सा हिस्सा क्या काम करता है। लेकिन एक सवाल अब भी पूरी तरह सुलझा नहीं है- हम जो 'अनुभव' करते हैं, जैसे खुशी, दुख, प्रेम या शांति, वह आखिर कैसे जन्म लेता है? यह व्यक्तिगत अनुभव अभी भी विज्ञान के लिए रहस्य है। ऋषियों ने बहुत पहले कहा था कि भौतिक जगत को समझ लेना ही अंतिम ज्ञान नहीं है। उसके परे भी एक आयाम है- चेतना, जो केवल पदार्थ से परिभाषित नहीं होती क्योंकि वह हमारे अनुभव, सोच और आत्मबोध से जुड़ी है। आज ध्यान पर हो रहे वैज्ञानिक शोध दिखा रहे हैं कि यह तनाव कम कर सकता है और मस्तिष्क पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। इस तरह प्राचीन योग परंपरा और आधुनिक neuroscience के बीच एक रचनात्मक विमर्श विकसित हो रहा है–जहाँ बाहरी अध्ययन और आंतरिक अनुभव एक-दूसरे से सीख रहे हैं।

पूरे विमर्श से स्पष्ट होता कि भारतीय ज्ञान परंपरा में अध्यात्म और विज्ञान का संबंध विरोध का नहीं बल्कि परस्पर सहयोग का रहा है। प्राचीन वैदिक चिंतन से लेकर आधुनिक प्रयोगशालाओं तक, दोनों ने अलग-अलग तरीकों से एक ही लक्ष्य-सत्य की खोज की है। यह कहना उचित नहीं कि आधुनिक विज्ञान ने प्राचीन आध्यात्मिक सिद्धांतों को पूरी तरह प्रमाणित कर दिया है। किंतु यह अवश्य कहा जा सकता है कि जब विज्ञान और अध्यात्म के बीच सार्थक संवाद स्थापित होता है तो ज्ञान अधिक व्यापक और गहरा बनता है।

(लेखिका, डेंटल सर्जन तथा दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से पीएचडी हैं।)

आज का राशिफल

मेषः आज का दिन आपके लिए बेहद अनुकूल रहने वाला है। गूढ़ और आध्यात्मिक विषयों को समझने में आपकी रुचि बढ़ेगी। प्रेम संबंधों में मधुरता रहेगी और पार्टनर के साथ यादगार समय बिताने का अवसर मिल सकता है। *(सिटी दर्पण)*

वृषभः आज संचार में सावधानी रखें, क्योंकि आपकी बातों को गलत तरीके से लिया जा सकता है। जीवनसाथी से विचार-विमर्श करना लाभकारी रहेगा। वित्तीय मामलों में प्रगति के संकेत हैं। प्रेम संबंधों में थोड़ी मानसिक उलझन हो सकती है। *(सिटी दर्पण)*

मिथुनः यदि आप नया व्यवसाय शुरू करने की योजना बना रहे हैं तो रणनीति स्पष्ट रखें। लंबे समय से अटके कार्यों में तेजी आएगी। रिसर्च और अध्ययन से जुड़े लोगों को विशेष सफलता मिल सकती है। आपका सकारात्मक व्यवहार दूसरों को प्रेरित करेगा। *(सिटी दर्पण)*

कर्कः आज कुछ लोग आप पर निराधार आरोप लगा सकते हैं, इसलिए संयम बनाए रखें। मित्र को आर्थिक मदद करनी पड़ सकती है। कार्यस्थल पर प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और सहकर्मियों की ईर्ष्या सामने आ सकती है। गलत आदतों से दूरी बनाकर रखना हितकर होगा। *(सिटी दर्पण)*

सिंहः आपका सामाजिक दायरा मजबूत होगा और सम्मान में वृद्धि होगी। किसी शुभ या वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिल सकता है। मित्रों की मदद से रुके हुए कार्य पूरे होंगे। ऑनलाइन माध्यम से महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हो सकती है। *(सिटी दर्पण)*

कन्याः सरकारी कार्यों में सफलता मिलने के संकेत हैं। कार्यभार के कारण थकान महसूस हो सकती है, इसलिए पर्याप्त आराम करें। जल्दबाजी में किए गए कार्यों से त्रुटि संभव है। करियर को लेकर मन में हल्की चिंता रह सकती है, लेकिन आर्थिक मामलों में स्थिति मजबूत रहेगी। *(सिटी दर्पण)*

तुलाः आज आप अपनी जिम्मेदारियों को कुशलता से निभाएंगे। पारिवारिक विषयों को लेकर थोड़ी चिंता रह सकती है। निजी संबंधों में गोपनीयता बनाए रखना जरूरी होगा। प्रेम जीवन में पहले से बेहतर तालमेल रहेगा। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। *(सिटी दर्पण)*

वृश्चिकः परिवार में मतभेद उभर सकते हैं, इसलिए शांत स्वभाव अपनाएं। अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखें। वैवाहिक संबंधों में कटुता से बचें, अन्यथा मानसिक तनाव बढ़ सकता है। विवाद से दूरी बनाए रखना आज आपके लिए फायदेमंद रहेगा। *(सिटी दर्पण)*

धनुः जीवनसाथी अपनी कोई पुरानी इच्छा आपके सामने रख सकता है। सरकारी कार्यों में सफलता के योग हैं। व्यवसाय में नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। महंगी वस्तुओं की खरीदारी संभव है। टैक्स या कानूनी मामलों से जुड़ी परेशानियां कम होंगी। बच्चों की पढ़ाई पर विशेष ध्यान दें। *(सिटी दर्पण)*

मकरः कार्यस्थल पर आगे बढ़ने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। धार्मिक और आध्यात्मिक विषयों में रुचि बढ़ेगी। मौसम परिवर्तन के कारण बुखार या सिरदर्द की शिकायत हो सकती है। सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सकता है। *(सिटी दर्पण)*

कुंभः नकारात्मक सोच वाले लोगों से दूरी बनाए रखना बेहतर रहेगा। घरेलू खर्च बढ़ सकते हैं, जिससे बजट प्रभावित होगा। प्रेम संबंधों में विवाह को लेकर चर्चा संभव है। बच्चों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। छात्रों को करियर को लेकर असमंजस हो सकता है, इसलिए मार्गदर्शन आवश्यक है। *(सिटी दर्पण)*

मीनः कामकाज की व्यस्तता के कारण वैवाहिक जीवन को समय देना कठिन हो सकता है। इससे मन में असंतोष रह सकता है। जोड़ों में दर्द या अकड़न जैसी समस्या हो सकती है। कानूनी मामलों में सावधानी बरतें। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का उपयोग सतर्कता से करें। *(सिटी दर्पण)*

होलीः जाति, पंथ, उम्र से परे जीवंत महाउल्लास

हृदयनारायण दीक्षित (हि.स)

रंग पर्व होली को नमस्कार। कृत्रिम मेधा, असली मेधा व ऑनलाइन बुद्धिमत्ता को नमस्कार। सत्व, रज और तम की त्रिगुणी को नमस्कार। ब्रह्मा, विष्णु और महेश त्रिदेवों को नमस्कार। धर्म, अर्थ और काम की पुरुषार्थ त्रयी को नमस्कार। गीता, ब्रह्मसूत्र व उपनिषद की प्रस्थान त्रयी को नमस्कार। शब्द, अपशब्द व संसदीय मयार्दाहीनता को नमस्कार। प्रकृति चिरन्तन और आनंदरस से परिपूर्ण। इसके अन्तःपुर में आनंदरस का महास्रोत है। भारतीय चिन्तन में इसी स्रोत का नाम है-उत्स। आनंद का यह स्रोत मधुमय है। उत्सव इसी आनंद रस का अतिरेक आपूरण है।

यूरोप और अमेरिकी समाजों के उत्सव बाजार तय करता है और भारत के उत्सव तय करता है देश-काल। प्रकृति सदाबहार नायिका है। नदियां हंसती-नृत्य करती बहती हैं, मनुष्य आनंदित होता है। सो नदियों के तट पर उत्सव नृत्य और संकीर्तन। प्रकृति जहां-जहां जब-जब आनंदित करती है तब-तब वहां-वहां उत्सव। लेकिन काल सबका नियंता है। अथर्ववेद के ऋषि भृगु ने गाया है कि काल में ही सुख-दुख और आनंद है। काल में ही ऋक्यजुष और सामगान हैं। भारतीय उत्सवों में प्रकृति और काल-मुहूर्त की जुगुलबन्दी है। बसंत ऐसी ही मनभावन उपस्थिति है। बसंत में प्रकृति और काल की गलमिलौवल है।

प्रकृति मनमौजी है, तमाम रूपों में सजती है, खिलती है। बड़ी मस्त-मस्त और बिन्दास है यह। लेकिन यह नायिका परम स्वतंत्र नहीं है। प्रकृति में नियमबद्धता है। वैदिक ऋषियों ने सृष्टि के इस संविधान को ऋत कहा, ग्रीष्म, वर्षा, शिशिर, हेमंत, पतझड़ और बसंत इसी ऋत के ऋतु-रूप हैं। बसंत परिपूर्ण प्राकृतिक तरूणाई है। प्रकृति की अंग-अंग उमंग का नाम है बसंत। यों सभी उत्सव मनुष्य का सामाजिक उल्लास हैं लेकिन बसंत समूची प्रकृति का चरम परम उल्लास धर्म है। हम सब प्रकृति के अंश हैं, प्रकृति के गुणों के प्रभाव में है। प्रकृति गीत गाये, नाचे, महकें और मनुष्य चुप रहे ऐसा हो ही नहीं सकता। प्रकृति के रूप मनुष्य ही नहीं अन्य प्राणियों को भी संवेदित करते हैं। वर्षा ऋतु में मोर नाचते हैं, मेढ़क गीत गाते हैं। शरद् ऋतु जानकर खंजन पक्षी पुलक में होते हैं पर बसंत के संवेदन की बात ही दूसरी है।

बसंती पवन भारतीय काव्य का उत्प्रेरण रही है। आखिरकार क्या हो जाता है? वायु देव को बसंत में। वे जिसे छूकर आगे बढ़ते हैं, वही मदमस्त हो जाता है। वे कलियों की चोली उड़ा ले जाते हैं, तरूणों को सहलाते हैं, तरूणियों को तब तक गुदगुदाते हैं, जब तक वे खिलखिलाकर पूरी खिल नहीं जाती। तरूण तो तरूण हैं। मनतरंग में झूमना उनकी स्वाभाविकता है। लेकिन बूढ़े-बुजुर्ग भी बासंती पवन में मदमस्त हो जाते हैं। नदी, तालाब और खेत-ऊसर भी बसंत की मौज में होते हैं। हमारे गांव से बहने वाली सई नदी भी आनंद मगन हो जाती है। उसके तट पर खड़े बनबबूल के पेड़ों पर गीत उगते हैं। पक्षी प्रेमगीत गाते हैं, गायें उछलती हैं। न शीत की जकड़न और न गर्मी की उमस और बेचैनी। बसंत का प्रभाव सब पर एक जैसा। बूढ़े मनुष्य ही नहीं बूढ़े वृक्ष भी फूलों से लद जाते हैं। फागुन सबको लहालोट करता है। मनतरंग के देव 'काम' भीतर से कुलाचें मारते हैं। बसंत इसीलिए ऋतुराज है।

पृथ्वी सगंधा है। फूलों से सुगंध उड़ती है, मरूद्गण इस सुगंध को दशों दिशाओं तक पहुंचाते हैं। धरती-आकाश गंध आपूरित होते हैं। तिक्त नीम अशोक हो जाती है और बेहया की पौध हो जाती है मौलश्री। तब गुलाब रातरानी जैसी सुगंध देने लगता है और रातरानी कमलगंध में हहराती प्रीति। प्रकृति के सभी रूप रसवन्त हो जाते हैं। नदियां नर्तन करती हैं, झीलें गीत गाती हैं, वनस्पतियां झूम उठती हैं। शरद् और ग्रीष्म गलबहियां डालकर मिलते हैं। पक्षी मस्त-मस्त गीत गाते हैं। वे ऋत बंधन में रहते हैं। लेकिन बसंत और होली में शास्त्रीयता का कोई बंधन नहीं। यह बसंत दो दिन के लिए नहीं आता। पूरे तीन-चार माह तक विहंसता है, समूची प्रकृति को रस आपूरित करता है। प्रकृति का हरेक अंश उत्सव मनाता है। हरेक वृक्ष, हरेक फूल, कीट, पतिंग, पशु, पक्षी और मनुष्य मधु उत्सव में होता है। होली इन्हीं मधु उत्सवों का महोत्सव है।

होली आनंद का अतिरेक है और अतिरेक कभी शास्त्रीय नहीं होता। होली का लोक अपने छन्द स्वयं गढ़ता है। लोक में अतिरिक्त ऊर्जा है, उफनाती ऊर्जा आनंद का अतिरेक है यहां। ऊर्जा का अतिरेक ही उत्सव बनता है। मनुष्य की तरह समाज का भी मूल-उत्स होता है। समाज का मूल-उत्स संस्कृति है। समाज का आनंदमगन समवेत ही उत्सव हैं। होली भारत का मधुरस है, मधुछन्द है, सामगान है, लोकनृत्य है और लोक संस्कृति की चरम अभिव्यक्ति है। होली भारत के मन का उल्लास है। चहुदिश, दिक्काल, लाल गुलाल, सबके गाल। होली का उल्लास प्रायोजित नहीं होता। भारतीय उत्सव प्रकृति का प्रसाद है। होली महाप्रसाद है।

होली मधु अनुभूति का मधु प्रसाद है। प्रकृति का यह मधु प्रसाद अखण्ड है। सूर्य उगते हैं, अस्त होते हैं। मास आते हैं, विदा होते हैं। सम्वत्सर, युग और मन्वन्तर आते हैं पर मधु उत्सवों का मधु प्रसाद कोष रीता नहीं होता। बसंत ऐसा ही मधुकोष लेकर हर साल आता है। होली के अवसर पर बांटता है। होली का यह मधु पूरे साल चलता है। होली भारत का मन मधुमय करती है। इसीलिए यह लोक-महोत्सव है। भारत की भू-सांस्कृतिक आस्था का नर्तन, दर्शन दिग्दर्शन है। यहां लोक अभिव्यक्ति है, राष्ट्रीय एकत्व है और सांस्कृतिक समरसता है। लोक आनंद की अनुभूति है। तमाम असम्भवों का संगम है। होली सबकी प्रीति है, राष्ट्र की रीति है। भारत की उमंग और भारत के मन की रंग तरंग है। देश के उत्तर, दक्षिण और पूरब, पश्चिम होली सबकी प्यारी है। होली विश्ववारा भारतीय संस्कृति का मनआनंद है। होली गीत गाता नृत्य मगन उन्मुक्त अध्यात्म है। धरती, आकाश, वन और सम्पूर्ण उपवन का गीत-संगीत है। होली जाति, पंथ, उम्र से परे जीवन्त महामुक्ति और महाउल्लास है।

कुछ विद्वानों ने होली को मिस्र या यूनान से आयातित बताया है। होली जैसा उत्सव बेशक मिस्र में था, यूनान में भी था। जैमिनि ने होलाका पर्व का उल्लेख (400-200 ईसा पूर्व) किया और लिखा कि होलाका सभी आर्यों का उत्सव था। आचार्य हेमाद्रि (1260-70 ई0) ने पुराण उद्धरणों से होली की प्राचीनता दर्शाई है। वात्स्यायन के कामसूत्र (1.4.42) में यह एक बसंतोल्लास क्रीड़ा पर्व है। प्राचीनता और आधुनिकता अलग-अलग नहीं होती। वे पृथक दो इकाइयाँ नहीं हैं। प्रकृति सृष्टि का प्रवाह अविच्छिन्न है। जिसे हम प्राचीनता कहते हैं, वह और भी प्राचीन परम्परा का विकास है। इसी तरह आधुनिकता भी है। 100 बरस पहले जिसे आधुनिकता कहते थे, वह भी प्राचीन होती जा रही है। परम्परा एक सतत प्रवाह है। परम्परा और उत्सव व्यक्तिगत नहीं होते। उन्हें काल विभाजन के अनुसार नहीं बांटा जा सकता।

सामूहिकता हरेक कालखण्ड में आनंददायी रही है। सामूहिक आनंद और उत्सव पर्यायवाची हैं। प्राचीन भारत का समाज सामूहिकता में आनंदित है इसलिए हर दिन मधुउत्सव है, प्रतिपल मंगल गीत हैं, प्रतिपल मधुवर्षा है। सामूहिकता शोक और दुख को फटकने भी नहीं देती लेकिन विदेशी सत्ता के प्रभाव में हम भारत के लोग सामूहिकता खोते गये। व्यक्तिगत के भीतर और भी व्यक्तिगत होते गये। सो होली जैसे अंतरराष्ट्रीय उत्सव भी व्यक्तिगत हो रहे हैं। अब बाजार तय करता है हमारे उत्सव की रूपरेखा। सो भारतीय समाज में विषाद है। उत्सव धर्म विषाद को प्रसाद में बदलते हैं। आइए, उत्सवधर्मी हों हम सब। आओ रंग चढ़ा लें देशी कि रंग परदेशी उतर जाए।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद से लड़ रही पंजाब पुलिसः भगवंत सिंह मान

पंजाब पुलिस सिर्फ पंजाब की नहीं, देश की पुलिस है जो पाकिस्तान प्रायोजित खतरों के सामने सीना तान कर खड़ी रहती हैः भगवंत सिंह मान

सिटी दर्पण संवाददाता
जालंधर

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि सीमावर्ती राज्य होने के नाते पंजाब को हर रोज पाकिस्तान की ओर से समाज विरोधी तत्वों और ड्रोन घुसपैठ के जरिए प्रदेश का माहौल खराब करने के लिए रचे जा रहे नापाक मंसूबों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि पंजाब पुलिस अंतरराष्ट्रीय सीमा की रक्षा के लिए डटकर पहरा दे रही है और पंजाब पुलिस सिर्फ पंजाब की ही नहीं बल्कि पूरे देश की पुलिस है, जो अपना कर्तव्य निभा रही है।

प्रदेश में कानून-व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज जालंधर के पी.ए.पी. ग्राउंड में आयोजित पासिंग आउट परेड के दौरान 2,577 नए पुलिस जवानों को औपचारिक रूप से पंजाब पुलिस में शामिल किया। मुख्यमंत्री की इस पहल ने युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने और पुलिस के आधुनिकीकरण के लिए राज्य सरकार की दोहरी प्रतिबद्धता को दर्शाया।

पंजाब पुलिस की भर्ती मुहिम को आप सरकार की रोजगार क्रांति का अहम हिस्सा बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मार्च 2022 से अब तक 12,010 से अधिक पुलिस जवान नियुक्त किए गए हैं। वैज्ञानिक तरीकों पर फोर्स को अपग्रेड करने के लिए 1100 करोड़ रुपये रखे गए हैं और साइबर अपराध, आतंकवाद तथा नशों का मुकाबला करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, विशेष तकनीकी यूनिट और मजबूत एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स सहित अत्याधुनिक कदम उठाए जा रहे हैं।

युद्ध नशे विरुद्ध अभियान के तहत 50,238 गिरफ्तारियों और सड़क सुरक्षा फोर्स द्वारा बचाई गई 46,399 जिंदगियों का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने जोर देकर कहा कि पंजाब में रिकॉर्ड भर्ती, तेजी से तकनीकी अपग्रेडेशन और अपराध के विरुद्ध बेमिसाल कार्रवाई हो रही है, जो कि पंजाब में अमन-शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए उनकी सरकार के दृढ़ संकल्प की गवाही देती है।

एक्स पर समारोह की कुछ झलकियां साझा करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, आज जालंधर में पंजाब पुलिस की प्रतिष्ठित पासिंग-आउट परेड

में शामिल होना गर्व की बात थी। कुल 2,577 नए, अत्यंत प्रेरणादायक अधिकारी औपचारिक रूप से पंजाब पुलिस परिवार में शामिल हुए हैं, इन सभी को बधाई। हमारी सरकार के नेतृत्व में 12,000 से अधिक जवानों की पुलिस में भर्ती का रिकॉर्ड कायम किया गया है, उच्च-तकनीकी यूनिटें स्थापित की गई हैं और नशे के दुरुपयोग के विरुद्ध सख्त अभियान जारी है। हम पंजाब की सुरक्षा और शांति सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह वचनबद्ध हैं। जय हिंद।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पद संभालने के बाद मैंने पंजाब पुलिस को वैज्ञानिक आधार पर अपग्रेड करने पर विशेष जोर दिया और इस उद्देश्य के लिए 1,100 करोड़ रुपये रखे गए हैं। उन्होंने आगे कहा, यह बहुत गर्व की बात है कि पंजाब पुलिस को हर प्रकार की चुनौती का सामना करने और देश की एकता, अखंडता एवं प्रभुसत्ता बनाए रखने के लिए आधुनिक आधार पर सुसज्जित किया गया है। पंजाब की चुनौतियों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, एक सीमावर्ती राज्य होने के नाते पंजाब पुलिस अपनी ड्यूटी को पूरी मुस्तैदी से निभा रही है। पुलिस प्रशिक्षण केंद्रों के महत्व पर बात करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, विभिन्न रैंकों के इन नए भर्ती पुलिस जवानों ने महाराजा रणजीत सिंह पंजाब पुलिस अकादमी, फिल्लौर, पुलिस रिक्रूट ट्रेनिंग सेंटर, जहान खेलां (होशियारपुर) और इन-सर्विस ट्रेनिंग सेंटर, कपूरथला में प्रशिक्षण प्राप्त किया है।उन्होंने आगे कहा, मार्च, 2022 से लेकर अब तक पंजाब सरकार ने विभिन्न कैडरों और रैंकों के 12,010 से अधिक पुलिस कर्मियों को नियुक्ति पत्र जारी किए हैं। इनमें 1,062 सब-इंस्पेक्टर, 450 हेड कांस्टेबल, 10,098 कांस्टेबल और 400 सिविलियन स्टाफ शामिल हैं, जिन्होंने विभिन्न पंजाब पुलिस प्रशिक्षण केंद्रों में प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि वर्तमान सरकार के तहत भर्ती प्रक्रिया निरंतर जारी रही है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, जब से हमारी सरकार सत्ता में आई है, पंजाब पुलिस भर्ती प्रक्रिया हर साल जारी रही है। इसी क्रम में वर्ष 2025 से 1,900 से अधिक भर्ती किए गए जवानों के लिए बुनियादी प्रशिक्षण मार्च, 2026 में शुरू हो गया। इसी तरह 1,746 कांस्टेबलों की भर्ती प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है और उन्हें शीघ्र ही नियुक्ति पत्र जारी किए जाएंगे। उन्होंने आगे कहा, वर्ष 2026 में की जाने वाली 3,400 पुलिस जवानों की भर्ती प्रक्रिया शीघ्र ही शुरू होगी।

तकनीकी अपग्रेडेशन पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, राज्य सरकार पंजाब पुलिस को तकनीकी रूप से सुसज्जित करने और अधिक सक्षम बनाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। उन्होंने आगे कहा, पंजाब देश का पहला राज्य है जिसने तकनीकी विशेषज्ञता में दक्ष 182 सब-इंस्पेक्टरों की भर्ती की है, जिनमें 112 तकनीकी विशेषज्ञ, 11 फॉरेंसिक विशेषज्ञ, एच.आर. मैनेजर और 30 काउंसलर तथा तकनीकी क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखने वाले 1,547 कांस्टेबल शामिल हैं। उन्होंने कहा, इस भर्ती का मुख्य उद्देश्य अपनी तकनीकी सेवाओं विंग के माध्यम से साइबर अपराध, वित्तीय धोखाधड़ी, गैंगस्टर, आतंकवाद, नशीले पदार्थों और इस प्रकार के अपराधों का मुकाबला करना है।

समारोह के दौरान, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने परेड का व्यापक निरीक्षण किया, मार्चिंग टुकड़ियों का नजदीक से जायजा लिया और कार्रवाई की निगरानी कर रहे वरिष्ठ अधिकारियों से बातचीत की। इसके बाद उन्होंने नव-नियुक्त पुलिस जवानों द्वारा दिखाए गए अनुशासन, तालमेल और उच्च मानकों की सराहना करते हुए, औपचारिक सलामी ली। मुख्यमंत्री ने प्रशिक्षण के दौरान उनके बेहतरीन प्रदर्शन, समर्पण और वचनबद्धता की प्रशंसा करते हुए बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रशिक्षुओं और कैडेटों को पुरस्कार और प्रशंसा पत्र भी वितरित किए। इस कार्यक्रम के दौरान पंजाब की समृद्ध विरासत को दर्शाती सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं और पासिंग आउट परेड के माध्यम से इस समारोह को नव-नियुक्त पुलिस जवानों, उनके परिवारों और समूची पंजाब पुलिस के लिए गौरवपूर्ण और यादगार पल बनाया गया।

मंत्री समूह ने आने वाले गेहूं खरीद सीजन के प्रबंधों का लिया जायजा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

फसल खरीद सम्बन्धित तैयारियों की निगरानी के लिए गठित मंत्री समूह(जीओएम) जिसमें कृषि और किसान भलाई मंत्री गुरमीत सिंह खुडियां, खुराक, सिविल स्पलाई और खपतकार मामले मंत्री लाल चंद कटारूचक्क, जल स्त्रोत मंत्री बरिन्दर कुमार गोयल और परिवहन मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर शामिल है, ने आज आने वाले गेहूं खरीद सीजन 2026- 27 की व्यापक समीक्षा करने के लिए मीटिंग की।

मंत्री समूह को इस मौके बताया गया कि गेहूं खरीद सीजन 1 अप्रैल से शुरू होने की संभावना है और खुराक, सिविल स्पलाई और खपतकार मामले द्वारा विभाग लगभग 132 लाख मीट्रिक टन (एल.एम.टी.) उपज की खरीद की जाएगी। इसके इलावा कम-से-कम समर्थन मूल्य (एम.एस.पी.) 2585 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है।

भंडारन की जगह के मुद्दे सम्बन्धित मंत्री समूह के ध्यान में यह लाया गया कि भारतीय खुराक निगम की तरफ से अगस्त 2025 से अब तक हर महीने 5 एल.एम.टी. गेहूं और 5 एलएमटी चावल की ढुलाई की जा रही है, जबकि 2026-27 के सीजन में खरीदी जाने वाली गेहूं के लिए उचित स्टोरेज स्पेस को यकीनी बनाने के लिए हर महीने कम-से-कम 15 एलएमटी गेहूं के उठान की जरूरत है। मुख्य मंत्री भगवंत सिंह मान ने इस सम्बन्ध में समय समय पर और हाल ही में भी जोरदार ढंग के साथ केंद्र सरकार के पास मुद्दा उठाया गया है।

इसके इलावा आने वाले सीजन के सम्बन्धित गेहूं की सुरक्षित स्टोरेज को यकीनी बनाने के लिए विभाग पलिंथ बनाने और चावल मीलों में खाली स्थानों का प्रयोग करने पर विचार कर रहा है। इसके इलावा जिला प्रशासनों के साथ खरीद प्रबंधों की नियमित समीक्षा की जा रही है। डीएफएससीज द्वारा संकटकाली योजनाओं और परिवर्तनी प्रबंध तैयार करने के लिए एफ.सी.आई. के जिला मैनेजरों के साथ तालमेल किया जा रहा है।

सीजन दौरान निर्विघ्न खरीद को यकीनी बनाने के लिए जरूरी अन्य वस्तुओं सम्बन्धित 391320 प्लास्टिक के करेट के लिए आर्डर जारी किए गए है, जिनमें से 231055 प्राप्त हो चुके है जबकि बाकी मार्च तक प्राप्त हो जाएंगे। इसके इलावा, 675000 लकडी के करेट की स्पलाई के लिए आर्डर दिए गए है और गेहूं को सुरक्षित ढंग के साथ स्टोर करने के लिए जरुरी एलपीईडी कवर (तिरपालें) भी उपलब्ध हैं।

इस मौके दूसरे के इलावा प्रमुख सचिव खुराक, सिविल स्पलाई और खपतकार मामले राहुल तिवाड़ी, डायरैक्टर वरिन्दर कुमार शर्मा, अतिरिक्त डायरेक्टर डा. अंजुमन भास्कर और अजैवीर सिंह सराओ, और जी.एम. वित्त सरवेश कुमार मौजूद थे।

फाजिल्का में सरहद पार चल रहे तस्करी नैटवर्क का पदार्फाश; 2.1 किलोग्राम हेरोइन, 7 पिस्तौल सहित एक काबू

चंडीगढ़/ फाजिल्का। मुख्य मंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा- निदेर्शों अनुसार पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए शुरू की मुहिम दौरान, स्टेट स्पैशल आपरेशन सैल (एसएसओसी) फाजिल्का ने एक दोषी को 2.1 किलोग्राम हेरोइन और सात आधुनिक पिस्तौल सहित गिरफ़्तार करके सरहद पार चल रहे नशीले पदार्थ और हथियार तस्करी माड्यूल का पदार्फाश किया है। यह जानकारी आज यहां डायरैक्टर जनरल आफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने दी। गिरफ़्तार किए गए आरोपी की पहचान गुरनाम सिंह उर्फ गामा निवासी भंगे वाला (झुग्गे किशोर सिंह वाला), फिरोजपुर के तौर पर हुई है। बरामद किए गए हथियारों में एक 9 एमएम गलौक और चार .30 बोर के पिस्तौल और दो 9 एमएम पिस्तौल शामिल है। इसके इलावा 10 जिंदा कारतूस भी बरामद किए गए है। पुलिस टीमों ने उसका हीरो डीलक्स मोटरसाईकल, जिसका प्रयोग नशीले पदार्थों की तस्करी के लिए किया जा रहा था, भी जब्त कर लिया है। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्राथमिक जांच से पता लगा है कि हेरोइन और हथियारों की यह खेप पाकिस्तान स्थित तस्करों की तरफ से ड्रोन के द्वारा राज्य में अपराधिक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए भेजी गई थी। उन्होंने कहा कि इस मामले के अगले- पिछले संबंधों का पता लगाने के लिए ओर जांच जारी है। इस आप्रेशन बारे जानकारी देते, एआईजी एसएसओसी फाजिल्का नरेश कुमार डोगरा ने बताया कि भरोसेयोग्य सूचना पर कार्यवाही करते, एसएसओसी फाजिल्का की टीमों ने जलालाबाद क्षेत्र में एक विशेष आप्रेशन चलाया और आरोपी को फाजिल्का के गांव बाघे के उत्तर के पास से उस समय काबू किया, जब वह अपने मोटरसाईकिल पर जा रहा था। उन्होंने बताया कि तलाशी दौरान उससे 2.1 किलो हेरोइन और तीन पिस्तौल बरामद किए गए। उन्होंने आगे बताया कि खुलासे दौरान गिरफ़्तार आरोपी की तरफ से बताए गए टिकाने से चार ओर पिस्तौल बरामद किए गए। इस सम्बन्धित, एफआईआर नंबर 02 तारीख 24- 02- 2026 को एनडीपीएस एक्ट की धारा 21 सी और 25 और आर्मज एक्ट की धारा 25 के अंतर्गत थाना एसएसओसी फाजिल्का में दर्ज की गई है।

सरकार द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन मशीनों के लिए 5358 लाभपातरियों को 395 करोड़ की सब्सिडी जारीः खुड्डियां

चंडीगढ़। पंजाब के कृषि और किसान भलाई मंत्री स.गुरमीत सिंह खुड्डियां ने आज बताया कि राज्य को पराली जलाने की घटनाओं को पूरी तरह मुक्त बनाने की दिशा की तरफ अहम कदम उठाते मुख्य मंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की तरफ से वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए आधुनिक फसल अवशेष प्रबंधन (सीआरएम) मशीनों की खरीद के लिए 395 करोड़ रुपए की सब्सिडी दी गई है। इस सम्बन्धित जानकारी सांझी करते स.खुड्डियां ने कहा कि पंजाब सरकार की तरफ से ग्राम पंचायतों, कस्टम हायरिंग सैंटरों (सीएचसी), व्यक्तिगत किसानों और स्पलाई चेन सहित 5358 लाभपातरियों को सीआरएम मशीनों की खरीद पर 50 फीसद से 80 फीसद तक सब्सिडी प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि इन- सीटू और एक्स- सीटू प्रबंधन पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है जो पराली जलाने के मामलों को कम करने और किसानों की आमदन बढ़ाने प्रति राज्य सरकार की दृढ़ वचनबद्धता को उजागर करता है। अन्य विवरन सांझा करते स.खुड्डियां ने व्यापक बांट नैटवर्क का जिक्र किया, जो मशीनरी की किसानों तक आसान पुहंच को यकीनी बनाता है। छोटे और सीमांत किसानों के लिए किफायती पहुंच को यकीनी बनाने के लिए राज्य भर में 66 सहकारी सभाओं की तरफ से 1151 नए कस्टम हायरिंग सैंटर (सी.एच.सी.) स्थापित किए गए। इसमें 1042 ग्रामीण उद्दमी शामिल है, जो स्थानीय उद्यम को चला कर योजना को मजबूत आधार देते है, 28 किसान उत्पादक संगठन (एफ.पी.ओ.) पैमाने की आर्थिकता को बढ़ाते है और 15 ग्राम पंचायतों गांव स्तर पर भाईचारक तौर पर हल यकीनी बनाती है। सीधी मालकी को बड़ा बढावा देते इस योजना ने 4181 व्यक्तिगत किसानों को भी आधुनिक, कुशल सीआरएम मशीने प्रदान करके लाभ पहुंचाया है। इसके इलावा औद्योगिक वैल्यू चेन को मजबूत करने के लिए एक रणनीतक कदम के अंतर्गत, 26 पैडी स्पलाई चेन स्थापित की गई हैं। यह स्पलाई चेन पराली को बायोमास प्लांटों और औद्योगिक इकाईयों तक पहुंचने और लाने-लेजाने, प्रभावशाली ढंग के साथ अवशेष को राजस्व में बदलने और एक सर्कुलर अर्थ-व्यवस्था का निर्माण करने में अहम योगदान निभाएगी। स. गुरमीत सिंह खुड्डियां ने कहा कि 395 करोड़ रुपए की मिसाली सब्सिडी किसान भाईचारे और वातावरण प्रति सरकार के दृढ़ वचनबद्धता का स्पष्ट प्रमाण है। उन्होंने कहा कि यह केवल सब्सिडी नहीं बल्कि राज्य के भविष्य, मिट्टी की उपजाऊ शक्ति और सांस लेने वाली स्वच्छ और ताजी हवा में एक निवेश है। सरकार की तरफ से गांव स्तर पर मशीनरी की उपलब्धता से ले कर पराली के लिए मजबूत मार्किट यकीनी बनाने तक सभी हल प्रदान किए जा रहे हैं। कृषि मंत्री ने किसान भाईचारे से अपील की कि वह इन उपकरणों का अधिक से अधिक प्रयोग करने और पराली के सभ्यक प्रबंधन को यकीनी बनाए।

मान सरकार का 0 से 6 साल के बच्चों के भविष्य के लिए बड़ा कदम: 6110 आंगनवाड़ी पदो के लिए भर्ती

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के सामाजिक सुरक्षा, स्त्री और बाल विकास मंत्री डा. बलजीत कौर ने कहा है कि मुख्य मंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार 0 से 6 साल के बच्चों के सर्वपक्क्षीय विकास और प्राथमिक शिक्षा को मजबूत करने के लिए उचित और दूरगामी कदम उठा रही है। इसी उदेश्य की पूर्ति के लिए पंजाब सरकार द्वारा आंगनवाड़ी वर्करों और आंगनवाड़ी हैलपरों के कुल 6110 पदों को भरने के लिए आनलाइन आवेदनों की मांग की गई है।

इस सम्बन्धित ओर जानकारी सांझा करते सामाजिक सुरक्षा, स्त्री और बाल विकास मंत्री ने बताया कि कुल 6110 पदों में से 1316 पद आंगनवाड़ी वर्करों और 4794 पद आंगनवाड़ी हैलपरों की है। उन्होंने कहा कि योग्य उम्मीदवार 11 मार्च 2026 रात 11.59 बजे तक अपने

आवेदन आनलाइन संचित करवा सकते है। उन्होंने बताया कि पहले इन पदों के लिए आवेदन देने की आखिरी तारीख 10 दिसंबर 2025 निर्धारित की गई थी, जिसमें अब विस्तार किया गया है। इस अनुसार अब पंजाब राज्य की योग्य (केवल स्त्रियों) उम्मीदवारों 25 फरवरी से 11 मार्च 2026 रात 11.59 बजे तक आनलाइन अप्लाई कर सकती हैं।उन्होंने स्पष्ट किया कि आवेदन २२६ृ. स्र४ल्लुं. ॅङ्म५.ल्ल लिंक के द्वारा, निर्धारित फॉर्मेट और जरुरी दस्तावेजों सहित केवल आनलाइन मोड के द्वारा ही स्वीकार किए जाएंगे। अन्य किसी भी मोड के द्वारा आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि जिन उम्मीदवारों की तरफ से इन पदों के लिए पहले ही अप्लाई किया गया है, उनको फिर से आवेदन देने की जरूरत नहीं। हालांकि जिन उम्मीदवारों के आवेदन पहले दस्तावेजों की कमी कारण रद्द हुए थे, वह उम्मीदवार फिर से अप्लाई कर सकते है ।कैबिनेट मंत्री ने कहा कि 0 से 6 साल की आयु बच्चो की जिंदगी का सबसे नाजुक और महत्वपूर्ण दौर होता है, जिस दौरान मिलने वाली शिक्षा, देखभाल और पोषण बच्चो के पूरे जीवन की मजबूत नींव बनते हैं ।उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चा, चाहे वह शहर में रहता हो या गांव में, एक सुरक्षित और उत्साह भरपूर माहौल का हकदार है और पंजाब सरकार यह यकीनी बना रही है कि कोई भी बच्चा सिर्फ साधनों की कमी कारण अपने सपनों से वंचित न रहे।

डा. बलजीत कौर ने कहा कि पंजाब सरकार का मुख्य उदेश्य प्रत्येक आंगनवाड़ी सैंटर में योग्य और काबिल स्टाफ की उपलब्धता यकीनी बनाना है, जिससे बच्चों को उच्च मानक शिक्षा, संतुलित पोषण और संवेदनशील देखभाल की सेवाएं उचित ढंग के साथ मुहैया करवाई जा सकें। इस भर्ती प्रक्रिया के साथ एक तरफ रोजगार के नए मौके उपलब्ध होंगे, दूसरे तरफ बच्चों के सर्वपक्क्षीय विकास के लक्ष्य को ओर मजबूती मिलेगी।

उन्होंने आगे कहा कि पंजाब के प्रत्येक जिले के शहरों, ब्लाकों और गांव स्तर पर चल रहे आंगनवाड़ी सैंटरों के द्वारा बच्चों को प्राईवेट प्ले-वे स्कूलों के समान गुणवत्ता वाली शिक्षा, उचित फर्नीचर और आधुनिक करीकुलम मुहैया करवाने के लिए पंजाब सरकार पूरी तरह वचनबद्ध है।

संक्षिप्त-समाचार

ट्राइडेंट ग्रुप का विकसित भारत मिशन के तहत देशव्यापी भर्ती अभियान, 3,000 से अधिक कर्मयोगियों को मिलेगा रोजगार

चंडीगढ़ । देश के अग्रणी औद्योगिक समूहों में शामिल ट्राइडेंट लिमिटेड ने अपने मैन्युफैक्चरिंग संचालन को मजबूत करने के लिए देशभर में बड़े पैमाने पर भर्ती अभियान शुरू करने की घोषणा की है। इस पहल के तहत 3,000 से अधिक कर्मयोगियों को विभिन्न तकनीकी और परिचालन पदों पर नियुक्त किया जाएगा। यह कदम वस्त्र निर्माण क्षेत्र में कौशल विकास और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने की राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप उठाया गया है। इस घोषणा पर टिप्पणी करते हुए ट्राइडेंट ग्रुप की ग्रुप सीएचआरओ पूजा बी. लूथरा ने कहा, ह्लट्राइडेंट में हमारा विश्वास है कि प्रतिभा भारत के मैन्युफैक्चरिंग परिवर्तन की नींव है। इस बड़े भर्ती अभियान के माध्यम से हम अपनी कार्यशक्ति को सुदृढ़ करने के साथ-साथ एक मजबूत और भविष्य-उन्मुख मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम के राष्ट्रीय विजन को समर्थन दे रहे हैं। व्यवसाय विस्तार से आगे बढ़कर हमारा ध्यान दीर्घकालिक करियर निर्माण, समुदायों को सशक्त बनाने और भारत को वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग नेतृत्व की दिशा में योगदान देने पर है।ह्व इस अभियान के तहत ऑपरेटर, वीवर, स्टिचर, फिटर, इलेक्ट्रिशियन सहित कई कुशल पदों के लिए आवेदन मांगे गए हैं। चयन उम्मीदवारों की योग्यता और संबंधित उद्योग अनुभव के आधार पर किया जाएगा।

इको ग्रीन एनवायरनमेंट सोसाइटी ने लगातार चौथे वर्ष पार्कों के लिए पहला और दूसरा स्थान किया हासिल

चंडीगढ़। चंडीगढ़ के 54वें रोज फेस्टिवल 2026 के दौरान, आरडब्ल्यूए द्वारा किए जाने वाले नेबरहुड पार्क वर्ग में इको ग्रीन एनवायरनमेंट सोसाइटी, सेक्टर 18-ऊने लगातार चौथे वर्ष सेक्टर 18 डी के पार्कों के लिए पहला और दूसरा स्थान हासिल किया है। जो बेहतर बागवानी और रख-रखाव के लिए दिए गए है ।इको ग्रीन एनवायरनमेंट सोसाइटी, सेक्टर 18-डी के प्रेसिडेंट हरमेल सिंह सरा को नेबरहुड पार्क की देखभाल के लिए नगर निगम, चंडीगढ़ द्वारा प्रथम और द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पार्कों के रखरखाव के लिए लगातार चौथे वर्ष सम्मानित होने से गदगद प्रेसिडेंट हरमेल सिंह सरा और अन्य रेसिडेंट्स ने बताया कि यह सम्मान पाकर उन्हें बहुत प्रसन्नता हो रही है। यह उनके एरिया के रेसिडेंट्स के आपसी सहयोग, मालियों की मेहनत के चलते ही सम्भव हो पाया है। इससे भी ज्यादा खुशी की बात यह है कि उनके प्रयासों को देखकर बाकी एरिया में भी जागरूकता आई है और अब सभी मिलकर पर्यावरण और अपने आसपास के स्थानों की देखभाल करने के लिए अग्रसर हो रहे हैं। हरमेल सिंह के अनुसार नगर निगम के पूर्व मेयर और एरिया पार्षद अनूप गुप्ता और पूर्व मंडल अध्यक्ष व समाजसेवी सुमिता कोहली जी के सहयोग से ही इन पार्कों की देखभाल हो पा रही हैं और जिसके चलते ही उनके पार्क नगर निगम ने लगातार चौथी बार पहला व दूसरा स्थान हासिल हुआ है। उन्होंने इस पार्क में सीजनल फूलों के पौधे लगाए हैं और चार माली रखे हुए हैं, जिनका खर्च वह सोसाइटी उठाती हैं। इस पार्क में आसपास के सभी निवासी आते हैं और उसकी सुंदरता की सराहना करते हैं। पूर्व मंडल अध्यक्ष व समाजसेवी सुमिता कोहली ने कहा कि नगर निगम से सम्मानित होना, इको ग्रीन एनवायरनमेंट सोसाइटी और क्षेत्र के निवासियों के लिए गर्व की बात है। जिनके आपसी सहयोग से इस प्रयास से यह सब सम्भव हुआ है।

इनड्राइव ने चंडीगढ़ में लॉन्च किया मेगा कॉन्टेस्ट

चंडीगढ़। ग्लोबल मोबिलिटी प्लेटफॉर्म इनड्राइव ने चंडीगढ़ में इनड्राइव मार्च मेगा फेस्ट लॉन्च करने की घोषणा की है। यह एक महीने तक चलने वाला शहर-स्तरीय कॉन्टेस्ट है, जिसमें यात्रियों और ड्राइवर-पार्टनर्स दोनों को आकर्षक इनाम जीतने का अवसर मिलेगा। मार्च 2026 तक चलने वाली इस पहल में दो हाई-एनर्जी कैंपेन शामिल हैं यात्रियों के लिए राइड मोर, विन मोर और ड्राइवर-पार्टनर्स के लिए ड्राइवर्स ऑफ द मंथ - प्लेटिनम रैफल, जो रोजमर्रा की राइड्स को जीतने के मौके में बदल देता है। राइड मोर, विन मोर - पैसेंजर कॉन्टेस्ट - 1 मार्च से 31 मार्च 2026 तक, यात्री केवल इनड्राइव के साथ राइड लेकर भाग ले सकते हैं। जितनी ज्यादा आप राइड करेंगे, उतनी ही ज्यादा आपके इनाम जीतने की एलिजिबिलिटी बढ़ेगी। इनामों में शामिल हैंः आईफोन 17, कपल गोवा टिकट्स, बोस हेडफोन्स और अमेजन वाउचर्स। ड्राइवर्स ऑफ द मंथ - प्लेटिनम रैफल - ड्राइवर-पार्टनर्स 16 फरवरी से 29 मार्च 2026 के बीच प्लेटिनम स्टेटस हासिल करके बड़े इनाम जीत सकते हैं, जिसमें हर पूरी की गई राइड उनकी रैफल जीतने की संभावना बढ़ाती है। ड्राइवर इनामों में शामिल हैंः हीरो एक्सट्रीम 125आर मोटरसाइकिल, गोल्ड कॉइन्स, स्मार्टफोन्स और फ्यूल कार्ड्स। इंडिया के कंट्री मैनेजर अविक कर्माकर, ने कहा कि इनड्राइव मार्च मेगा कॉन्टेस्ट एक निष्पक्ष और पारदर्शी मोबिलिटी इकोसिस्टम बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हम यात्रियों और ड्राइवरों को राइड की शर्तें चुनने और उचित किराए पर सीधे मोलभाव करने की स्वतंत्रता देते हैं। अन्यायपूर्ण प्राइसिंग मॉडल को चुनौती देकर हम दोनों पक्षों के लिए समान अवसर बनाते हैं। यह कैंपेन उन लोगों का उत्सव है जो हर दिन हमारे प्लेटफॉर्म को ताकत देते हैं और उस पर भरोसा करते हैं।

आईकू ने आईकू 15आर लॉन्च किया

चंडीगढ़। हाई-परफॉर्मेंस स्मार्टफोन ब्रांड, आईकू ने आईकू 15आर लॉन्च किया। यह स्मार्टफोन फ्लैगशिप-स्तर की ताकत के साथ ऐसा परफेक्ट-फिट डिजाइन लेकर आया है जो रोजमर्रा के इस्तेमाल में पूरी तरह आरामदायक है। युवा प्रोफेशनल्स को ध्यान में रखकर बनाया गया आईकू 15आर काम, गेमिंग और एंटरटेनमेंट के बीच आसानी से स्विच करने वालों के लिए है, जिसमें दमदार परफॉर्मेंस, लंबे समय तक चलने वाली बैटरी और शानदार विजुअल अनुभव मिलता है। इसका 6.59-इंच का डिस्प्ले एक हाथ से इस्तेमाल के लिए भी सहज और आरामदायक है। आईकू के हाई-परफॉर्मेंस स्मार्टफोन पोर्टफोलियो को और मजबूत करते हुए, आईकू 15आर में स्नैपड्रैगन 8 जेन 5 प्रोसेसर दिया गया है, जो पूरे दिन तेज स्पीड, स्मूद रिस्पॉन्स और लगातार शानदार परफॉर्मेंस देता है। इसमें आईकू की अब तक की सबसे बड़ी बैटरी दी गई है, वो भी सिर्फ.7.90 मिमी के अल्ट्रा-स्लिम डिजाइन में, जिससे यह 7600 एम.ए.एच. बैटरी के साथ भारत का सबसे पतला स्मार्टफोन बनता है।

पंजाब के माननीय राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया ने दिया मुख्य भाषण

आईआईटी रोपड़ ने अनुसंधान, प्रौद्योगिकी और उद्यमशीलता में बड़ी घोषणाओं के साथ मनाया 18वाँ स्थापना दिवस

सिटी दर्पण संवाददाता
रोपड़

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रोपड़ (आईआईटी रोपड़) ने मंगलवार को अपना 18वाँ स्थापना दिवस मनाया और भारत के अनुसंधान एवं नवाचार परितंत्र को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से अनेक शैक्षणिक, तकनीकी और उद्यमशीलता संबंधी पहलों की घोषणा की। संस्थान के सभागार में 'देश में अनुसंधान, नवाचार और उद्यमशीलता को गति देना' विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में पंजाब के माननीय राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और उन्होंने एक प्रेरणादायक मुख्य भाषण दिया। माननीय राज्यपाल ने कहा, आईआईटी रोपड़ जैसे संस्थान आत्मनिर्भर भारत के इंजन हैं। यहाँ के शोध की गुणवत्ता, उद्यमशीलता की भावना तथा प्राध्यापकों और छात्रों की लगन यह सिद्ध करती है कि भारतीय उच्च शिक्षा किस ऊँचाई को प्राप्त कर सकती है ।स्वागत भाषण प्रो. राजीव आहूजा, निदेशक, आईआईटी रोपड़ ने दिया, जिसमें उन्होंने कहा, 2008 में सतलुज के तट पर स्थापित एक युवा संस्थान से आईआईटी रोपड़ आज राष्ट्रीय महत्व का एक शोध-गहन विश्वविद्यालय बन चुका है। हमारे प्राध्यापक और छात्र उच्च प्रभाव वाले शोध प्रकाशित कर रहे हैं, पेटेंट दाखिल कर रहे हैं और ऐसे स्टार्टअप बना रहे हैं जो वास्तविक समस्याओं का समाधान करते हैं। हमारी आकांक्षा है कि अनुसंधान, नवाचार और उद्यमशीलता में हम देश के सबसे प्रभावशाली संस्थानों में शामिल हों और हमारे कार्य का लाभ समाज, उद्योग और

राष्ट्र तक पहुँचे ।समारोह में आईआईटी रोपड़ के संस्थापक निदेशक (पूर्व) प्रो. एम.के. सुरप्पा, जो अन्ना विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति भी हैं, ने संस्थान की उल्लेखनीय यात्रा पर विचार साझा किए और शोध नेतृत्व की दिशा में इसके अग्रगामी पथ पर विश्वास व्यक्त किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. पुष्पेंद्र पी. सिंह, डीन, कॉर्पोरेट एलुमनी प्लेसमेंट एवं रणनीति (सीएपीएस) तथा परियोजना निदेशक, अन्नम एआई ने दिया।

इंडस एचपीसी – उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग सुविधाः संस्थान ने इंडस एचपीसी का औपचारिक उद्घाटन किया, जो एक अत्याधुनिक उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग सुविधा है। इससे इंजीनियरिंग, जीव विज्ञान, जलवायु मॉडलिंग और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में संगणनात्मक शोध को अभूतपूर्व गति मिलेगी। यह सुविधा आईआईटी रोपड़ को समर्पित एचपीसी अवसंरचना वाले चुनिंदा भारतीय तकनीकी संस्थानों की श्रेणी में स्थापित करती है।

आरडीआईएफ निवेश प्रतिबद्धताएँः आईआईटी रोपड़ ने अपने अनुसंधान, विकास एवं नवाचार कोष (आरडीआईएफ) के लिए भागीदारों से औपचारिक निवेश प्रतिबद्धताओं की घोषणा की, जो संस्थान की अनुसंधान क्षमताओं और व्यावसायीकरण की संभावनाओं में निजी क्षेत्र के बढ़ते विश्वास का प्रमाण है।

स्थापना दिवस समारोह एक औपचारिक पुरस्कार समारोह के माध्यम से आईआईटी रोपड़ के प्राध्यापकों और कर्मचारियों के योगदान को सम्मानित करने का भी अवसर बना। इन पुरस्कारों के माध्यम से संस्थान ने यह संदेश दिया कि शैक्षणिक उत्कृष्टता की नींव उसके पूरे कार्यबल की मूक एवं अटल निष्ठा पर टिकी है।

शाम के सबसे उत्साहवर्धक क्षण में आईआईटी रोपड़ ने अपना छात्र उद्यमिता सहायता कार्यक्रम औपचारिक रूप से प्रारंभ किया और छह होनहार छात्र स्टार्टअप टीमों को 1,00,000 प्रति टीम के अनुसार बीज अनुदान प्रदान किया। इन उद्यमों ने विविध क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है, जो संस्थान की प्रतिभा की व्यापकता और युवा नवप्रवर्तकों द्वारा संबोधित की जा रही ज्वलंत समस्याओं को दर्शाते हैं।

व्यापार एवं उद्योग के लिए छत्तीसगढ़ में बना है अनुकूल माहौल : मुख्यमंत्री साय

साय नेशनल ट्रेड एक्सपो 2026 के समापन समारोह में हुए शामिल

एजेंसी (हि.स.)
रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय राजधानी रायपुर स्थित बीटीआई मैदान में कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) द्वारा आयोजित नेशनल ट्रेड एक्सपो 2026 के समापन समारोह में मंगलवार की देर शाम शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में कृषि के साथ-साथ व्यापार एवं उद्योग के लिए भी अनुकूल वातावरण बना है, जिसका परिणाम है कि व्यापारी और उद्योग जगत के प्रतिनिधि राज्य में निवेश के लिए आगे आ रहे हैं।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि वित्त मंत्री ओपी चौधरी द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 का एक लाख 72 हजार करोड़ रुपये का बजट प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का यह तीसरा वर्ष चल रहा है और दो वर्ष पूरे हो चुके हैं। पहले वर्ष प्रस्तुत बजट का थीम ज्ञान था, जिसमें जी का अर्थ गरीब, वाय का अर्थ युवा, ए का अर्थ अन्नदाता किसान और एन का अर्थ नारी था तथा इन सभी वर्गों के विकास पर विशेष फोकस किया गया था। दूसरे वर्ष उसी विकास को गति देने के उद्देश्य से बजट का थीम गति रखा गया, जबकि इस वर्ष का बजट थीम संकल्प है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि यह बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंत्र सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास की भावना को आत्मसात करते हुए तैयार किया गया है और पूरे प्रदेश के हित में है। उन्होंने बताया कि इस बजट में विशेष फोकस बस्तर और सरगुजा क्षेत्र पर किया गया है। उन्होंने कहा कि बस्तर क्षेत्र केरल राज्य से भी बड़ा क्षेत्र है और प्राकृतिक रूप से अत्यंत सुंदर है, जिसे धरती का

फोटो: हि.स.

स्वर्ग कहा जा सकता है, लेकिन चार दशक से अधिक समय तक नक्सलवाद के कारण यह क्षेत्र विकास से अछूता रहा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व तथा हमारे वीर जवानों के अदम्य साहस के कारण नक्सलवाद अब अंतिम सांसें ले रहा है और छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश से 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद समाप्त करने का संकल्प लिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले छत्तीसगढ़ में बड़ी संख्या में नक्सली सक्रिय थे, लेकिन विगत दो वर्षों में हमारे जवानों ने जिस तरह से नक्सलवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ी है, उसमें कई बड़े माओवादी मारे गए हैं तथा बड़ी संख्या में नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। इससे राज्य अपने लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि माओवाद के कारण इन क्षेत्रों में समुचित विकास नहीं हो पाया था, जिसकी भरपाई के लिए अब सरकार इन क्षेत्रों के विकास पर विशेष फोकस कर रही है। मुख्यमंत्री साय ने बताया कि सरकार ने अबूझमाड़ और जगरगुंडा जैसे क्षेत्रों में एजुकेशन सिटी के लिए बजट में प्रावधान किया है। साथ ही क्षेत्र में कृषि को बढ़ावा देने और फॉरेस्ट प्रोड्यूस के वैल्यू एडिशन पर भी कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बस्तर और सरगुजा दोनों संभागों में सैकड़ों प्रकार के वन उत्पाद उपलब्ध हैं, जिनका मूल्य संवर्धन कर स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह बजट पूरे छत्तीसगढ़ के विकास के लिए है और प्रदेश प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध है। राज्य का लगभग 44 प्रतिशत क्षेत्र वनाच्छादित है। उन्होंने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत 7 करोड़ पेड़ लगाए गए हैं तथा उद्योग नीति के तहत काटे जाने वाले पेड़ों की भरपाई भी बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण से की जा रही है।

ट्रंप ने पहले साल की गिनाईं उपलब्धियां कहा- यह अमेरिका का स्वर्णकाल

एजेंसी (हि.स.)
वाशिंगटन

फोटो: हि.स.

अमेरिका में मध्यावधि चुनाव से ठीक पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार रात स्टेट ऑफ द यूनियन को संबोधित किया। ट्रंप ने इस दौरान अपने एक साल के शासन की उपलब्धियां गिनाईं। भावी नीतियां और योजनाओं को साझा किया। उन्होंने कहा, "यह देश का स्वर्णकाल है। अब से पहले इतना बेहतर कभी नहीं हुआ।" राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अमेरिका की स्वतंत्रता को 250 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। दुनिया में कोई भी देश अमेरिका जैसा नहीं है। सीमाएं सुरक्षित की गई हैं। घुसपैठ पर रोक लगी है। इस दौरान डेमोक्रेट सांसदों ने ट्रंप के भाषण के विरोध में सदन से वॉकआउट किया। इसके जवाब में रिपब्लिकन सांसदों ने नारेबाजी की।

सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल का पहला आधिकारिक स्टेट ऑफ द यूनियन संबोधन अमेरिकी कैपिटल के हाउस चैंबर में किया। राष्ट्रपति ने कहा कि अमेरिका में अपराध घटा है। साल में पूरा देश बदल गया है। इससे पहले ऐसा किसी ने नहीं किया है। महंगाई पर अंकुश लगा है। लोगों की आय बढ़ने के साथ अर्थव्यवस्था की मजबूत हो रही है। दुश्मन घबराए हुए हैं। उन्होंने दावा किया कि पिछले नौ महीने में एक भी अवैध घुसपैठ की घटना नहीं हुई है।

ट्रंप ने कहा कि अमेरिका में खतरनाक फेंटानिल ड्रग की आमद में 56 प्रतिशत की कमी आई है। देश में हत्या दर में भी ऐतिहासिक कमी आई है और यह 125 साल में सबसे कम है। राष्ट्रपति ने कहा, बाइडन सरकार ने हमें खराब अर्थव्यवस्था दी थी, लेकिन हमने महंगाई को कम किया और पिछले पांच साल मे यह सबसे कम है। गैसोलीन की कीमतों में भी भारी कमी आई है और कई राज्यों में यह 2.30 डॉलर से भी कम है। मोर्गेज रेट भी बेहद कम है। राष्ट्रपति ने भाषण की शुरूआत में कहा, आज रात सिर्फ एक साल बाद मैं पूरे सम्मान और गर्व के साथ कह सकता हूं कि हमने ऐसा बदलाव किया है जैसा पहले कभी किसी ने नहीं देखा, और यह एक ऐसा बदलाव है जो सदियों के लिए है। हम कभी भी उस जगह वापस नहीं जाएंगे जहां हम कुछ समय पहले थे।

पाकिस्तान में पुलिस वैन पर हमला, डीएसपी समेत तीन पुलिस कर्मचारियों की मौत

फोटो: हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
इस्लामाबाद

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कोहाट जिले में संदिग्ध आतंकियों ने पुलिस वैन फायरिंग की। इस हमले में लाची तहसील के पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) असद महमूद समेत तीन पुलिसकर्मियों की जान चली गई। हमले में चार अन्य लोग घायल हो गए। पाकिस्तान रेडियो के अनुसार, यह घटना कोहाट जिले के शकरदरा इलाके में 24 फरवरी को हुई। कोहाट पुलिस के अनुसार, घायलों को कोहाट के जिला अस्पताल में शिफ्ट किया गया है। पुलिस ने आतंकवादियों को पकड़ने के लिए इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू किया है।

राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने इस घटना की कड़ी निंदा की है। उन्होंने शहीद हुए डीएसपी असद महमूद और दूसरे अधिकारियों को श्रद्धांजलि दी। जरदारी ने शहीद अधिकारियों के परिवारों के प्रति संवेदना जताई। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की है। खैबर पख्तूनख्वा के राज्यपाल फैसल करीम कुंदी और मुख्यमंत्री मोहम्मद सोहेल अफरीदी ने कोहाट में पुलिस पर हुए हमले की कड़ी निंदा की है।

घर में सेंध लगाकर लाखों के गहने लूटे

हुगली। हुगली जिले के चुचूड़ा थाना अंतर्गत कोदालिया-(दो) ग्राम पंचायत के 120 नंबर बूथ इलाके में मंगलवार अपराह्न दिनदहाड़े चोरी की घटना सामने आई है। बैंक के काम से बाहर गए एक दंपती के घर में चार घंटे के भीतर चोरों ने सेंध लगाकर सोना-चांदी के आभूषण चुरा लिए। घर के मालिक पार्थ चौधुरी ने बताया कि वह और उनकी पत्नी मंगलवार दोपहर बैंक के एक काम से घर से बाहर गए थे। शाम को लौटने पर उन्होंने देखा कि बाहर का मुख्य लोहे का गेट, जिसे वे ताला लगाकर गए थे, वैसा ही बंद था। लेकिन अंदर प्रवेश करने पर पाया कि घर का अंदरूनी दरवाजा खुला हुआ है और बेडरूम का कुंडा टूटा हुआ है। बेडरूम में अलमारी खुली मिली और कागजात, फाइलें व पत्र इधर-उधर बिखरे पड़े थे। पार्थ के अनुसार, रोज की तरह अलमारी की चाबी बिस्तर के गद्दे के नीचे रखी थी, जिसे निकालकर चोरों ने अलमारी खोलकर सोना-चांदी के आभूषण चुरा लिए। चोरी गए आभूषणों की अनुमानित कीमत करीब दो से ढाई लाख रुपये बताई जा रही है। पीड़ित परिवार ने इलाके की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरों की कोई व्यवस्था नहीं है और पुलिस गश्त भी नियमित रूप से नहीं होती। कुछ महीने पहले पास के एक घर में रात के समय डकैती की घटना भी हुई थी।

चौसा में जयमाल समारोह में कथित प्रेमी ने दुल्हन को मारी गोली, इलाजरत

एजेंसी (हि.स.)
बक्सर

बिहार में बक्सर जिले के मुफस्सिल थाना अंतर्गत चौसा मल्लाह टोली में मंगलवार की देर रात दरवाजे पर बारात तथा स्टेज पर दुल्हा-दुल्हन का जयमाल समारोह चल रहा था। अचानक गोली की आवाज हुयी और माहौल चीख-पुकार में बदल गयी। पता चला कि दुल्हन को उसके कथित प्रेमी ने गोली मार दी। घटना के बाद शादी समारोह में अफरा-तफरी मच गई।

पुलिस के अनुसार उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के सुलेमनपुर से बारात चौसा आई थी। जयमाल की रस्म चल रही थी और दूल्हा-दुल्हन स्टेज पर मौजूद थे। इसी दौरान मुंह बांधे एक युवक अचानक मंच पर चढ़ गया और दुल्हन आरती कुमारी (18 वर्ष), पिता नंद जी मल्लाह, को निशाना बनाते हुए गोली चला दी। गोली लगते ही दुल्हन

फोटो: हि.स.

मंच पर ही गिर पड़ी।

घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी युवक मौके से फरार हो गया। घायल दुल्हन को तुरंत सदर अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत गंभीर देखते हुए बेहतर इलाज के लिए वाराणसी रेफर कर दिया गया। घायल दुल्हन ने पुलिस को बताया कि गोली चलाने वाला युवक पड़ोस का दीनबंधु मल्लाह है। परिजनों का कहना है कि आरोपी युवक एकतरफा प्रेम करता था और पहले भी शादी का विरोध जता चुका था।

मौके पर पहुंची मुफस्सिल थाना पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। अपर थानाध्यक्ष चंदन कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला प्रेम-प्रसंग से जुड़ा प्रतीत होता है। फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

संक्षिप्त-समाचार

काठमांडू से चीन जा रही स्विस महिला से विदेशी मुद्रा बरामद, गिरफ्तार

काठमांडू। नेपाल पुलिस ने त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय विमानस्थल से चीन जा रही स्विस महिला कुन्चोक खण्ड्रो से भारी मात्रा में अवैध विदेशी मुद्रा बरामद की है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। विमानस्थल सुरक्षा प्रमुख एसएसपी सोमेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि गिरफ्तार की गई महिला के पास से 10 हजार 500 अमेरिकी डॉलर, 26 हजार 700 यूरो, 7 हजार 400 चीनी युआन तथा 43 हजार स्वीडिश मुद्रा बरामद की गई है। एसएसपी राठौड़ ने बताया कि सिचुवान एयरलाइन्स की उड़ान से चीन जाने के क्रम में त्रिभुवन विमानस्थल सुरक्षा कार्यालय की टीम ने उसे गिरफ्तार किया। आवश्यक जांच और कार्रवाई के लिए गिरफ्तार महिला को राजस्व अनुसंधान विभाग, हरिहरभवन पुल्चोक भेजा गया है।

सिहोरा मंदिर मस्जिद विवाद के जेल में बंद आरोपित की तबीयत बिगड़ी, जबलपुर रेफर

जबलपुर। मध्य प्रदेश के सिहोरा में बीते गुरुवार को मंदिर-मस्जिद विवाद के बाद हुए पथराव मामले में हिरासत में लेकर जेल भेजे गए मन्दिर समिति के प्रमुख आरोपित बनवारी की तबियत मंगलवार की रात्रि अचानक बिगड़ गई। बंदी की हालत गंभीर होने पर जेल प्रशासन द्वारा तत्काल प्राथमिक उपचार कराया गया, लेकिन स्थिति में सुधार न होने पर उसे बेहतर इलाज के लिए जबलपुर रेफर कर दिया गया। जेल प्रशासन का कहना है कि आरोपित की तबीयत बिगड़ने की सूचना उसके परिजनों को दे दी गई है और पूरे मामले की जानकारी न्यायालय को भी भेजी जा रही है। उधर, दंगा मामले की जांच जारी है और पुलिस अन्य आरोपितों से पूछताछ कर घटनाक्रम की कड़ियों को जोड़ने में लगी है। प्रशासन ने क्षेत्र में शांति बनाए रखने की अपील की है।

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की फिल्म यादव जी की लव स्टोरी पर प्रतिबंध लगाने संबंधी याचिका

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने फिल्म यादव जी की लव स्टोरी पर प्रतिबंध लगाने की मांग करने वाली याचिका खारिज कर दी। जस्टिस बीवी नागरत्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने याचिका खारिज करने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि हमारा ये आदेश घुसखोर पंडत पर दिए गए आदेश से अलग है। घुसखोर का अंग्रेजी में मतलब उङ्ग११४स्न३ यानी भ्रष्ट होता है। ये नकारात्मक है जो एक समुदाय के साथ जोड़ा गया। लेकिन इस मामले में यादव समुदाय के साथ नकारात्मकता नहीं है। कोर्ट ने पूछा कि अगर कोई हिन्दू लड़की मुस्लिम लड़के से शादी करे को क्या इससे राष्ट्रीय ताने-बाने को नुकसान पहुंचेगा। याचिका विश्व यादव परिषद के प्रमुख ने दायर की थी। याचिका में कहा गया था कि फिल्म के टाइटल के जरिये यादव समुदाय को टारगेट किया गया है। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि इस फिल्म के बारे में कहा जा रहा है कि ये सत्य घटना पर आधारित है। तब कोर्ट ने कहा कि बैंडिट क्वीन फिल्म के बारे में कहा गया कि गुर्जर समुदाय के बारे में नकारात्मकता है। लेकिन उस फिल्म को लेकर उच्चतम न्यायालय ने इस दावे को नकार दिया था।

अगले दो दिन में पर्वतीय क्षेत्रों में हल्की बारिश-बर्फबारी के आसार

देहरादून। उत्तराखंड के अधिकांश हिस्सों में अगले 24 से 48 घंटों के दौरान मैदानी क्षेत्रों में मौसम शुष्क रहेगा, जबकि उत्तरकाशी, चमोली और पिथौरागढ़ के उच्च हिमालयी इलाकों में मौसम करवट ले सकता है। ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की वर्षा एवं बर्फबारी की संभावना जताई गई है। राज्य मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार उत्तरकाशी,चमोली और पिथौरागढ़ के उच्च हिमालयी क्षेत्रों में मौसम का मिजाज बदल सकता है। कहीं-कहीं हल्की बारिश और ऊंची चोटियों पर बर्फबारी की संभावना है। वहीं मैदानी जनपद हरिद्वार और उधमसिंह नगर में मौसम शुष्क रहने के आसार हैं। राजधानी देहरादून में बुधवार की सुबह हल्की ठंडक रही और दिन चढ़ने के साथ धूप निकलने से तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई। अधिकतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस के आसपास और न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। फिलहाल किसी बड़े मौसमीय बदलाव या चेतावनी की स्थिति नहीं है, लेकिन स्थानीय स्तर पर बादलों की आवाजाही बनी रह सकती है। मौसम विभाग ने पर्वतीय मार्गों पर यात्रा करने वाले लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी है। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र के निदेशक डॉ. बिक्रम सिंह ने कहा है कि प्रदेश में फिलहाल मौसम सामान्य बना हुआ है, हालांकि पर्वतीय क्षेत्रों में आंशिक बादल छाए रहने और ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की वर्षा या बर्फबारी की संभावना है। सुबह और शाम के समय तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है, जिससे ठंड का असर बना हुआ है। उन्होंने लोगों, विशेषकर पर्वतीय मार्गों पर यात्रा करने वालों, से सावधानी बरतने की अपील की है।

नेपाल में मतदान से 72 घंटे पहले भारत और चीन से लगी सीमा बंद करने का फैसला

काठमांडू। नेपाल में संसदीय चुनावों को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से भारत और चीन से लगी सीमा को तीन दिनों के लिए पूर्णतः बंद रखने का निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री सुशीला कार्की की अध्यक्षता में आज सिंहदरबार में हुई सुरक्षा परिषद की बैठक में 2 मार्च को रात 12 बजे से लेकर 5 मार्च को शाम 7 बजे तक भारत और चीन से जुडी सभी सीमाओं को सील करने का निर्णय लिया गया है। बैठक में प्रधानमंत्री कार्की के अलावा गृहमंत्री सहित सभी सुरक्षा बल के प्रमुखों की उपस्थिति रही। यह कदम अवांछित गतिविधियों, अवैध आवागमन, धन तथा आपत्तिजनक सामग्रियों की तस्करी पर रोक लगाने के लिए उठाया गया है। गृहमंत्री ओमप्रकाश अर्याल ने बुधवार को बताया कि सीमा सील रहने की अवधि में आम नागरिकों की आवाजाही, छोटे व्यापारिक आवागमन तथा निजी वाहनों का प्रवेश-निकास प्रतिबंधित रहेगा। हालांकि, अत्यावश्यक सेवाओं जैसे एंबुलेंस, कूटनीतिक मिशन, और विशेष अनुमति प्राप्त आपातकालीन मामलों में आवश्यक समन्वय के बाद अनुमति दी जा सकती है। निर्वाचन सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए नेपाली सेना, सशस्त्र पुलिस बल, नेपाल पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों को सीमा क्षेत्रों में अतिरिक्त रूप से तैनात किया गया है। सुरक्षा निगरानी बढ़ाने के साथ-साथ संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष चेकिंग अभियान भी चलाया जाएगा।

न्यायपालिका को बदनाम करने की इजाजत किसी को भी नहीं देंगे : सीजेआई

- एनसीईआरटी की कक्षा 8 की नई किताब को लेकर लगाई फटकार, किताब में 'ज्यूडिशियरी में करप्शन' का दावा किया गया है

फोटो: हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने कहा है कि चाहे कोई भी हो, हम किसी को भी न्यायपालिका को बदनाम करने की इजाजत नहीं देंगे। मुख्य न्यायाधीश ने राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की कक्षा 8 की किताब में 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' से जुड़े अध्याय पर गंभीर आपत्ति जताई है और इस मामले का स्वतः संज्ञान लिया है। उन्होंने कहा कि धरती पर किसी को भी न्यायपालिका को बदनाम करने की अनुमति नहीं देंगे। न्यायालय में बुधवार को वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी ने सीजेआई की अध्यक्षता वाली बेंच से कहा कि एनसीईआरटी की कक्षा 8 में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार का एक अध्याय दिया गया है। ये काफी चिंता की बात है। उन्होंने कहा कि हम बार यानी वकीलों की ओर से आए हैं। तब मुख्य न्यायाधीशने बताया कि कोर्ट ने इस पर संज्ञान ले लिया है। मुख्य न्यायाधीशने कहा कि संस्था के प्रमुख होने के नाते मैंने अपना कर्तव्य निभाया है। उच्च न्यायालय के जज भी इससे काफी परेशान हैं। जज और वकील सब परेशान हैं। लगता है कि ये एक सोची समझी रणनीति के तहत किया गया है। इस पर मैं ज्यादा कुछ नहीं कहूंगा लेकिन किसी को भी न्यायपालिका को बदनाम करने की अनुमति नहीं दी जा सकती है।

छत्तीसगढ़ में नक्सली संगठन को झटका, डीवीसीएम मल्लेश का कांकेर में आत्मसमर्पण

रायपुर। छत्तीसगढ़ के उत्तर बस्तर के इलाके में सक्रिय रहे नक्सल संगठन को बड़ा झटका लगा है। बीती रात कांकेर जिले के घोर नक्सल प्रभावित छोटेबेठिया इलाके के बीएसएफ कैंप में नक्सल संगठन डिवीजनल कमेटी मेंबर (डीवीसीएम) मल्लेश ने एके - 47 असॉल्ट राइफल के साथ आत्मसमर्पण कर दिया। कांकेर पुलिस और बीएसएफ अधिकारियों ने आज इसकी पुष्टि की। अधिकारियों ने कहा कि मल्लेश को शासन की नीति के तहत आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद पुनर्वास योजना का लाभ दिया जाएगा। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि इस आत्मसमर्पण से क्षेत्र में नक्सली गतिविधियों को बड़ा झटका लगेगा। मल्लेश नक्सल संगठन में लंबे समय से विशेष भूमिका निभाता रहा था। वह दंडकारण्य क्षेत्र में सक्रिय था। पुलिस और जवानों की टुकड़ी लगातार मल्लेश की तलाश में थी।

सूरत में एक ही परिवार के तीन सदस्यों ने की आत्महत्या, एक बेटी बचाई गई

फोटो: हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
सूरत

सूरत के पॉश वेसु क्षेत्र स्थित 'हैप्पी एलिगेंस' अपार्टमेंट में बुधवार सुबह एक ही परिवार के चार सदस्यों द्वारा सामूहिक आत्महत्या का मामला सामने आया। घटना में पति, पत्नी और एक नाबालिग बेटी की मौत हो गई, जबकि दूसरी बेटी को बचा लिया गया है और उसका उपचार जारी है। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान बिहार मूल के बालमुकुंद के रूप में हुई है, जो पिछले दो वर्षों से सूरत में रहकर घर से शेयर बाजार का काम कर रहा था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि परिवार ने कथित रूप से जहरीला पदार्थ का सेवन किया।

घटनास्थल से तीन पन्नों का सुसाइड नोट बरामद हुआ है। इसमें आत्महत्या के पीछे आर्थिक और मानसिक दबाव का उल्लेख किया गया है। सुसाइड नोट में वैभव रूंगटा नामक व्यक्ति पर बालमुकुंद की कार और क्रेडिट कार्ड हड़पने तथा कार्ड का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया गया है। पुलिस ने इस संबंध में आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है।

हावड़ा में रियल एस्टेट कारोबारी की गोली मारकर हत्या, वारदात सीसीटीवी में कैद

फोटो: हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
कोलकाता

पश्चिम बंगाल के हावड़ा में बुधवार तड़के एक रियल एस्टेट कारोबारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने बताया कि घटना सुबह लगभग चार बजकर दस मिनट पर पिलखाना इलाके की सेकेंड बाय लेन स्थित एक चाय की दुकान के पास हुई।

घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई है। हालांकि उपलब्ध दृश्य की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। कथित दृश्य में हमलावरों द्वारा सिर और सीने में गोली मारे जाने के बाद युवक को गिरते हुए देखा गया है। मृतक की पहचान शफीक खान (27) के रूप में हुई है। उसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में आशंका है कि यह हत्या लंबे समय से चली आ रही आपसी रंजिश का परिणाम हो सकती है। वहीं, खान के परिजनों ने आरोप लगाया है कि आरोपितों ने उससे बड़ी रकम की मांग की थी। स्थानीय लोगों का दावा है कि करीब दो महीने पहले भी इसी इलाके में गोलीबारी की एक घटना हुई थी, हालांकि उस समय कोई हताहत नहीं हुआ था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बदलाव | 27 फरवरी को आएंगे तीसरी तिमाही के आंकड़े

जीडीपी माप का तरीका बदलेगा

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

चालू वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़े 27 फरवरी को जारी किए जाएंगे। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय अब नई सीरीज के आधार पर जीडीपी का आंकड़े जारी करेगा।

आधिकारिक सूत्रों ने आज बताया कि केंद्र सरकार 27 फरवरी से जीडीपी गणना का नया तरीका लागू कर रही है। केंद्र सरकार ने बेस ईयर 2011-12 से बदलकर 2022-23 कर दिया है, जिसके तहत जीडीपी के आंकड़े जारी होंगे। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा महंगाई के बाद जीडीपी आंकड़े के लिए बेस ईयर 2022-23 होगा, जिसमें सटीकता के लिए 'डबल डिफ्लेशन' और 500-600 आइटम्स

फोटो: हि.स.

का इस्तेमाल होगा।

इसके अलावा सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जीडीपी के दूसरे अग्रिम अनुमान 27 फरवरी को जारी कर सकता है। इनमें नए आंकड़े और संशोधन शामिल होंगे। इसलिए पहले और दूसरी तिमाही के सभी पुराने आंकड़े भी नए आधार वर्ष 2022-23 के अनुसार बदल सकते हैं।

उल्लेखनीय है कि पिछले महीने राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के पहले अग्रिम अनुमान के अनुसार चालू वित्त वर्ष 2025-26 में वास्तविक जीडीपी में 7.4 फीसदी की वृद्धि दर रहने का अनुमान जताया गया है, जबकि पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में में जीडीपी वृद्धि दर 6.5 फीसदी थी। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने मंगलवार को जारी अपनी ताजा रिपोर्ट में चालू वित्त वर्ष 2026-27 की तीसरी तिमाही में देश की वास्तविक जीडीपी ग्रोथ 8.1 फीसदी के करीब रहने का अनुमान जताया है।

हरे निशान पर खुला शेयर बाजार, सेंसेक्स 505 अंक चढ़ा, निफ्टी 25,500 के पार

नई दिल्ली। हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को शेयर बाजार हरे निशान पर खुला। बाजार के दोनों प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी का कायम है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 504.90 अंक यानी 0.61 फीसदी की उछाल के साथ 82,730.82 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 155.20 अंक यानी 0.61 फीसदी की बढ़त के साथ 25,579.85 के स्तर पर ट्रेंड कर रहा है। शेयर बाजार में आज शुरूआती कारोबार में टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टीसीएस, इंफोसिस और एनटीपीसी जैसे शेयरों ने इंडेक्स निफ्टी में बढ़त दर्ज की है। वहीं, आयशर मोटर्स, मारुति सुजुकी, डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और कोल इंडिया के शेयरों में गिरावट देखी गई। उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले मंगलवार को सेंसेक्स 1,068.74 अंक यानी 1.28 फीसदी टूटकर 82,225.92 अंक पर बंद हुआ।

टी-20 विश्व कप: आज जिम्बाब्वे से भारत की भिड़ंत

घर में 'बेघर' भारतीय टीम, सेमीफाइनल में पहुंचना आसान नहीं

एजेंसी (हि.स.)

दिल्ली

अबकी बार 300 पार के शोरगुल के बीच टी-20 विश्व कप खेलने उतरी भारतीय टीम सुपर-8 चरण की शुरूआत में ही अगर-मगर की डगर में फंस गई है। जो टीम इस विश्व कप से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में 7 विकेट पर 238, तीन विकेट पर 209 और पांच विकेट पर 271 रनों जैसे विशालकाय स्कोर बना रही थी, उसकी बल्लेबाजी अहमदाबाद में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ऐसी ढही कि अब घर में ही सेमीफाइनल में पहुंचने के लाले पड़ गए हैं। इस समय भारतीय प्रशंसकों की स्थिति 'काटो तो खून नहीं' जैसी है। भारतीय प्रशंसकों को उम्मीद थी कि दुनिया की नंबर वन टीम को घरेलू परिस्थितियों का फायदा मिलेगा लेकिन अब तक पांच में से चार मैच भारत में खेलने के बावजूद सूर्यकुमार यादव की टीम घर में बेघर जैसा महसूस कर रही है। टीम इंडिया का अगला मैच गुरुवार को चेपक स्टेडियम में जिंबाब्वे के विरुद्ध खेलना है जिसमें सूर्यकुमार यादव को सिर्फ जीत नहीं बल्कि बड़ी जीत चाहिए क्योंकि इसके बाद भारत की भिड़ंत वेस्टइंडीज के साथ है। जिस लय में वेस्टइंडीज है, उनके विरुद्ध बहुत बड़ी जीत हासिल करना मुश्किल होगा। सुपर-8 के पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका ने भारत को 76 रनों से हराया था, जिससे भारत का नेट रन रेट -3.800 हो गया है।

टी-20 विश्व कप में गत विजेता भारत ने चारों ग्रुप मैच जीतकर सुपर-8 में प्रवेश जरूर किया लेकिन अब तक हुए पांचों मैचों में उसके बल्लेबाज संघर्ष करते नजर आए। सुपर-8 के पहले मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अहमदाबाद में तो ऐसा लगा जैसे सुनामी आ गई हो। अब इसके बाद भारत को सुपर-8 के अपने दोनों मैचों को बड़े अंतर से जीतना जरूरी है। इसके साथ ही सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए उसे बाकी टीमों के रिजल्ट पर भी निर्भर रहना होगा।

भारतीय टीम जब देश में टी-20 क्रिकेट खेलती है तो अमूमन उसके बल्लेबाजों को पाटा पिचों पर संघर्ष नहीं करना पड़ता। विश्व कप से पहले न्यूजीलैंड के विरुद्ध पांच मैचों की सीरीज में 4-1 से मिली जीत में यह

साफ-साफ दिखा। लेकिन वह बीसीसीआइ का टूर्नामेंट था और टी-20 विश्व कप आइसीसी का टूर्नामेंट है। भले ही इस टी-20 विश्व कप में भारत ने अब तक अपने पांच में से चार मैच भारत में खेले हों लेकिन उसकी पिचें न्यूजीलैंड सीरीज से बिलकुल भिन्न थीं। भारतीय टीम जिन पिचों पर घरेलू द्विपक्षीय टी-20 मैच खेलती है वे शुरू में सपाट होती हैं और ओस पड़ने के बाद बल्लेबाजी के लिए बेहतर होती जाती हैं। यानी लक्ष्य का पीछा करना आसान हो जाता है। इसके बावजूद दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध भारतीय टीम फ्लॉप हो गईं। भारतीय बल्लेबाज आफ स्पिनरों के सामने डरे-डरे नजर आ रहे हैं। चेन्नई और कोलकाता में भारतीय बल्लेबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। भारत के रहस्यमयी स्पिनर वरुण चक्रवर्ती का पिछले मैच में बुरी तरह मार खाना भी भारत के लिए चिंता का विषय है। दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज उनके विरुद्ध एक योजना के साथ आए थे और उन्होंने वरुण के चार ओवर में 47 रन ठोक डाले। न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछले पांच मैचों में उन्होंने 20 ओवर में 208 रन दिए। एसोसिएट देशों को चक्रवर्ती को के विरुद्ध अनुभव नहीं है, लेकिन शीर्ष टीमें उन्हें अब ऑफ स्पिनर की तरह खेल रही हैं, जो दाएं हाथ के बल्लेबाज के अंदर गेंद लाता है। अगर पिच पर गेंद पकड़ नहीं बना रही, जैसा उस दिन हुआ तो बाएं और दाएं दोनों हाथ के बल्लेबाजों के लिए खेलना आसान हो जाता है और मिस्ट्री कम हो जाती है। ग्रुप-1 में दक्षिण अफ्रीका ने भारत को 76 रनों से हराया था, जिससे भारत का नेट रन रेट -3.800 हो गया है। दक्षिण अफ्रीका का नेट रन रेट 3.800 है, जबकि 107 रनों की बड़ी जीत के बाद वेस्टइंडीज का नेट रन रेट 5.350 हो गया है ' अगर भारतीय टीम जिंबाब्वे और वेस्टइंडीज को हरा दे तो उसके चार अंक हो जाएंगे। इसके साथ ही दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज और जिंबाब्वे को हरा दे तो उसके छह अंक हो जाएंगे। तब कैरेबियाई टीम के दो व जिंबाब्वे के शून्य अंक ही रहेंगे। ऐसे में भारत के अलावा दक्षिण अफ्रीका ग्रुप-1 से सेमीफाइनल में क्वालीफाई कर जाएंगे ' अगर वेस्टइंडीज ने दक्षिण अफ्रीका को और दक्षिण अफ्रीका ने जिंबाब्वे को हरा दिया तो उनके चार-चार अंक रहेंगे लेकिन उनका रन रेट काफी अच्छा है।

भारत को तब जिंबाब्वे और वेस्टइंडीज पर 80-100 रनों से अधिक के अंतर से जीत दर्ज करनी होगी। इस स्थिति में भारत, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज के चार-चार अंक हो जाएंगे। अच्छे रन रेट वाली दो टीमें अंतिम-4 में जाएंगी'

ऑस्ट्रेलिया-बांग्लादेश टेस्ट सीरीज 2026: डार्विन और मैके में होंगे मुकाबले

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

फोटो: हि.स.

टेस्ट श्रृंखला 2026 का कार्यक्रम

पहला टेस्ट: 13-17 अगस्त 2026, मारारा स्टेडियम, डार्विन

दूसरा टेस्ट: 22-26 अगस्त 2026, ग्रेट बैरियर रीफ एरिना, मैके

ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट बोर्ड ने बुधवार को अगस्त 2026 में बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली घरेलू टेस्ट श्रृंखला के कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। यह दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला होगी, जो वर्ष 2003 के बाद पहली बार बांग्लादेश टीम का ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट दौरा होगा। इस बार क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने पारंपरिक टेस्ट केंद्रों से हटकर मुकाबलों के लिए नए स्थानों का चयन किया है। पहला टेस्ट क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया द्वारा मारारा स्टेडियम, डार्विन में आयोजित किया जाएगा, जबकि दूसरा टेस्ट ग्रेट बैरियर रीफ एरिना, मैके में खेला जाएगा।

डार्विन को वर्ष 2004 के बाद पहली बार टेस्ट मैच की मेजबानी का अवसर मिलेगा। इससे पहले 2003 में डार्विन में खेले गए पहले टेस्ट में बांग्लादेश भी शामिल था। वहीं मैके स्थित ग्रेट बैरियर रीफ एरिना पहली बार किसी पुरुष टेस्ट मैच की मेजबानी करेगा। अब तक इस मैदान पर पुरुष वर्ग के केवल तीन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले गए हैं– 1992 में भारत और श्रीलंका के बीच एक मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था, जबकि पिछले वर्ष ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच दो मुकाबले आयोजित हुए थे। इसके अलावा यहां तीन महिला एकदिवसीय और दो महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के साथ कई 'ए' श्रेणी के मुकाबले भी खेले जा चुके हैं।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी टॉड ग्रीनबर्ग ने कहा, हम उत्तरी ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट क्रिकेट लेकर आने को लेकर उत्साहित हैं और बांग्लादेश के खिलाफ शानदार श्रृंखला की उम्मीद कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर काफी व्यस्त है, ऐसे में अगस्त में विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध होना हमारे लिए सौभाग्य की बात है, जिससे हमें गर्मियों के बाहर भी टेस्ट क्रिकेट के लिए एक अतिरिक्त अवसर मिल रहा है।

ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच अब तक कुल तीन टेस्ट श्रृंखलाएं खेली गई हैं। दोनों टीमों के बीच खेले गए छह टेस्ट मैचों में से ऑस्ट्रेलिया ने पांच में जीत दर्ज की है। बांग्लादेश को एकमात्र जीत वर्ष 2017 में मीरपुर में मिली थी।

यौन उत्पीड़न के आरोपों से हिली इटली की क्रिकेट, महिला समन्वयक निलंबित

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

फोटो: हि.स.

टी-20 विश्व कप में ऐतिहासिक पदार्पण के कुछ ही दिनों बाद इटली क्रिकेट में उस समय बड़ा विवाद खड़ा हो गया, जब महिला टीम की एक खिलाड़ी ने महिला क्रिकेट समन्वयक प्रभात एकनेलिगोड़ा पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए। इन आरोपों के बाद इटली क्रिकेट बोर्ड फेडेराज़ियोने क्रिकेट इटालियाना (एफसीआरआई) ने प्रभात एकनेलिगोड़ा को निलंबित कर दिया है। एफसीआरआई द्वारा मंगलवार को जारी आधिकारिक बयान में कहा गया है कि इन आरोपों की जांच संघीय अभियोजक कार्यालय द्वारा की जा रही है। बयान के अनुसार, वर्ष 2025 के दौरान महासंघ की अध्यक्ष ने अपने संस्थागत दायित्वों के तहत संबंधित अधिकारी को सभी संघीय जिम्मेदारियों और गतिविधियों से तत्काल प्रभाव से एहतियातन निलंबित करने का आदेश दिया। बयान में कहा गया, यह निर्णय परिस्थितियों की विस्तृत और अंतिम समीक्षा तक एहतियाती कदम के रूप में लिया गया है। इसका उद्देश्य किसी भी प्रकार की अटकलों को रोकना, खेल वातावरण की गरिमा बनाए रखना और यह सुनिश्चित करना है कि तथ्यों की जांच उचित मंच पर व्यक्तिगत सम्मान, विधिक प्रक्रिया और निर्दोषता की धारणा के साथ हो। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, प्रभात एकनेलिगोड़ा के वकील ने आरोपों से इनकार करते हुए कहा है कि इन आरोपों के पीछे अन्य उद्देश्य हो सकते हैं। बोर्ड के मीडिया प्रबंधक रकबीर हसन ने पुष्टि की कि टी-20 विश्व कप के दौरान प्रभात एकनेलिगोड़ा, बोर्ड अध्यक्ष मारिया लोरेना हाज पाज के साथ भारत और श्रीलंका की यात्रा पर गए थे, हालांकि उनके पास कोई आधिकारिक जिम्मेदारी नहीं थी।

चैंपियंस लीग: बोडो/ग्लिम्ट ने पहली बार अंतिम-16 में किया प्रवेश

एजेंसी (हि.स.)

मिलान

नॉर्वे के क्लब बोडो/ग्लिम्ट ने मंगलवार को सैन सिरो स्टेडियम में खेले गए प्लेऑफ के दूसरे चरण में पिछले सत्र के उपविजेता इंटर मिलान को 2-1 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। इस जीत के साथ बोडो/ग्लिम्ट ने कुल 5-2 के अंतर से मुकाबला अपने नाम करते हुए पहली बार चैंपियंस लीग के अंतिम-16 चरण में जगह बना ली।

पहले चरण में बोडो में 3-1 की जीत से बढ़त बनाने वाली नॉर्वेजियन टीम ने दूसरे चरण में भी दबदबा बनाए रखा। मैच के 58वें मिनट में येन्स पेट्टर हाउगे ने गोलकीपर द्वारा रोके गए शॉट पर रिबाउंड को गोल में बदलकर टीम को बढ़त दिलाई। इसके 14 मिनट बाद हाकॉन एवजेन ने सटीक दाएं पैर के शॉट से स्कोर 2-0 कर मुकाबला लगभग तय कर दिया।

आर्कटिक सर्कल क्षेत्र से आने वाली इस टीम की इस सत्र में परीकथा जैसी यात्रा रही है। लीग चरण के अंतिम

फोटो: हि.स.

दो मुकाबलों में मैनचेस्टर सिटी और एटलेटिको मैड्रिड पर शानदार जीत दर्ज कर टीम प्लेऑफ में पहुंची थी। इंटर के खिलाफ पहले चरण की जीत के बाद बोडो/ग्लिम्ट ने लगातार तीसरी जीत हासिल की और वही शुरूआती एकादश दूसरे चरण में भी उतारी।

शुरूआत में इंटर का दबदबा

इंटर मिलान ने आक्रामक शुरूआत की। पियो एस्पोसिटो ने शुरूआती मिनटों में हेडर से मौका बनाया, जबकि 15वें मिनट में मार्कस थुराम का कर्व शॉट गोल के करीब से बाहर गया। घरेलू टीम ने पहले हाफ में लगातार दबाव बनाया, लेकिन मध्यांतर तक स्कोर 0-0 रहा।

दूसरे हाफ में भी इंटर ने दबाव बनाए रखा। हैंडबॉल की अपील पर रेफरी ने पेनल्टी नहीं दी और वीडियो सहायक रेफरी ने भी निर्णय बरकरार रखा।

58वें मिनट में ओले डिड्रिक ब्लोमबर्ग ने इंटर के क्षेत्र में ढीली पास पर कब्जा जमाया और गोल की ओर बढ़े। यान सोमर ने उनका शॉट रोक दिया, लेकिन हाउगे ने तेजी दिखाते हुए रिबाउंड को गोल में बदल दिया।

72वें मिनट में एवजेन ने सटीक शॉट लगाकर परिणाम लगभग तय कर दिया। 77वें मिनट में एलेस्सांद्रो बास्तोनी ने इंटर के लिए एक गोल जरूर किया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

इस जीत के साथ बोडो/ग्लिम्ट चैंपियंस लीग के नॉकआउट दौर से आगे बढ़ने वाला पहला नॉर्वेजियन क्लब बन गया और उसने यूरोपीय फुटबॉल में नया इतिहास रच दिया।

जर्मन ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट के मुख्य ड्रा में पहुंची आकर्षी कश्यप

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

फोटो: हि.स.

भारतीय शटलर आकर्षी कश्यप ने मंगलवार को जर्मन ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए मुख्य ड्रॉ में प्रवेश कर लिया। विश्व रैंकिंग में 62वें स्थान पर काबिज आकर्षी कश्यप ने क्वालीफायर मुकाबले में चीनी ताइपे की ली यू-ह्सुआन को 21-10, 21-15 से एकतरफा अंदाज में हराया। मुकाबला पूरी तरह आकर्षी के नियंत्रण में रहा। अब मुख्य ड्रॉ में उनका सामना एक अन्य चीनी ताइपे खिलाड़ी हुआंग यू-ह्सुन से होगा।

इस 2,50,000 अमेरिकी डॉलर की इनामी राशि वाले टूर्नामेंट में भारत के दिग्गज शटलर किदांबी श्रीकांत और विश्व जूनियर चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता तन्वी शर्मा भी भाग ले रहे हैं। मुकाबले की शुरूआत ली यू-ह्सुआन ने सकारात्मक अंदाज में की, लेकिन 4-4 की बराबरी के बाद आकर्षी कश्यप ने लगातार अंक जुटाते हुए 9-4 और फिर 16-8 की बढ़त बना ली। उन्होंने पहला गेम आसानी से अपने नाम किया। दूसरे गेम में ली यू-ह्सुआन ने थोड़ी चुनौती पेश की और 8-14 से पिछड़ने के बाद स्कोर 12-14 तक पहुंचाया, लेकिन आकर्षी कश्यप ने उन्हें वापसी का मौका नहीं दिया और मुकाबला सीधे गेमों में जीतकर मुख्य ड्रॉ में जगह पक्की कर ली।

दर्पण विशेष

आज भी युवाओं में प्रेरणा भर देता है वीर सावरकर का जीवन

स्वतंत्रता सेनानी विनायक दामोदर सावरकर की आज पुण्य तिथि है। 1966 में आज ही के दिन उनका निधन हुआ था। उन्हें वीर सावरकरके नाम से संबोधित किया जाता है। सावरकर क्रान्तिकारी, चिन्तक, लेखक, कवि, ओजस्वी वक्ता और दूरदर्शी राजनेता थे। विनायक सावरकर का जन्म नासिक के निकट भागुर गांव में हुआ था। उनकी माता जी का नाम राधाबाई और पिता जी का नाम दामोदर पन्त सावरकर था। उनका बचपन आर्थिक तंगी में बीता।

सावरकर दुनिया के अकेले स्वातंत्र्य योद्धा थे जिन्हें दो-दो आजीवन कारावास की सजा मिली, सजा को पूरा किया और फिर से राष्ट्र जीवन में सक्रिय हो गए। वे विश्व के ऐसे पहले लेखक थे जिनकी कृति 1857 का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम को दो-दो देशों ने प्रकाशन से पहले ही प्रतिबंधित कर दिया। मैं तुम्हारे दर्शन करने आया हूँ मदन, मुझे तुम पर गर्व है। सावरकर तुम्हें मेरी आँखों में डर की परछाई तो नहीं दिखाई दे रही, बिल्कुल नहीं मुझे तुम्हारे चेहरे पर योगेश्वर कृष्ण का तेज दिखाई दे रहा है, तुमने गीता के स्थितप्रज्ञ को साकार कर दिया है मदन न जाने ऐसे कितने ही जीवन है जो सावरकर से प्रेरणा प्राप्त कर मातृभूमि के लिए हस्ते हस्ते बलिदान हो गए। अपने महापुरुषों का स्मरण व सदैव उनके गुणों को आत्मसात करते हुए आगे बढ़ते रहना, यही भारत की श्रेष्ठ परंपरा है। ऐसे ही अकल्पनीय व अनुकरणीय जीवन को याद करने का दिन है सावरकर पुण्यतिथि।

यहां दीप नहीं जीवन जलते हैं

स्वातंत्र्य विनायक दामोदर सावरकर केवल नाम नहीं, एक प्रेरणा पुंज है जो आज भी देशभक्ति के पथ पर चलने वाले मतवालों के लिए जितने प्रासंगिक हैं उतने ही प्रेरणादायी भी। वीर सावरकर अदम्य साहस, इस मातृभूमि के प्रति निश्छल प्रेम करने वाले व स्वाधीनता के लिए अपने प्राणों को न्यौछावर करने वाला अविस्मरणीय नाम है। इंग्लैंड में भारतीय स्वाधीनता हेतु अथक प्रवास, बंदी होने पर भी अथाह समुद्र में छलांग लगाने का अनोखा साहस, कोल्हू में बैल की भांति जोते जाने पर भी प्रसन्ता, देश के लिए परिवार की भी बाजी लगा देना, पल-प्रतिपल देश की स्वाधीनता का चिंतन व मनन, अपनी लेखनी के माध्यम से आमजन में देशभक्ति के प्राण का संचार करना, ऐसा अदभुत व्यक्तित्व था विनायक सावरकर का। सावरकर ने अपने नजरबंदी समय में अंग्रेजी व मराठी अनेक मौलिक ग्रंथों की रचना की, जिसमें मैजिनी, 1857 स्वातंत्र्य समर, मेरी कारावास कहानी, हिंदुत्व आदि प्रमुख है।

सर्वत्र प्रथम कीर्तिमान रचने वाले सावरकर

सावरकर दुनिया के अकेले स्वातंत्र्य योद्धा थे जिन्हें दो-दो आजीवन कारावास की सजा मिली, सजा को पूरा किया और फिर से राष्ट्र जीवन में सक्रिय हो गए। वे विश्व के ऐसे पहले लेखक थे जिनकी कृति 1857 का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम को दो-दो देशों ने प्रकाशन से पहले ही प्रतिबंधित कर दिया। सावरकर पहले ऐसे भारतीय राजनीतिज्ञ थे जिन्होंने सर्वप्रथम विदेशी वस्त्रों की होली जलाई। वे पहले स्नातक थे जिनकी स्नातक की उपाधि को स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लेने के कारण अंग्रेज सरकार ने वापस ले लिया। वीर सावरकर पहले ऐसे भारतीय विद्यार्थी थे जिन्होंने इंग्लैंड के राजा के प्रति वफादारी की शपथ लेने से मना कर दिया। फलस्वरूप उन्हें वकालत करने से रोक दिया गया। वीर सावरकर ने राष्ट्र ध्वज तिरंगे के बीच में धर्म चक्र लगाने का सुझाव सर्वप्रथम दिया था, जिसे तात्कालिक राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने माना। उन्होंने ही सबसे पहले पूर्ण स्वतंत्रता को भारत के स्वतंत्रता आंदोलन का लक्ष्य घोषित किया। वे ऐसे प्रथम राजनैतिक बंदी थे जिन्हें विदेशी (फ्रांस) भूमि पर बंदी बनाने के कारण हेग के अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में मामला पहुँचा। वे पहले क्रांतिकारी थे जिन्होंने राष्ट्र के सर्वांगीण विकास का चिंतन किया तथा बंदी जीवन समाप्त होते ही जिन्होंने अस्पृश्यता आदि कुरीतियों के विरुद्ध आंदोलन शुरू किया। दुनिया के वे ऐसे पहले कवि थे जिन्होंने अंदमान के एकांत कारावास में जेल की दीवारों पर कील और कोयले से कविताएँ लिखीं और फिर उन्हें याद किया। इस प्रकार याद की हुई दस हजार पंक्तियों को उन्होंने जेल से छूटने के बाद पुनः लिखा।

काल कोठरी के ग्यारह साल व सावरकर

क्या मैं अब अपनी प्यारी मातृभूमि के पुनः दर्शन कर सकूंगा ? 4 जुलाई 1911 में अंदमान के सेलुलर जेल में पहुँचने से पहले सावरकर के मन की व्यथा शायद कुछ ऐसी ही रही होगी। अंदमान की उस काल कोठरी में सावरकर को न जाने कितनी ही शारीरिक यातनाएं सहनी पड़ी होगी, इसको शब्दों में बता पाना असंभव है। अनेक वर्षों तक रस्सी कूटने, कोल्हू में बैल की तरह जुत कर तेल निकालना, हाथों में हथकड़ियां पहने हुए घंटों टंगे रहना, महीनों एकांत काल-कोठरी में रहना और भी न जाने किसी-किस प्रकार के असहनीय कष्ट झेलने पड़े होंगे सावरकर को। लेकिन ये शारीरिक कष्ट भी कभी उस अदम्य साहस के प्रयाय बन चुके विनायक सावरकर को प्रभावित न कर सके. कारावास में रहते हुए भी सावरकर सदा सक्रिय बने रहे। कभी वो राजबंदियों के विषय में निरंतर आंदोलन करते, कभी पत्र द्वारा अपने भाई को आंदोलन की प्रेरणा देते, कभी अपनी सजाएँ समाप्त कर स्वदेश लौटने वाले क्रांतिवीरों को अपनी कविताएं व संदेश कंठस्थ करवाते। इस प्रकार सावरकर सदैव अपने कर्तव्यपथ पर अग्रसर दिखाई दिए। उनकी अनेक कविताएं व लेख अंदमान की उन दीवारों को लांघ कर 600 मील की दूरी पार करके भारत पहुँचते रहे और समाचार पत्रों द्वारा जनता में देशभक्ति की अलख जगाते रहे।

समरसता व हिंदुत्व के पुरोधा

सन 1921 में सावरकर को अंदमान से कलकत्ता बुलाना पड़ा। वहां उन्हें रत्नागिरी जेल भेज दिया गया। 1924 को सावरकर को जेल से मुक्त कर रत्नागिरी में ही स्थानबद्ध कर दिया गया। उन्हें केवल रत्नागिरी में ही घूमने-फिरने की स्वतंत्रता थी। इसी समय में सावरकर ने हिंदू संगठन व समरसता का कार्य प्रारम्भ कर दिया। महाराष्ट्र के इस प्रदेश में छुआछूत को लेकर घूम-घूमकर विभिन्न स्थानों पर व्याख्यान देकर धार्मिक, सामाजिक तथा राजनैतिक दृष्टि से छुआछूत को हटाने की आवश्यकता बतलाई। सावरकर के प्रेरणादायी व्याख्यान व तर्कपूर्ण दलीलों से लोग इस आंदोलन में उनके साथ हो लिए। दलितों में अपने को हीन समझने की भावना धीरे-धीरे जाती रही और वो भी इस समाज का महत्वपूर्ण हिस्सा है ऐसा गर्व का भाव जागृत होना शुरू हो गया। सावरकर की प्रेरणा से भागोजी नामक एक व्यक्ति ने ढाई लाख रूपए व्यय करके रत्नागिरी में 'श्री पतित पावन मंदिर' का निर्माण करवाया। दूसरी और सावरकर ने ईसाई पादरियों और मुसलमानों द्वारा भोले भाले हिंदुओं को बहकाकर किये जा रहे धर्मांतरण के विरोध में शुद्धि आंदोलन प्रारम्भ कर दिया। रत्नागिरी में उन्होंने लगभग 350 धर्म- भ्रष्ट हिंदुओं को पुनः हिंदू धर्म में दीक्षित किया।

युवाओं के सावरकर

सावरकर का जीवन आज भी युवाओं में प्रेरणा भर देता है। जिसे सुनकर प्रत्येक देशभक्त युवा के रोंगटे खड़े हो जाते है। विनायक की वाणी में प्रेरक ऊर्जा थी। उसमें दूसरों का जीवन बदलने की शक्ति थी। सावरकर से शिक्षा-दीक्षा पाकर अनेकों युवा व्यायामशाला जाने लगे, पुस्तकें पढ़ने लगे। विनायक के विचारों से प्रभावित असंख्य युवाओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आ गया। जो भोग-विलासी थे, वे त्यागी बन गए। जो उदास तथा आलसी थे, वे उद्यमी हो गए। जो संकुचित और स्वार्थी थे, वो परोपकारी हो गए। जो केवल अपने परिवार में डूबे हुए थे, वे देश-धर्म के संबंध में विचार करने लगे। इस प्रकार हम कह सकते है कि युवाओं के लिए सावरकर वो पारस पत्थर थे, की जो भी उनके संपर्क में आया वो ही इस मातृभूमि की सेवा में लग गया। सावरकर स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए व उसके बाद भी उसकी रक्षा हेतु प्रयास करते रहे। इसलिए उनका नाम 'स्वातंत्र्य सावरकर' अमर हुआ. तो आइये, आज वीर सावरकर पुण्यतिथि प्रसंग पर उस हुतात्मा से अभिभूत होकर, उनके जीवन मूल्यों को अपने आचरण द्वारा सत्य प्रमाणित करने का संकल्प करें।

राज्यपाल ने मूक-बधिर बच्चों से मुलाकात कर बढ़ाया हौसला

राज्यपाल ने हरियाणा वेलफेयर सोसायटी फॉर पर्सन्स विद स्पीच एंड हियरिंग इम्पेयरमेंट तथा वूमन हॉस्टल का किया दौरा

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने आज सेक्टर-16 स्थित हरियाणा वेलफेयर सोसायटी फॉर पर्सन्स विद स्पीच एंड हियरिंग इम्पेयरमेंट तथा सेक्टर-10 स्थित भारतीय ग्रामीण महिला संघ (वूमन हॉस्टल) का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया। इस अवसर पर उनकी धर्मपत्नी श्रीमती मित्रा घोष भी उपस्थित रहीं। राज्यपाल ने संस्थान में अध्ययनरत मूक-बधिर बच्चों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने भाषा अनुवादक के माध्यम से बच्चों को लगन और मेहनत से पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि अध्यापक उनकी हर प्रकार से सहायता कर रहे हैं और बच्चों को भी पूरी लगन से शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए। इस अवसर पर राज्यपाल ने मूक-बधिर बच्चों के लिए साइन लैंग्वेज की विभिन्न विषयों की पुस्तकों का भी विमोचन किया।

इससे पूर्व, राज्यपाल ने संस्थान का विस्तृत दौरा कर मूक एवं बधिर बच्चों की शिक्षा और अन्य सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने संस्थान परिसर में प्रस्तावित अतिरिक्त ब्लॉक के स्थल का निरीक्षण कर निर्माण कार्य शीघ्र आरंभ करने के निर्देश दिए। इस तीन मंजिला अतिरिक्त ब्लॉक में कार्यालय भवन और लाइब्रेरी का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। उन्होंने बच्चों की आवश्यकताओं के अनुरूप भवन का आधुनिक डिजाइन तैयार करने के निर्देश दिए।

राज्यपाल ने अतिरिक्त ब्लॉक के लिए नए भवन नक्शे को तैयार करने, परिसर में बनी अनुपयोगी संरचनाओं को हटाने तथा खाली पड़ी भूमि की साफ-सफाई कर उसे बच्चों के लिए हरे-भरे खेल मैदान के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए। साथ ही मूक-बधिर बच्चों के कल्याण हेतु किए जा रहे कार्यों में हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

हरियाणा इंस्टीट्यूट ऑफ स्पीच एंड हियरिंग की चेयरपर्सन श्रीमती मेघा भंडारी ने राज्यपाल को अवगत कराया कि वर्तमान में संस्थान में 104 बच्चे अध्ययनरत हैं। इनमें 30 बच्चे नर्सरी से 5वीं कक्षा तक, 37 बच्चे डिप्लोमा इन एजुकेशन (हियरिंग इम्पेयर्ड) तथा 37 बच्चे डिप्लोमा इन टीचिंग इंडियन साइन लैंग्वेज कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि हरियाणा में इस प्रकार के कुल 8 संस्थान संचालित किए जा रहे हैं और सभी संस्थानों के भवनों व हॉस्टलों के नवीनीकरण की योजना बनाई जा रही है, ताकि बच्चों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिल सके।

उन्होंने यह भी बताया कि पंचकूला स्थित संस्थान में हरियाणा के साथ-साथ अन्य राज्यों के बच्चे भी विभिन्न पाठ्यक्रमों में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। इस अवसर पर हरियाणा इंस्टीट्यूट ऑफ स्पीच एंड हियरिंग के महासचिव श्री कृष्ण कुमार चौपड़ा तथा सहायक निदेशक श्री संजीव कुमार भी उपस्थित रहे। इसके उपरांत राज्यपाल ने सेक्टर-10 स्थित भारतीय ग्रामीण महिला संघ (वूमन हॉस्टल) का दौरा किया और कामकाजी महिलाओं के लिए उपलब्ध भोजन व आवास व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने हॉस्टल के मैस और रसोईघर का निरीक्षण कर महिलाओं के लिए की जा रही भोजन व्यवस्था की जानकारी प्राप्त की। गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए उन्होंने हॉस्टल में एयर कंडीशनर की समुचित व्यवस्था तथा सुरक्षा की दृष्टि से पर्याप्त संख्या में सीसीटीवी कैमरे लगवाने की आवश्यकता पर बल दिया।

भारतीय ग्रामीण महिला संघ के आयोजन सचिव श्री चंद्रहर्ष गोयल ने राज्यपाल को वूमन हॉस्टल में उपलब्ध सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संघ द्वारा ह्यनो प्रॉफिट, नो लॉसह्न के आधार पर वूमन हॉस्टल का संचालन किया जा रहा है। वर्तमान में हॉस्टल में 25 कमरों की व्यवस्था है। कामकाजी महिलाओं के लिए यहां स्वच्छ भोजन के साथ-साथ किफायती दरों पर सुरक्षित एवं बेहतर आवास की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

इस अवसर पर श्री प्रणव गुप्ता, कार्यकारी सदस्य श्री ओ.पी. अरोड़ा तथा पूर्व महासचिव श्रीमती संघ मित्रा भी उपस्थित रहीं। इस मौके पर राज्यपाल के सचिव श्री डी.के. बेहरा, उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा, पुलिस उपायुक्त श्रीमती सृष्टि गुप्ता, एसडीएम पंचकूला श्री चंद्रकांत कटारिया सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

पंचकूला नगर निगम ने जूनियर इंजीनियरों को वार्ड स्तर पर अधिक जिम्मेदारी सौंपी

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

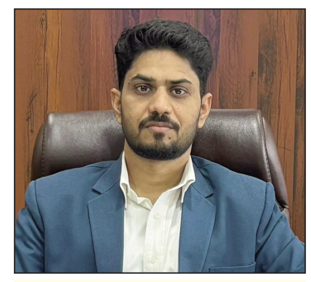

❍ आयुक्त विनय कुमार ने प्रशासनिक सुधारों के तहत जमीनी स्तर पर निगरानी को किया मजबूत

फील्ड स्तर पर मॉनिटरिंग को मजबूत करने और सर्विस डिलीवरी में सुधार के उद्देश्य से एक अहम प्रशासनिक सुधार करते हुए नगर निगम पंचकूला ने एक कार्यालय आदेश जारी किया है। इस आदेश के तहत जूनियर इंजीनियर (सिविल) को उनके संबंधित वार्डों के लिए अधिक जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

नगर निगम आयुक्त श्री विनय कुमार के निर्देशों पर जारी आदेश के अनुसार, जूनियर इंजीनियर अब वार्ड स्तर पर नोडल अधिकारी के रूप में कार्य करेंगे। वे नगर निगम से जुड़े आवश्यक कार्यों के समन्वय और पर्यवेक्षण के लिए पूर्ण रूप से जिम्मेदार होंगे।

उनकी जिम्मेदारियों में सिविल विकास कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करवाना और उनकी निगरानी करना, सड़कों, नालियों, फुटपाथ और सीवरेज से संबंधित कार्यों का रखरखाव सुनिश्चित करना शामिल है। इसके अलावा बागवानी प्रबंधन के तहत छंटाई और खरपतवार हटाने जैसे कार्यों की देखरेख भी वे करेंगे। जूनियर इंजीनियर प्लानिंग एवं बिल्डिंग शाखा के साथ समन्वय कर अतिक्रमण की निगरानी करेंगे और पॉलीथीन प्रतिबंध सहित नगर निगम के नियमों को लागू कराने में भूमिका निभाएंगे। संबंधित शाखाओं के साथ मिलकर एनिमल बर्थ कंट्रोल गतिविधियों का समन्वय, सफाई व्यवस्था और घर-घर से कचरा संग्रहण की निगरानी भी उनकी जिम्मेदारी होगी।

साथ ही, वे स्ट्रीटलाइट एवं उससे जुड़े बुनियादी ढांचे के रखरखाव के लिए इलेक्ट्रिकल शाखा के साथ समन्वय सुनिश्चित करेंगे। नगर निगम का मानना है कि इस कदम से वार्ड स्तर पर जवाबदेही बढ़ेगी और नागरिकों को बेहतर सेवाएं मिल सकेंगी।

इस कदम का उद्देश्य कार्यों के निष्पादन में अधिक निरंतरता सुनिश्चित करना, शिकायतों का त्वरित निस्तारण करना और वार्ड स्तर पर स्पष्ट जवाबदेही तय करना है। जूनियर इंजीनियरों को अधिक पर्यवेक्षणीय अधिकार और समन्वय की जिम्मेदारियां सौंपकर निगम का लक्ष्य विभिन्न शाखाओं के बीच कामकाज को सुगम बनाना तथा अलग-अलग स्तर पर होने वाली निगरानी के कारण उत्पन्न देरी को समाप्त करना है।

आयुक्त श्री विनय कुमार ने जोर दिया कि स्पष्ट जवाबदेही के साथ विकेन्द्रीकृत जिम्मेदारियां नगर निगम संचालन में दक्षता और पारदर्शिता को काफी बढ़ाएंगी। उन्होंने कहा कि यह कदम ग्राउंड-लेवल गवर्नेंस को मजबूत करेगा और नागरिक सेवाओं के कार्यान्वयन की बेहतर मॉनिटरिंग सुनिश्चित करेगा।

यह पहल नगर निगम पंचकूला के शहरी प्रबंधन को सुधारने और पूरे शहर में त्वरित, जवाबदेह और नागरिक-केंद्रित सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रोएक्टिव दृष्टिकोण को दर्शाती है।

प्रशासक द्वारा चंडीगढ़ प्रदूषण नियंत्रण समिति की त्रैमासिक पर्यावरण पत्रिका का विमोचन

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

माननीय प्रशासक, यूटी चंडीगढ़, श्री गुलाब चंद कटारिया ने आज चंडीगढ़ प्रदूषण नियंत्रण समिति (सीपीसीसी) की प्रथम त्रैमासिक पर्यावरण पत्रिका का विमोचन किया। इस अवसर पर मुख्य सचिव, गृह सचिव-ूं४-अध्यक्ष, सीपीसीसी, सदस्य सचिव, सीपीसीसी तथा समिति के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

यह त्रैमासिक पत्रिका चंडीगढ़ की पर्यावरणीय स्थिति को पारदर्शी एवं नागरिक-हितैषी रूप में प्रस्तुत करने हेतु विकसित की गई है। इसमें तिमाही के दौरान किए गए पर्यावरणीय निगरानी कार्यों का विस्तृत विवरण शामिल है, जिसमें प्रमुख झीलों के जल की गुणवत्ता, सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट्स (एसटीपी) का प्रदर्शन, भूजल निगरानी, चोएं (नालों) का आकलन तथा शहर में परिवेशी वायु गुणवत्ता की निगरानी शामिल है। दीपावली एवं छठ पूजा के दौरान की गई विशेष निगरानी को भी रेखांकित किया गया है।प्रकाशन में चंडीगढ़ की वायु गुणवत्ता पर एक विशेष रिपोर्ट के साथ प्रतिकूल वायु गुणवत्ता की स्थिति में ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान के क्रियान्वयन का विवरण भी दिया गया है।इसके अतिरिक्त, विभिन्न पर्यावरणीय अधिनियमों के अंतर्गत सीपीसीसी की नियामक कार्यवाही, प्रवर्तन गतिविधियों तथा अनुपालन उपायों की जानकारी भी सम्मिलित है। पत्रिका में प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, वायु प्रदूषण नियंत्रण से संबंधित जन-जागरूकता अभियानों के साथ-साथ तिमाही के दौरान सीपीसीसी की प्रमुख उपलब्धियों एवं नई पहलों को भी दशार्या गया है। माननीय प्रशासक ने पर्यावरणीय निगरानी, पारदर्शिता एवं जन-जागरूकता को सुदृढ़ करने के लिए सीपीसीसी के प्रयासों की सराहना की।

इस पत्रिका का प्रकाशन चंडीगढ़ में सूचित निर्णय-निर्माण एवं सतत पर्यावरण प्रबंधन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

एनएचपीसी द्वारा पीएससीबी के तत्वावधान में 25वें इंटर सीपीएसयू क्रिकेट टूर्नामेंट की मेजबानी

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

श्री भूपेंद्र गुप्ता, सीएमडी, एनएचपीसी ने आज गुरुग्राम स्थित टेरी ग्राउंड में 25वें इंटर सीपीएसयू टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन किया। इस अवसर पर श्री सुप्रकाश अधिकारी, निदेशक (तकनीकी), एनएचपीसी तथा एनएचपीसी और भाग लेने वाले संगठनों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। एनएचपीसी 24 फरवरी से 1 मार्च 2026 तक पावर स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड (पीएससीबी) के तत्वावधान में 25वें इंटर सीपीएसयू टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहा है।

अपने उद्घाटन संबोधन में सीएमडी, एनएचपीसी ने राष्ट्र निर्माण में विद्युत क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया तथा आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु विश्वसनीय, स्वच्छ और सतत ऊर्जा उपलब्ध कराने के प्रति विद्युत क्षेत्र के संगठनों की सामूहिक प्रतिबद्धता को दोहराया।

उन्होंने कहा कि जिस समन्वय, टीमवर्क और समर्पण की भावना से देश को ऊर्जा मिलती है, वही भावना खेल के मैदान में उत्कृष्टता को भी प्रेरित करती है। उन्होंने इस आयोजन को केवल एक खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि फिटनेस, अनुशासन, नेतृत्व और सौहार्द का उत्सव बताते हुए कहा कि यह कार्यस्थल से परे आपसी संबंधों को सुदृढ़ करने का माध्यम है।

विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन सीपीएसयू एवं अन्य संगठनों की कुल 14 टीमें - विद्युत मंत्रालय, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण, एनटीपीसी, आरईसी, पीएफसी, पीजीसीआईएल, बीईई, एसजेवीएनएल, टीएचडीसी, ग्रिड इंडिया, डीवीसी, बीबीएमबी एवं नीपको इस टूर्नामेंट में भाग ले रही हैं, जो इस आयोजन के महत्व को दशार्ता है।

टूर्नामेंट के दौरान कुल 28 लीग मैच खेले जाएंगे। इसके बाद, 28 फरवरी 2026 को सेमीफाइनल तथा 1 मार्च 2026 को फाइनल मैच आयोजित किया जाएगा। यह टूर्नामेंट विद्युत क्षेत्र के संगठनों के बीच खेल भावना, टीमवर्क और आपसी सद्भाव को बढ़ावा देने के साथ-साथ स्वास्थ्य और फिटनेस की संस्कृति को भी प्रोत्साहित करेगा।

युवाओं को सीखने और नेतृत्व विकास के लिए मंच दे रही हरियाणा सरकार: राकेश संधू ओएसडी

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

हरियाणा सरकार के युवा कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित नेचर कैम्प थापली में इन दिनों हरियाणा के साथ-साथ पंजाब के विभिन्न विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी भी सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। इस भ्रमण कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को प्रकृति के निकट लाना तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना है। हरियाणा सरकार मे ओएसडी राकेश संधू ने भी विद्यार्थियों के साथ संवाद किया। उन्होंने छात्रों से उनके अनुभव साझा करने को कहा तथा प्रकृति संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। ओएसडी राकेश संधू ने कहा कि हरियाणा सरकार युवाओं को ऐसे मंच प्रदान कर रही है, जहां वे सीखने के साथ-साथ नेतृत्व क्षमता भी विकसित कर सकें। उन्होंने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहकर समाज में सकारात्मक संदेश फैलाने के लिए प्रेरित किया। युवा कल्याण संयोजक नरेंद्र सिंह ने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा संचालित इस विशेष कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को प्रकृति, वन्य जीवन एवं पारिस्थितिकी तंत्र की व्यावहारिक जानकारी प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन युवाओं में साहसिक गतिविधियों के प्रति रुचि विकसित करने के साथ-साथ पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना भी उत्पन्न करते हैं। इसी कड़ी में आज पंजाब विश्वविद्यालय के छात्रों ने नेचर कैम्प थापली का भ्रमण किया तथा ट्रैकिंग गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों ने प्राकृतिक वातावरण को नजदीक से अनुभव किया और पर्यावरण के विभिन्न पहलुओं को समझा। इस अवसर पर डिप्टी रेंज ऑफिसर विजय नेहरा ने उपस्थित विद्यार्थियों को जलवायु परिवर्तन, पारिस्थितिकी तंत्र एवं जैव विविधता के संरक्षण के विषय में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने इस अनुभव को ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक बताते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजनों में भाग लेने की इच्छा व्यक्त की। ओएसडी भारत भूषण भारती ने विद्यार्थियों से किया संवाद पंजाब विश्वविद्यालय से नेचर कैम्प थापली भ्रमण के लिए आए छात्र - छात्राओं के साथ मुख्यमंत्री हरियाणा के ओएसडी भारत भूषण भारती ने आत्मीय मुलाकात की और उनके साथ विचार-विमर्श किया। उन्होंने युवाओं के उत्साह और सहभागिता की सराहना करते हुए उन्हें सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

अरुणाचल प्रदेश एवं मिजोरम का स्थापना दिवस पंजाब लोक भवन में उत्साहपूर्वक मनाया गया

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

अरुणाचल प्रदेश एवं मिजोरम का स्थापना दिवस पंजाब लोक भवन, चंडीगढ़ में बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पंजाब के राज्यपाल एवं यू.टी. चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम एक भारत, श्रेष्ठ भारत पहल के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य विभिन्न राज्यों के बीच एकता और आपसी समझ को बढ़ावा देना है। अपने संबोधन में राज्यपाल ने दोनों राज्यों के नागरिकों को स्थापना दिवस की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम अपनी प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध जनजातीय संस्कृति और सशक्त परंपराओं के लिए प्रसिद्ध हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि दोनों राज्यों को 20 फरवरी 1987 को पूर्ण राज्य का दर्जा प्राप्त हुआ, जो भारत की लोकतांत्रिक यात्रा का एक महत्वपूर्ण चरण था। उन्होंने जनजातीय समुदायों के प्रकृति के साथ गहरे संबंध तथा संस्कृति और पर्यावरण संरक्षण में उनकी भूमिका की सराहना की। राज्यपाल ने मिजोरम की उच्च साक्षरता दर और अनुशासित समाज की प्रशंसा की, साथ ही अरुणाचल प्रदेश की जनजातीय विविधता का उल्लेख किया। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की एक भारत, श्रेष्ठ भारत पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विभिन्न राज्यों के लोगों को एक-दूसरे के और करीब लाते हैं। उन्होंने उत्तर-पूर्व क्षेत्र में केंद्र सरकार के विकास प्रयासों का भी उल्लेख किया और कहा कि भारत की विविधता ही उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। इस अवसर पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। दर्शकों ने मिजोरम के खुआलाम और चेराव नृत्य तथा अरुणाचल प्रदेश के गालो और मोपिन नृत्य का आनंद लिया। कार्यक्रम का समापन सभी कलाकारों द्वारा प्रस्तुत भव्य ग्रैंड फिनाले के साथ हुआ, जो राष्ट्रीय एकता और गौरव का प्रतीक रहा।

अतिरिक्त उपायुक्त की अध्यक्षता में डिस्ट्रिक्ट लेवल रिव्यू कमेटी की तिमाही बैठक का हुआ आयोजन

ग्रामीणों को ज्यादा से ज्यादा एनरोल कर सभी स्कीमों का लाभ पहुंचाने के दिए निर्देश

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

अतिरिक्त उपायुक्त निशा यादव की अध्यक्षता में लघु सचिवालय के सभागार में डिस्ट्रिक्ट लेवल रिव्यू कमेटी की तिमाही बैठक का आयोजन हुआ। एडीसी ने सभी बैंक प्रतिनिधियों को ग्रामीणों को ज्यादा से ज्यादा एनरोल कर सभी स्कीमों का लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए।

लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर गजल शर्मा ने अतिरिक्त उपायुक्त को बैंकों के परफॉर्मेंस और जिले में सरकार की अलग-अलग स्पॉन्सर्ड स्कीमों की विस्तार से जानकारी दी। बैठक में पीएम स्वनिधि योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा, हरियाणा महिला विकास कॉर्पोरेशन, हरियाणा अनुसूचित जाति फाइनेंस और विकास कॉर्पोरेशन, और प्रधानमंत्री रोजगार सृजन प्रोग्राम जैसी कई सरकारी स्कीमों के तहत प्रोग्रेस और पेंडेंसी का रिव्यू किया। सोशल सिक्योरिटी स्कीमों के तहत कवरेज बढ़ाने और योग्य लाभार्थियों का ज्यादा से ज्यादा एनरोलमेंट करने पर खास जोर दिया गया।

उपायुक्त ने एप्लीकेशन का समय पर निपटारा व विभिन्न स्कीमों के लागू होने की स्थिति की समीक्षा की। उन्होने ग्रामीणों व पात्र व्यक्ति तक बैंकों और संबंधित विभागों को तालमेल कर प्रचार प्रसार करने व लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होने जिले में प्रायोरिटी सेक्टर में क्रेडिट फ्लो को बेहतर बनाने के भी निर्देश दिए।

इस अवसर पर लीड डिस्ट्रिक्ट ऑफिसर रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया सुधीर सिद्धू, डिस्ट्रिक्ट डेवलपमेंट मैनेजर नेशनल बैंक फॉर एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट पुष्पेंद्र कुमार के साथ-साथ पंचकूला जिले में काम करने वाले सभी बैंकों के डिपार्टमेंट हेड और डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर शामिल थे।

जिला में चाइल्ड एवं एडोलसेंट लेबर उन्मूलन हेतु पैन-इंडिया रेस्क्यू एंड रिहैबिलिटेशन अभियान जारी: अजय कुमार घनघस

पंचकूला । श्री अजय कुमार घनघस, चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट-कम-सेक्रेटरी, एडीआर सेंटर, डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी, डिस्ट्रिक्ट कोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, पंचकूला ने बताया कि जस्टिस लिसा गिल, चेयरपर्सन, हरियाणा स्टेट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी, और श्री जगदीप सिंह लोहान, मेंबर सेक्रेटरी, हलसा के निर्देशों के अनुसार, जिले में चाइल्ड एंड एडोलसेंट लेबर को खत्म करने के लिए पैन-इंडिया रेस्क्यू एंड रिहैबिलिटेशन कैंपेन (जनवरी से मार्च 2026) चलाया जा रहा है।

श्री घनघस ने कहा कि इस कैंपेन का मकसद चाइल्ड एंड एडोलसेंट लेबर में लगे बच्चों की पहचान करना, उन्हें रेस्क्यू करना और उनका रिहैबिलिटेशन करना है, और चाइल्ड लेबर के बुरे असर के बारे में समाज में जागरूकता फैलाना है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हर बच्चे को शिक्षा, सम्मान और सुरक्षित बचपन का बुनियादी अधिकार है, और चाइल्ड प्रोटेक्शन कानूनों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आगे बताया कि डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी, पंचकूला, डिस्ट्रिक्ट चाइल्ड प्रोटेक्शन यूनिट, लेबर डिपार्टमेंट, एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट, स्पेशल जुवेनाइल पुलिस यूनिट, चाइल्ड वेलफेयर कमेटी, फूड एंड सिविल सप्लाई कंट्रोलर, और बचपन बचाओ आंदोलन के डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर के साथ-साथ डिस्ट्रिक्ट टास्क फोर्स , पंचकूला के साथ मिलकर यह कैंपेन चला रही है। जॉइंट टीमें बाल मजदूरी के मामलों को रोकने के लिए जिले भर में अलग-अलग जगहों पर इंस्पेक्शन और सरप्राइज रेड कर रही हैं।

आज कैंपेन के दौरान, डीटीएफ पंचकूला ने डिस्ट्रिक्ट पंचकूला के कालका और पिंजौर इलाकों में एक स्पेशल रेड की। टीम की संयुक्त प्रयासों की वजह से, तीन बच्चों को अलग-अलग जगहों से बचाया गया, जहाँ वे मजदूरी करते पाए गए थे। संबंधित पुलिस स्टेशन में तुरंत डीडीआर दर्ज की गई, और मालिकों के खिलाफ जरूरी कानूनी कार्रवाई शुरू की गई।

इसके बाद, बचाए गए बच्चों को उनकी फिजिकल हेल्थ सुनिश्चित करने के लिए सरकारी हॉस्पिटल में मेडिकल जांच के लिए ले जाया गया। मेडिकल फॉर्मैलिटीज पूरी होने के बाद, बच्चों को चाइल्ड वेलफेयर कमेटी, पंचकूला की चेयरपर्सन, वीना अरोड़ा के सामने पेश किया गया। कमेटी ने बच्चों के बैकग्राउंड और हालात को समझने और उनकी आवश्कताओं का अंदाजा लगाने के लिए काउंसलिंग सेशन किए। इसके बाद, बच्चों को कानून के मुताबिक सुरक्षित शेल्टर, देखभाल और आगे के रिहैबिलिटेशन के लिए बाल निकेतन, सेक्टर-2, पंचकूला भेज दिया गया।

श्री घनघस ने दोहराया कि यह कैंपेन पूरे ज़िले में जारी रहेगा, और प्रशासन बाल और किशोर मजदूरी को खत्म करने और बचाए गए हर बच्चे के लिए सही रिहैबिलिटेशन और शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

संक्षिप्त-समाचार

54वें रोज फेस्टिवल में पीजीआईएमईआर का दबदबा: लगातार छठे साल टॉप पोजीशन हासिल की

चंडीगढ़। पीजीआईएमईआर के इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट के हॉर्टिकल्चर विंग ने एक बार फिर हॉर्टिकल्चर में अपनी बेहतरीन परफॉर्मेंस दिखाते हुए 54वें रोज फेस्टिवल (2026) में ओवरऑल टॉप पोजीशन हासिल की। यह पीजीआईएमईआर के डायरेक्टर की लीडरशिप में इंस्टीट्यूट की लगातार छठी ऐतिहासिक जीत है। सेक्टर 16 के रोज गार्डन में ऑर्गनाइज किए गए रोज फेस्टिवल में पीजीआई हॉर्टिकल्चर विंग ने अब तक का अपना सबसे सफल परफॉर्मेंस दिया, जिसमें कुल 40 प्राइज जीते, जो इस मशहूर कॉम्पिटिशन में विंग द्वारा हासिल किए गए अब तक के सबसे ज्यादा प्राइज हैं। पीजीआईएमईआर हॉर्टिकल्चर विंग ने अलग-अलग सेगमेंट में अपनी महारत दिखाई, अलग-अलग कैटेगरी में बेहतरीन क्वालिटी और सुंदर प्रेजेंटेशन दिखायाः कुल जीते गए प्राइजः 40 पहला प्राइजः 18 दूसरा प्राइजः 22 ये अवॉर्ड पॉट-सेक्शन, कट-फ्लावर सेक्शन और लॉन सेक्शन में बांटे गए, जो ग्रीन स्पेस और फूलों के डिस्प्ले को बनाए रखने में टीम की पूरी एक्सपर्टीज को दिखाते हैं।

डॉ. संदीप बंसल ने आईएएसएसए का प्रेसिडेंट पद संभाला

चंडीगढ़। डॉ. संदीप बंसल ने इंडियन एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स फॉर स्लीप एपनिया के प्रेसिडेंट का पद संभाला है, और भारत में ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया के बढ़ते बोझ से निपटने के लिए एक बोल्ड, मिलकर काम करने वाले विजन की रूपरेखा बताई है। डीएसए को गंभीर कार्डियोवैस्कुलर, मेटाबोलिक और न्यूरोकॉग्निटिव नतीजों वाली एक साइलेंट एपिडेमिक बताते हुए, डॉ. बंसल ने जोर देकर कहा कि इसके मैनेजमेंट को अलग-थलग स्पेशलिटी केयर से आगे बढ़कर एक स्ट्रक्चर्ड इंटरडिसिप्लिनरी मॉडल की ओर बढ़ना चाहिए। उन्होंने ईएनटी सर्जनों, पल्मोनोलॉजिस्ट, स्लीप फिजिशियन, मैक्सिलोफेशियल सर्जन, न्यूरोलॉजिस्ट, एनेस्थिसियोलॉजिस्ट और संबंधित हेल्थ एक्सपर्ट्स के बीच बेहतर तालमेल की वकालत की ताकि पूरा, मरीज-केंद्रित इलाज पक्का किया जा सके। उनके नेतृत्व में, आईएएसएसए युवा डॉक्टरों के लिए सबूत-आधारित प्रोटोकॉल, मिलकर की जाने वाली रिसर्च, स्टैंडर्ड सर्जिकल तरीकों और एडवांस्ड ट्रेनिंग प्लेटफॉर्म को प्राथमिकता देगा। नेशनल और इंटरनेशनल एकेडमिक पार्टनरशिप को मजबूत करना भी एक अहम कदम होगा। उन पर दिखाए गए भरोसे के लिए शुक्रिया अदा करते हुए, डॉ. बंसल ने इनोवेशन, एजुकेशन और यूनिफाइड क्लिनिकल एक्सीलेंस के जरिए भारत में स्लीप मेडिसिन और स्लीप सर्जरी के स्टैंडर्ड को बेहतर बनाने के अपने कमिटमेंट को दोहराया।

अतिरिक्त उपायुक्त की अध्यक्षता में डिस्ट्रिक्ट लेवल रिव्यू कमेटी की तिमाही बैठक का हुआ आयोजन

पंचकूला। अतिरिक्त उपायुक्त निशा यादव की अध्यक्षता में लघु सचिवालय के सभागार में डिस्ट्रिक्ट लेवल रिव्यू कमेटी की तिमाही बैठक का आयोजन हुआ। एडीसी ने सभी बैंक प्रतिनिधियों को ग्रामीणों को ज्यादा से ज्यादा एनरोल कर सभी स्कीमों का लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए। लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर गजल शर्मा ने अतिरिक्त उपायुक्त को बैंकों के परफॉर्मेंस और जिले में सरकार की अलग-अलग स्पॉन्सर्ड स्कीमों की विस्तार से जानकारी दी। बैठक में पीएम स्वनिधि योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा, हरियाणा महिला विकास कॉर्पोरेशन, हरियाणा अनुसूचित जाति फाइनेंस और विकास कॉर्पोरेशन, और प्रधानमंत्री रोजगार सृजन प्रोग्राम जैसी कई सरकारी स्कीमों के तहत प्रोग्रेस और पेंडेंसी का रिव्यू किया। इस अवसर पर लीड डिस्ट्रिक्ट ऑफिसर रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया सुधीर सिद्धू, डिस्ट्रिक्ट डेवलपमेंट मैनेजर नेशनल बैंक फॉर एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट पुष्पेंद्र कुमार के साथ-साथ पंचकूला जिले में काम करने वाले सभी बैंकों के डिपार्टमेंट हेड और डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर शामिल थे।

राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने चार आरोपियों को किया गिरफ्तार, गहन जांच जारी

चंडीगढ़। दिनांक 23.02.2026 को हरियाणा सरकार के निर्णय, जिसे मुख्य सचिव (सतर्कता), हरियाणा के पत्र द्वारा से सूचित किया गया था, की अनुपालना में राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, पंचकूला द्वारा मुकदमा दर्ज कर जांच आरंभ की गई। यह मामला भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 13(2) तथा भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 316(5), 318(4), 336(3), 338, 340(2) एवं 61(2) के अंतर्गत दर्ज किया गया है है। सरकार से प्राप्त पत्र एवं संलग्न दस्तावेजों के परीक्षण के दौरान यह गंभीर आरोप सामने आए कि कुछ सरकारी विभागों के बैंक खाते आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, सेक्टर-32 शाखा में संचालित थे। इन खातों में जमा सरकारी धनराशि को कथित तौर पर अनधिकृत रूप से अन्य खातों– जिनमें निजी फर्मों, सरकारी विभागों एवं अन्य व्यक्तियों के खाते शामिल हैं।